THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 121 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.2 2080 बुधवार, 19 जुलाई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

विपक्षी गठबंधन पर पीएम मोदी बोले

ये साथ हैं, पास नहीं

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। एनडीए की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन पर कहा, ये साथ तो आ सकते हैं, पास नहीं। केरल में लेफ्ट और कांग्रेस एक-दूसरे के खून के प्यासे हैं, लेकिन बेंगलूरू में हाथ पकड़कर हंस रहे हैं। बंगाल में लेफ्ट और तृणमूल कांग्रेस लड़ रहे हैं, लेकिन बेंगलुरू में साथ खड़े हैं। जनता जानती है ये मिशन नहीं मजबूरियां है। इन्हें अपने कार्यकर्ताओं की भी चिंता नहीं।

मेरे शरीर का हर कण, मेरे जीवन का हर क्षण देश को समर्पित है। भरोसा दिलाता हूं एनडीए के तीसरे टर्म में देश की इकोनॉमी दुनिया में तीसरे नंबर पर होगी। एनडीए के 25 साल पूरे होने पर मोदी ने कहा, एनडीए में एन का मतलब न्यू इंडिया है, डी का मतलब है विकसित राष्ट्र ओर ए का अर्थ है लोगों की आकांक्षा है। आज युवा, महिलाएं, मध्यम वर्ग, दलित और वंचितों को एनडीए पर भरोसा है।

हमारा संकल्प पॉजिटिव है, एजेंडा पॉजिटिव है, रास्ता भी पॉजिटिव है। सरकारें बहुमत से बनती हैं, देश सबके साथ से चलती है। देश में राजनीतिक गठबंधन का पुराना इतिहास है, लेकिन नकारात्मक विचार से बने गठबंधन सफल नहीं हुए। एनडीए का लक्ष्य सत्ता हासिल करना नहीं था। एनडीए किसी के विरोध में नहीं बना था। एनडीए किसी को सत्ता से हटाने के लिए नहीं बना था। इसका गठन देश में स्थिरता लाने के लिए हुआ था। जब देश में स्थिर सरकार होती है तो देश कालजली फैसले करता है।

पीएम ने अपने भाषण की शुरूआत में कहा, हमारे साथ आज बादल जी और बाला साहेब के सच्चे अनुयायी मौजूद हैं। इसके बाद उन्होंने कहा, हमने अटलजी के दौर में भी देखा और पिछले 9 सालों में बार-बार देख रहे हैं। आज पूरे विश्व का भारत पर भरोसा बढ़ा है।

एनडीए की एक और विशेषता रही हैं, विपक्ष में भी हमने सकारात्मक राजनीति की कभी नकारात्मक राजनीति का रास्ता नहीं चुना। विपक्ष में रहकर सरकार का विरोध किया, उनके घोटालों को सामने लाए, लेकिन जनादेश का विरोध नहीं किया। हमने सरकार के विरोध के लिए विदेशी मदद नहीं ली।

आज हम देखते हैं केंद्र की योजनाओं को विपक्ष की कई सरकारें अपने राज्यों लागू नहीं होने देती। ये योजनाएं लागू होती हैं तो उन्हें रफ्तार नहीं पकड़ने देते। वो सोचते हैं कि अगर मोदी की योजना का लाभ गरीबों को मिला तो उनकी राजनीति कैसे चलेगी।

सोनिया-राहुल के प्लेन की भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग

भोपाल, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के चार्टर्ड प्लेन की भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। प्लेन में तकनीकी खराबी आई थी। सोनिया-राहुल इस प्लेन से बेंगलुरू से दिल्ली जा रहे थे।

करीब डेढ़ घंटे भोपाल एयरपोर्ट पर रुकने के बाद दोनों रात 9.35 बजे इंडिगो की फ्लाइट से दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

राहुल-सोनिया भोपाल एयरपोर्ट के वीआईपी लाउंज में रुके रहे। इस दौरान भोपाल के कांग्रेस नेताओं ने वहां पहुंचकर उनसे मुलाकात की। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, कांग्रेस विधायक पीसी शर्मा, कुणाल चौधरी, आरिफ मसूद और शोभा ओझा समेत कई कांग्रेस नेता एयरपोर्ट पहुंचे थे।

विपक्षी गठबंधन का नाम इंडिया

11 लोगों की समन्वय समिति बनेगी, अगली बैठक मुंबई में होगी : खड़गे

बेंगलुरू, 18 जुलाई (एजेंसियां)। विपक्षी एकता की दूसरे दिन की बैठक मंगलवार को बेंगलुरू में हुई। 2024 के आम चुनाव में भाजपा को हराने के लिए विपक्ष के 26 दल एक साथ आए हैं। बैठक में विपक्षी दलों के गठबंधन का नाम इंडिया तय किया गया है। इसका फुल फॉर्म इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस है।

इसका ऐलान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी दलों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। उन्होंने कहा, समन्वय के लिए 11 सदस्यों की कमेटी और एक कार्यालय जल्द बनाया जाएगा।

इसकी घोषणा मुंबई में होने वाली हमारी अगली बैठक में होगी। खड़गे ने कहा, भाजपा ने लोकतंत्र की सभी एजेंसियों ईडी, सीबीआई आदि को नष्ट कर दिया है। हमारे बीच राजनीतिक भेद हैं, लेकिन हम देश को बचाने के लिए साथ आए हैं। इससे पहले हम पटना में मिले थे, जहां 16 पार्टियां मौजूद थीं। आज की बैठक में 26 पार्टियों ने हिस्सा लिया। यह देखकर एनडीए 36 पार्टियों के साथ बैठक कर रहे हैं। मुझे नहीं पता वो कौन सी पार्टियां हैं।

वे रजिस्टर्ड भी हैं या नहीं? आज हम यहां अपने हित के लिए नहीं बल्कि देश को बचाने के लिए एकत्र हुए हैं। हमारा लक्ष्य है कि हम सरकार की नाकामियों को उजागर करेंगे। मैं खुश हूं कि राहुल, ममता सब सहमत हैं।

जम्मू-कश्मीर में चार आतंकवादी ढेर

जम्मू, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ के सिंधरा इलाके में सुरक्षा बलों ने संयुक्त ऑपरेशन में चार आतंकियों को मार गिराया है। ऑपरेशन में मारे गए सभी आतंकवादी विदेशी हैं।

सोमवार रात करीब 11:30 बजे शुरू हुई मुठभेड़ मंगलवार सुबह तक चली। 9 घंटे के दौरान सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। भारतीय सेना के विशेष बल, राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान इस ऑपरेशन का हिस्सा थे। इंडियन आर्मी ने बताया, ऑपरेशन त्रिनेत्र II के तहत पुंछ इलाके में घेराबंदी के बाद तलाशी अभियान चलाया गया था।

एलओसी के पास दो घुसपैठिए मारे गए थे :

भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस पिछले दो दिनों से सर्च ऑपरेशन चला रही है। सोमवार को जाइंट ऑपरेशन में दो घुसपैठियों को मार गिराया गया था। सेना के मुताबिक, बॉर्डर के करीब संदिग्ध गतिविधि नोटिस की गई थी। जिसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

आतंकियों से मिले होने के शक में 3 सरकारी कर्मचारी सस्पेंड :

वहीं जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने 17 जुलाई को तीन सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। तीनों पर आरोप है कि वे पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के लिए काम करते थे और आतंकियों को लॉजिस्टिक्स सप्लाई करते थे। वे आतंकी सोच को बढ़ावा देने, टेरर फंडिंग जुटाने का भी काम करते थे।

ईडी ने टीएमसी के करीबी कारोबारी को किया गिरफ्तार

कोलकाता, 18 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चिटफंड धोखाधड़ी और वित्तीय हेराफेरी मामले में तृणमूल कांग्रेस के करीबी कारोबारी को गिरफ्तार किया है।

बताया जा रहा है कि काफी समय तक पूछताछ करने के बाद कारोबारी कौस्तव राय को ईडी ने सोमवार देर रात गिरफ्तार किया। कौस्तव राय कई बार वित्तीय अनियमितताओं के आरोप हैं। इस कारण कुछ महीने पहले उनके दफ्तर और घर पर आयकर विभाग ने छापा भी मारा था। विपक्ष ने उनके तृणमूल कांग्रेस के करीबी होने का आरोप लगाए हैं।

बागेश्वर बाबा के बयानों के खिलाफ महिलाओं ने खोला मोर्चा, कहा-मांगें माफी

ग्रेटर नोएडा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में दस दिन रह कर भगवत कथा करने वाले बागेश्वर धाम के बाबा धीरेंद्र शास्त्री तो अब चले गए लेकिन विवादों का पिटारा यहीं छोड़ गए। ग्रेटर नोएडा में आयोजित कथा के दौरान उन्होंने महिलाओं पर जो टिप्पणी की उसको लेकर अब देश के अलग-अलग हिस्सों में विवाद शुरू हो गया। राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर निशाना साध लिया है। हालांकि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर अगर लोगों ने निशाना साधा, तो उनका बचाव करने के लिए उनके फॉलोअर भी मैदान में कूद गए हैं। वहीं महिला संगठनों ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के इस बयान पर आपत्ति दर्ज करते हुए महिला आयोग से संज्ञान लेने की बात कही है।

ग्रेटर नोएडा के जैतपुर में आयोजित होने वाली भागवत कथा के दौरान बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने महिलाओं की मांग में भरे जाने वाले सिंदूर और गले में पहने जाने वाले मंगलसूत्र को लेकर टिप्पणी की थी। उसके बाद से ही धीरे-धीरे धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के इस बयान को लेकर विवाद उठना शुरू हो गया। अखिल भारतीय वर्किंग वूमेन एसोसिएशन से जुड़ी सुमित्रा चटर्जी कहती हैं महिलाओं को लेकर इस तरीके से की जाने वाली भाषा पर आखिर विराम कब लगेगा। वह कहती हैं कि बागेश्वर धाम ने जिस तरीके से महिलाओं को सिंदूर और मंगलसूत्र पहनने पर खाली प्लॉट बता दिया, उससे ज्यादा शर्मनाक और क्या हो सकता है।

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत पन्नू की भारत को धमकी

जालंधर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस का मुखिया खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर भारत को धमकी दी है।

पन्नू ने कहा है कि सिख अभी तक हथियार उठाना भूले नहीं हैं। इतना ही नहीं, पन्नू ने कनाडा में मारे गए आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और कनाडा में हाई कमिशनर संजय वर्मा को दोषी ठहराया है। पन्नू ने अमित शाह, एस जयशंकर और संजय वर्मा की फोटो लगाकर एक और पोस्टर जारी किया है।

चंद्रयान-3 ने पार किया एक और पड़ाव तीसरा ऑर्बिट भी बदला

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। शुक्रवार (14 जुलाई) को लॉन्च के बाद चंद्रयान-3 ने अंतरिक्ष में तीसरी बाधा पार कर ली है। चंद्रयान-3 ने दूसरा ऑर्बिट-रेजिंग मैनूवर सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार दोपहर यह अपडेट दिया। इसरो के मुताबिक, चंद्रयान-3 की लोकेशन अब 41603 किमी x 226 ऑर्बिट में है। यह धरती के चक्कर लगाते हुए उसके गुरुत्वाकर्षण बल से बाहर निकलेगा।

इसरो ने कहा कि चंद्रयान-3 की तीसरी कक्षा को सफलतापूर्वक बदल दिया गया है। अगली ऑर्बिट मैन्यूवरिंग 20 जुलाई 2023 को दोपहर 2 से 3 बजे ही होगी, फिलहाल इसरो ने यह नहीं बताया है कि दूरी में कितना बदलाव किया गया है। चंद्रयान-3 के 23 या 24 अगस्त को चंद्रमा पर लैंड करने की संभावना है। चंद्रयान-3 में एक प्रपल्शन मॉड्यूल (वजन 2,148 किलोग्राम), एक लैंडर (1,723.89 किलोग्राम) और एक रोवर (26 किलोग्राम) शामिल है।

अभियान के तहत चंद्रयान 41 दिन की अपनी यात्रा में चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर एक बार फिर सॉफ्ट लैंडिंग की कोशिश करेगा। गौरतलब है कि दक्षिणी ध्रुव पर अभी तक किसी देश ने सॉफ्ट लैंडिंग नहीं की है।

17.78 cm SmartPlay Studio (Available from Zeta variant onwards)

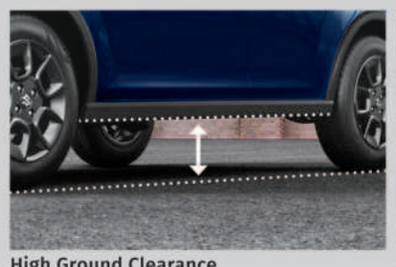
High Ground Clearance and SUV-like Stance

Auto Gear Shift

Spacious and Comfortable Interiors

1.2L VVT Petrol Engine

NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants

- DUAL FRONT AIRBAGS
- ABS WITH EBD
- PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
- COMPLIANT WITH -
  - FULL FRONTAL IMPACT
  - FRONTAL OFFSET IMPACT
  - SIDE IMPACT

*Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. For details on functioning of safety features, including air bags, kindly refer Owner's Manual.

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO AVAIL EXCITING OFFERS UP TO ₹ 59 000#.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

HYDERABAD: NEXA BANJARA HILLS (VARUN MOTORS PH: 04067263433), NEXA JUBLIEE (RKS MOTORS PH: 04066588489), NEXA LB NAGAR (KALYANI MOTORS PH: 04071326633), NEXA MUSHEERABAD (THE MITHRA AGENCIES PH: 04067263455), NEXA RAIDURGAM (PAVAN MOTORS PVT. LTD. PH: 04071327134), NEXA LUMBINI PARK (RKS MOTORS PH: 04067263307), NEXA MALAKPET (GEM MOTORS INDIA PVT LTD PH: 04047474949), NEXA KUKATPALLY (ADARSHA AUTO WORLD PVT. LTD. PH: 04071326576), NEXA GACHIBOWLI (JAYABHERI AUTOMOTIVE PH: 04067263427), NEXA QCITY ROAD (SAI SERVICE PVT LTD PH: 04066588133), BEGUMPET: NEXA BEGUMPET (VARUN MOTORS PH: 040-71327598), ATTAPUR: NEXA ATTAPUR (ADARSHA AUTO WORLD PVT. LTD. PH: 04071328907), MIYAPUR: NEXA MIYAPUR (JAYABHERI AUTOMOTIVE PH. 9100053502), SECUNDERABAD: NEXA BOWENPALLY (AUTOFIN LIMITED PH: 04071326637), NEXA SAINIKPURI (VARUN MOTORS PH: 04071326630), WARANGAL: NEXA WARANGAL EAST (ADARSHA AUTO WORLD PVT. LTD. PH: 04071326593), KARIMNAGAR: NEXA RAMPUR (ADARSHA AUTO WORLD PVT. LTD. PH: 04071326572), NIZAMABAD: NEXA NIZAMABAD EAST (VARUN MOTORS PH: 04071326631), NALGONDA: NEXA NALGONDA NORTH (PAVAN MOTORS PVT LTD PH: 04071326557), KHAMMAM: NEXA WYRA ROAD (PARAMSHIVA MOTORS PH: 04071326638), MAHABUBNAGAR: NEXA MAHABUBNAGAR SOUTH (SRI JAYARAMA MOTORS PVT. LTD. PH: 04071326553), MANCHERIAL: NEXA MANCHERIAL CENTRAL (ADARSHA AUTO WORLD PVT. LTD. PH: 04067263320).

*Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. For more details, please contact your nearest NEXA dealership.

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

दिल्ली में यमुना ने डराया, मथुरा-आगरा में भी बाढ़, पहाड़ी राज्यों में फिर भारी बारिश

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली, हिमाचल और उत्तराखंड समेत उत्तर भारत के राज्यों में बारिश अभी भी डरा रही है। पहाड़ी राज्यों में हो रही बारिश की वजह से राजधानी दिल्ली में यमुना का जलस्तर फिर बढ़ने लगा है। आज सुबह यमुना का जलस्तर 206 मीटर के पार दर्ज किया गया है। जलस्तर बढ़ने से यमुना किनारे बसे लोगों के लिए फिर मुसीबतें खड़ी हो गई हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के मंडी में हुई तेज बारिश ने लोगों में डर भर दिया है। यहां अभी भी रुक रुक कर बारिश हो रही है। दो हफ्ते पहले हुई तबाही को देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट पर है। कल कुल्लू में बादल फटने से पानी में बहकर एक शख्स की मौत हो गई थी। उत्तराखंड में गंगा नदी भी उफान पर है, जिसकी वजह से हरिद्वार में अलर्ट जारी किया गया है और लोगों को घाटों पर नहीं जाने की अपील की गई है।

दिल्ली में बाढ़ से बड़ा नुकसान

दिल्ली में मौसम विभाग ने धीमी से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। यहां लोगों के निजी नुकसान के साथ ही यमुना में आए पानी ने कारोबार को भी काफी नुकसान पहुंचाया है। विशेषज्ञों की मानें तो करीब 200 करोड़ के बिजनेस का नुकसान हुआ है। उधर बाढ़ का पानी कम होने के बाद प्रभावित इलाकों में बीमारियों और महामारी की खतरा बढ़ गया है। डॉक्टरों के मुताबिक मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी तो हुई है, लेकिन कई तरह की जल जनित बीमारियों का खतरा बढ़ा हुआ है, हालांकि दिल्ली सरकार हर तरह के हालात से निपटने के लिए खुद को तैयार बता रही है।

इतिहास में पहली बार यमुना का जलस्तर 208 मीटर के पार हो गया है.

आगरा में ताज व्यू प्वाइंट बंद, मथुरा में भी बाढ़

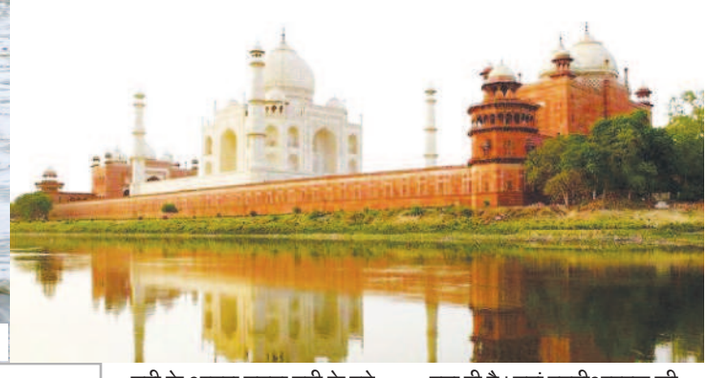

यूपी के आगरा यमुना नदी के बढ़े जलस्तर ने लोगों की परेशानियां बढ़ा दी है। यहां एनडीआरएफ की टीम ने ताज व्यू प्वाइंट का निरीक्षण किया और हालात का जायजा लिया। फिलहाल ताज व्यू प्वाइंट को बंद कर दिया गया है और लोगों से सुरक्षित जगह जाने की अपील की गई है। लोगों का कहना है कि 1978 के बाद पहली बार यमुना नदी का पानी ताजमहल की दीवार के पास पहुंच गया है। हालात ऐसे हैं कि कैलाश मंदिर के गर्भगृह तक पानी पहुंच गया है। इसको लेकर मंदिर प्रशासन ने कैलाश मेला स्थगित कर दिया है। उधर मथुरा के रिहाइशी इलाकों में भी बाढ़ का पानी घुस गया है। वृंदावन में परिक्रमा मार्ग पर कई फीट तक जलभराव हुआ है।

राजस्थान में भी 23 जुलाई तक अलर्ट जारी

राजस्थान के कई जिलों में हुई बारिश ने लोगों की परेशानियां बढ़ा दी है, वहीं मौसम विभाग ने राजस्थान के पूर्वी हिस्से में 23 जुलाई तक येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। सीकर जिले में बारिश के पानी ने जमकर कहर बरपाया है। बारिश के पानी के चलते कई मुख्य रास्ते बंद हो गए हैं। जलभराव के चलते लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। भारी बारिश की वजह से रेलवे ट्रैक पर भी जलभराव हुआ है। रेलवे ट्रैक पूरी तरह पानी में डूबा नजर आया। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित आधा दर्जन से अधिक कॉलोनियों में जलभराव के चलते लोगों को काफी परेशानियों का

हिमाचल में मंडी-कुल्लू नेशनल हाई वे बंद

पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश के मंडी में हुई तेज बारिश के बाद चंडीगढ़-मनाली हाइवे पर लैंडस्लाइड के बाद चल रहे राहत कार्य के दौरान एक मशीन पर मलबा गिरने से मंडी-कुल्लू नेशनल हाई वे बंद हो गया। अचानक मलबा गिरने से लोग दहशत में आ गए। वहीं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने राज्य में बारिश से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने बिलासपुर, घुमारवीं और स्वारघाट का दौरा किया और कहा कि केंद्र सरकार की पूरी संवेदनाएं आपदा प्रभावित लोगों के साथ हैं। उनके मुताबिक स्वार चैनलाइजेशन के चलते कम नुक़सान देखने को मिल रहा है।

मेरठ में 13 गांव प्रभावित

वहीं मेरठ में जिला प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री वितरण की है। डीएम दीपक मीणा के मुताबिक जिले के करीब 13 गांव प्रभावित हुए हैं। स्थानीय लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। हालात सामान्य हैं और लोगों को जरूरत की चीजें मुहैया कराई जा रही हैं।

मौसम को लेकर क्या है अनुमान?

बता दें कि मौसम विभाग ने बताया है कि उत्तर भारत और पूर्वी भारत में अगले पांच दिनों तक मध्यम से भारी बारिश का अनुमान है, क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून का एक और सक्रिय चरण शुरू हो सकता है। साथ ही आईएमडी ने यह भी कहा है कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश कई हिस्सों में अगले दो दिनों तक भारी बारिश जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री ने केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के निधन पर व्यक्त किया शोक

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें एक विनम्र और समर्पित नेता बताया। मोदी ने ट्वीट किया, श्री ओमन चांडी जी के निधन से, हमने एक विनम्र और समर्पित नेता खो दिया है, जिन्होंने अपना जीवन सार्वजनिक सेवा के लिए समर्पित कर दिया और केरल की प्रगति के लिए काम किया। मुझे उनके साथ अपनी विभिन्न बातचीत याद है, खासकर जब हम दोनों ने मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। हमारे संबंधित राज्यों में, और बाद में जब मैं दिल्ली चला गया। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले।" चांडी (79) का आज सुबह बेंगलुरु के एक अस्पताल में निधन हो गया, जहां उनका कैंसर का इलाज चल रहा था। वह दो बार केरल के मुख्यमंत्री रह चुके थे।

गुवाहाटी उच्च न्यायालय को सुप्रीम कोर्ट से लगा झटका

डब्ल्यूएफआई चुनावों को लेकर आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को गुवाहाटी उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनावों पर रोक लगा दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने भेजा नोटिस

जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस एस वी भट्टी की पीठ ने उच्च न्यायालय के 25 जून के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्रीय खेल मंत्रालय, भारतीय कुश्ती महासंघ, असम कुश्ती संघ और अन्य को नोटिस जारी किया है। आंध्र प्रदेश एमेच्योर कुश्ती एसोसिएशन के वकील ने पीठ को बताया कि एक तीसरा पक्ष रविवार को उच्च न्यायालय के समक्ष पेश हुआ और मामले पर रोक लगा दी। उन्होंने कहा कि कुश्ती महासंघ के चुनाव में देरी हो रही है। इसके बाद पीठ ने नोटिस जारी किया और उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी।

हाई कोर्ट ने 28 जुलाई को तय की थी अगली तारीख

बता दें कि उच्च न्यायालय ने सोमवार को असम कुश्ती संघ द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के लिए अगली तारीख 28 जुलाई तय की थी। डब्ल्यूएफआई के चुनाव 11 जुलाई को होने थे, लेकिन चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने का अधिकार मांगने वाली असम कुश्ती संघ (एडब्ल्यूए) की याचिका के बाद गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने चुनाव पर रोक लगा दी थी। राज्य संघ ने दावा किया था कि वह मतदान के अधिकार के साथ डब्ल्यूएफआई का संबद्ध सदस्य बनने का हकदार है, लेकिन 15 नवंबर 2014 को इसकी कार्यकारी समिति की सिफारिश के बावजूद राष्ट्रीय महासंघ ने इसे मान्यता देने से इनकार कर दिया था। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने निर्वाचक मंडल के लिए नाम जमा करने की आखिरी तारीख 25 जून को चुनाव पर रोक लगा दी थी।

मर्डर या सुसाइड! कमरे में खून से लथपथ मिला महिला का गला कटा शव; मचा हड़कंप

कोलकाता, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के कैनिंग इलाके जैसे ही घर के लोग सुबह उठे तो देखा कि घर में एक खून से लथपथ गला कटा शव पड़ा हुआ है और वह शव घर की ही महिला का ही है। मृत महिला की पहचान 42 साल की अंजली नस्कर के रूप में हुई है। यह सनसनीखेज वारदात दक्षिण 24 परगना जिले के कैनिंग इलाके के थुमकाठी के उत्तर मीठाखाली गांव में घटी है। खून से लथपथ गला कटा हुआ शव देकर पूरे इलामें सनसनी फैल गई। आनन-फानन में कैनिंग थाने को सूचना दी गई। कैनिंग की पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की है। पुलिस ने कैनिंग के घर से प्राप्त महिला के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए संबंधित अस्पताल में भेज दिया है।

तमिलनाडु: सेंथिल बालाजी ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का किया रुख

चेन्नई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कैश-फॉर-नौकरी घोटाले के संबंध में पूछताछ के लिए उन्हें हिरासत में लेने की अनुमति दी गई है। सत्तारूढ़ द्रमुक और गिरफ्तार तमिलनाडु के मंत्री बालाजी के लिए एक बड़ा झटका लगा है। मद्रास उच्च न्यायालय ने उनकी पत्नी मेगाला द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज कर दिया और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उन्हें हिरासत में लेने के लिए शक्ति को बरकरार रखा।

तीन दिनों तक चली मैराथन सुनवाई के बाद जस्टिस सीवी कार्तिकेयन ने फैसला सुनाया। 13 जून की आधी रात को ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी के बाद, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया और फिर प्रधान सत्र न्यायाधीश द्वारा उन्हें रिमांड पर लेने की अनुमति दी गई। फिर, हाई कोर्ट की सुनवाई करते हुए, एक डिवीजन बेंच ने उन्हें एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की अनुमति दी, जहां उनकी दिल की सर्जरी हुई। मेगाला ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की जिसमें गिरफ्तारी की प्रक्रियाओं के उल्लंघन का आरोप लगाया।

राजनीतिक मोर्चे पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उन्हें बिना विभाग के मंत्री के रूप में बरकरार रखा। न्यायमूर्ति निशा बानू और न्यायमूर्ति डी भरत चक्रवर्ती की खंडपीठ द्वारा खंडित फैसला सुनाए जाने के बाद मामला न्यायमूर्ति कार्तिकेयन के समक्ष रखा गया। यह मानते हुए कि याचिका सुनवाई योग्य है, न्यायमूर्ति बानू ने गिरफ्तारी को अवैध घोषित किया और बालाजी को मुक्त करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति चरवार्थी ने कहा कि ईडी गिरफ्तार करने और हिरासत की मांग करने की अपनी शक्ति के भीतर थी। अब, तीसरे न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति चक्रवर्ती से सहमति व्यक्त की थी।

परीक्षा में मोबाइल के साथ पकड़ा गया बीटेक छात्र

पुलिस ने कहा-कॉलेज द्वारा पैरेंट्स को जानकारी देने की बात पर लड़के ने दी जान

बेंगलुरु, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के होसाकेरेहल्ली के पीईएस विश्वविद्यालय में पढ़ने वाला एक छात्र कॉलेज कैंपस के एक बिल्डिंग से कूद कर अपनी जान दे दी है। बताया जा रहा है कि 19 साल का यह छात्र बीटेक (कंप्यूटर विज्ञान) की पढ़ाई कर रहा था और परीक्षा के दौरान नकल करते हुए पकड़ा गया था। जानकारी के अनुसार, नकल करते हुए पकड़े जाने के डर से और कॉलेज द्वारा इस बारे में पैरेंट्स को बुलाने को लेकर छात्र काफी डर गया था। ऐसे में कॉलेज कैंपस के एक बिल्डिंग के कूद कर छात्र ने आत्महत्या कर ली है। छात्र के पिता ने इस मामले में पुलिस केस भी किया है। खरब के अनुसार, पीईएस विश्वविद्यालय में बीटेक की पढ़ाई करने वाले एक छात्र को परीक्षा के दौरान उसे मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए देखा गया था जिसके बाद निरीक्षक द्वारा उसका फोन जब्त कर लिया गया था और उसकी काउंसिलिंग के लिए कथित तौर पर उसे पास के एक घर में भेजा गया था। काउंसिलिंग के दौरान छात्र को कहा गया था कि उसकी इस हरकत के लिए उसके पैरेंट्स को जानकारी दी जाएगी।

मुंबई पुलिस को आया धमकी भरा कॉल

कहा- हो सकता है 26/11 जैसा आंतकी हमला, पीएम मोदी और योगी आदित्यनाथ पर होगा सीधा टारगेट

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस को मंगलवार को एक धमकी भरा कॉल मिला, जिसमें कॉल करने वाले ने 26/11 मुंबई हमले जैसा हमला करने की चेतावनी दी। जानकारी के मुताबिक, फोन करने वाले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधने की बात कही। मुंबई पुलिस ने कहा कि अज्ञात कॉलर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 509 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले 12 जुलाई को भी मुंबई पुलिस को एक अज्ञात शख्स का फोन आया था, जिसमें 26/11 जैसा आतंकी हमला करने की धमकी दी गई थी। यह कॉल सीमा हैदर के संबंध में की गई थी, जो अपने चार बच्चों के साथ पाकिस्तान से भाग गई थी और नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर गई थी। फोन करने वाले ने सीमा के वतन नहीं लौटने पर हमले की चेतावनी दी थी। हालांकि, बाद में मुंबई पुलिस ने इसे फर्जी कॉल बताया और इसकी जांच के आदेश दिए।

सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से टकराई कार तीन की मौत

मैसूर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मैसूर जिले के कंपालापुरा में मंगलवार तड़के एक कार सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से टकरा गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान मुद्दस्सिर, मुजाहिद और अहमद पाशा के रूप में हुई। पीड़ित पेरियापटना से हुनासुर शहर जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि सुबह 4।30 बजे कार के ड्राइवर का ध्यान सामने खड़े ट्रैक्टर पर नहीं गया और उसकी कार ट्रैक्टर से जा टकराई। गंभीर रूप से घायल तीन कार सवारों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पेरियापटना पुलिस मौके पर पहुंची। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार ट्रैक्टर के नीचे फंस गई।

उधमपुर: निर्माण कार्य के दौरान हुआ भूस्खलन

आठ लोगों को सुरक्षित बचाया, एक अब भी लापता, बचाव अभियान जारी

उधमपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जिला उधमपुर के कलर इलाके में मंगलवार को एक भवन के निर्माण कार्य के दौरान भूस्खलन हुआ है। इसके चलते कुछ लोग इसकी चपेट में आ गए हैं। मौके पर पुलिस और अन्य बचाव दल पहुंच गए हैं। लोगों को बचाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। आठ लोगों को मौके से निकाल लिया गया है। उपचार के लिए उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। जानकारी के अनुसार, उधमपुर शहर में कलर इलाके के पास एक भवन का निर्माण कार्य जारी था। रोज की तरह श्रमिक अपने काम में जुटे हुए थे। इसी दौरान एकाएक मिट्टी धंसने लगी और देखते ही देखते ही सब और मलबा जमा हो गया। इस दौरान कुछ ने भागकर अपनी जान बचाई। आशंका जताई जा रही है कि कुछ लोग अभी मलबे में फंसे हुए हैं। पुलिस, एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीम को सूचित किया गया। एडीसी उधमपुर जोगिंद्र सिंह जसरोटिया ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार नौ लोग मौके पर काम कर रहे थे। इनमें से आठ लोगों को बचा लिया गया है। एक आदमी अभी भी लापता है। उसे ढूंढने के लिए प्रयास जारी है।

यौन शोषण मामले में बृजभूषण को मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। महिला पहलवानों के साथ यौन शोषण के मामले में भारतीय जनता पार्टी के सांसद बृजभूषण सिंह को अंतरिम जमानत मिली है। दिल्ली की राउज़ एवेन्यू अदालत द्वारा समन जारी करने के बाद मंगलवार को बृजभूषण की पेशी हुई थी, सुनवाई शुरू होने के कुछ देर बाद ही अंतरिम जमानत पर फैसला आ गया। अदालत ने इस मामले में बृजभूषण शरण सिंह और सह-आरोपी विनोद तोमर को दो दिन के लिए राहत दी है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने ये जमानत 25 हजार रुपये के निजी मुचलके पर मिली है। अब अदालत 20 जुलाई को दोपहर 12.30 बजे इस मामले की सुनवाई करेगी, जहां नियमित जमानत पर सुनवाई हो सकती है।

दिल्ली पुलिस ने किया बेल का विरोध

मंगलवार को पेशी से पहले अदालत में कड़ी सुरक्षा की गई थी। बृजभूषण की ओर से वकील एपी सिंह, राजीव मोहन ने दलील दी जबकि दिल्ली पुलिस की ओर से अतुल श्रीवास्तव ने पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान बृजभूषण के वकील राजीव मोहन ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने बिना गिरफ्तारी के इस मामले में चार्जशीट दाखिल की है, जो धाराएं लगी हैं उनमें किसी में भी 5 साल से ज्यादा की सजा का प्रावधान नहीं है।

बृजभूषण के वकील ने दावा किया कि हमें आज ही चार्जशीट मिल रही है, हम इसे लीक नहीं करेंगे और दूसरे लोग भी पत्रकारों में लीक ना करें। वकील की अपील के बाद जज ने कहा कि आप इन कैमरा प्रोसिडिंग के लिए हाईकोर्ट अप्रोच करें। दिल्ली पुलिस ने जमानत देने का विरोध किया और कहा कि ऐसा होने पर वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में लगाई थी गंभीर धाराएं

दिल्ली पुलिस ने पिछले महीने ही इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी, करीब डेढ़ हज़ार पन्नों की चार्जशीट में बृजभूषण सिंह पर कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। जिसके बाद 6 जुलाई को अदालत ने बृजभूषण सिंह की पेशी के लिए समन जारी किया था। पहलवानों के बयान के आधार पर दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में बृजभूषण पर केस चलाने की बात कही थी। दिल्ली पुलिस ने अपनी चार्जशीट में करीब 6 महिला पहलवानों के आधार पर बृजभूषण सिंह पर आरोप तय किए थे। पुलिस ने बृजभूषण पर धारा 354, 354-ए, 354 डी के तहत मामला दर्ज किया था। जबकि सह आरोपी विनोद तोमर के खिलाफ आईपीसी की धारा 109, 354, 354 (ए), 506 के तहत आरोप लगाए गए हैं।

बीजेपी नेता किरीट सोमैया का आपत्तिजनक वीडियो वायरल

डिप्टी सीएम फडणवीस से खुद की जांच की मांग

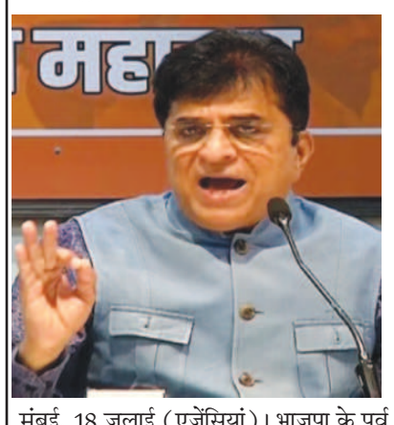

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा के पूर्व सांसद किरीट सोमैया का एक आपत्तिजनक वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में किरीट किसी महिला के साथ वीडियो चैट कर रहे हैं। इसमें वो आपत्तिजनक स्थिति में हैं। वीडियो आने के बाद महाराष्ट्र में सियासी भूचाल आ गया है। उधर, किरीट सोमैया ने खुद सामने आकर इस मामले में सफाई दी है और इस वीडियो को फर्जी बताया है। किरीट सोमैया ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर इस मामले की जांच कराने की मांग की है। पत्र के जरिए सोमैया ने कहा कि उनकी छवि को धूमिल किया जा रहा है, वीडियो फर्जी है। मेरे खिलाफ साजिश रची जा रही है।

हर एंगल से जांच की जाएगी- फडणवीस

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि किरीट सोमैया मामले में संपूर्ण और हर एंगल से जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी के जरिए मामले की जांच की जाएगी। विधान परिषद में उन्होंने इसकी घोषणा की।

पेन ड्राइव में 8 घंटे के वीडियो- दानवे

किरीट सोमैया के वायरल वीडियो के बाद विधानपरिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने एक पेन ड्राइव विधान परिषद उपसभापति को सौंपी और कहा कि पेन ड्राइव में 8 घंटे के वीडियोज हैं। आरोप लगाया गया है कि किरीट सोमैया केंद्र सरकार की सुरक्षा प्राप्त हैं और वो महिलाओं को प्रताड़ित करते हैं। गृह विभाग इसकी जांच करे।

सोमैया पर दर्ज हो एफआईआर- यशोमती ठाकुर

कांग्रेस की महिला नेता विधायक यशोमती ठाकुर ने सोमैया को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने बीजेपी नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जो वीडियो सामने आया है कहीं ना कहीं महिला के साथ छल किया गया है। ऐसे में महिला को संरक्षण देने के लिए सरकार क्या काम करेगी।

उद्धव गुट ने किया प्रदर्शन

भाजपा के पूर्व सांसद किरीट सोमैया का आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने पर मुंबई शिवसेना उद्धव गुट के विभाग प्रमुख अजित भंडारी के नेतृत्व में कांदीवाली पश्चिम में आंदोलन किया। इस मौके पर शिवसैनिकों ने किरीट सोमैया के पोस्टर फाड़े और किरीट की तस्वीरों पर जूते चप्पल से पिटाई की। उनके पोस्टरों को पैरों के नीचे रौंदा गया। शिवसैनिकों ने अपने हाथों में शिवसेना का झंडा लेकर भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की और सोमैया को वसूली वाला बताया। बिना इजाजत प्रदर्शन करने के आरोप में कांदीवाली पुलिस ने शिवसैनिकों को हिरासत में ले लिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 19 जुलाई, 2023 3

युविचार

निःशस्त्र अहिंसा की शक्ति किसी भी परिस्थिति में सशस्त्र शक्ति से सर्वश्रेष्ठ होगी।

रेल मंत्रालय तेलुगु राज्यों में प्रमुख ट्रेनों को रोकने के किशन रेड्डी के अनुरोध पर सहमत

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु राज्यों के कुछ महत्वपूर्ण स्टेशनों पर दूर-दराज के इलाकों में जाने वाली कई महत्वपूर्ण ट्रेनों को रोकने की तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग पर रेल मंत्रालय ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी द्वारा किया गया अनुरोध। कुछ समय पहले, उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की और उन्हें दो तेलुगु भाषी राज्यों के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव के संबंध में अपनी मांगों के बारे में बताया। उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव से लोगों को मिलने वाली सुविधा के बारे में बताया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस मुद्दे पर अधिकारियों से बात की और विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न प्रमुख ट्रेनों को रोकने के लिए किशन रेड्डी द्वारा की गई मांगों को मंजूरी देने की आधिकारिक घोषणा की।

रेलवे के अनुसार, महत्वपूर्ण ट्रेनों को अब तेलंगाना में बेल्लमपल्ली, सिरपुर-कागज़नगर, महबूबनगर, शादनगर और गडवाल रेलवे स्टेशनों पर और आंध्र प्रदेश राज्य में पिदुगुरल्ला, नादिकुडी, सत्तेनपल्ली, दोनाकंल, बोब्बिली, दुव्वाडा और पीलेरू स्टेशनों पर रोका जाएगा।

भारी बारिश का पूर्वानुमान : मेयर का जीएचएमसी अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश

नगर में मंगलवार को लगातार जारी बारिश के दौरान जलमग्न सड़कों से गुजरते हुए वाहन तथा अपने गंतव्य के लिए खुद बचाकर जाते हुए लोग।

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तेलंगाना में अगले 48 घंटों में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। इसी के तहत जीएचएमसी मेयर गडवाला विजयलक्ष्मी ने अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने और असुविधा को रोकने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाने को कहा है। उन्होंने क्षेत्रीय आयुक्तों और ईवीडीएम स्टाफ सदस्यों को स्थिति की लगातार समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने का निर्देश दिया कि बारिश के पानी के मुक्त प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए मैनहोल और नालों में कोई कचरा जमा न हो। अधिकारियों को बारिश के मद्देनजर शहर में नए तहखानों की खुदाई की अनुमति नहीं देने का भी निर्देश दिया गया। आईएमडी हैदराबाद के अधिकारियों के मुताबिक अगले 48 घंटों में हैदराबाद समेत तेलंगाना के लगभग सभी जिलों में भारी बारिश होगी. आदिलाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम और महबुबाबाद सहित तेलंगाना के उत्तरी जिलों में गुरुवार और शुक्रवार को भारी से बहुत भारी बारिश होगी। इस बीच, आईएमडी हैदराबाद की सलाह में कहा गया है कि लोगों को पक्की संरचनाओं में शरण लेनी चाहिए और पेड़ों के नीचे शरण लेने से बचना चाहिए। किसानों को अलर्ट का पालन करने की जरूरत है. इसमें कहा गया है कि पेड़ों के नीचे और विशेष रूप से अलग-थलग पेड़ों के नीचे आश्रय न लें क्योंकि ये बिजली का संचालन करते हैं

इसी बीच ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के प्रवर्तन सतर्कता और आपदा प्रबंधन निदेशालय (ईवीडीएम) ने एक नोटिस जारी कर निवासियों को बारिश से संबंधित विभिन्न चिंताओं को दूर करने के लिए प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में सूचित किया है। ईवीडीएम इकाई वाहनों की आवाजाही में बाधा डालने वाले गिरे हुए पेड़ों और शाखाओं से संबंधित शिकायतों को संभालने, व्यक्तियों और जानवरों को बचाने, पानी के ठहराव का प्रबंधन करने, बाढ़ और इमारत ढहने पर प्रतिक्रिया देने, दुर्घटना पीड़ितों को प्राथमिक उपचार देने और अग्निशमन प्रयासों में अग्निशमन कर्मियों का समर्थन करने में सक्रिय रूप से लगी हुई है। अपने नोटिस में, ईवीडीएम इकाई ने शिकायत दर्ज करते समय विशिष्ट विवरण शामिल करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे घटना की तस्वीरें, शिकायत का प्रकार और एक संपर्क फोन नंबर के साथ मानचित्र स्थान प्रदान करके घटना का सटीक स्थान साझा करें। बारिश से संबंधित घटनाओं की रिपोर्ट करने और सहायता मांगने के लिए, नागरिक अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से यूनिट तक पहुंच सकते हैं या हेल्पलाइन नंबर 91-9000113667 या 040-29555500 पर कॉल कर सकते हैं।

डीएमई ने सरकारी डॉक्टरों से परिधीय मेडिकल कॉलेजों में काम करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) डॉ. के. रमेश रेड्डी ने मंगलवार को सरकारी डॉक्टरों से नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों में काम करने का का आग्रह किया है।

वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी ने स्वीकार किया कि हैदराबाद और जिलों के सरकारी अस्पतालों के बीच विशेष डॉक्टरों का वितरण असंतुलित है। डीएमई ने एक बयान में कहा कि तेलंगाना भर के जिलों में खुलने वाले नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लिए जनशक्ति की आवश्यकता है और रिक्त संकाय पदों को भरना बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन कुछ डॉक्टर परिधीय अस्पतालों में शामिल होने के इच्छुक नहीं हैं। राज्य सरकार ने नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए हैं और एनएमसी मानदंडों के अनुसार नए मेडिकल कॉलेजों में पदों को भरने के लिए पहली प्राथमिकता देने के आदेश जारी किए हैं। इन मेडिकल कॉलेजों के लिए संकाय को 5 साल के अनुभव की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मंजूरी दी गई है और उन सभी पदों को पहले या दूसरे वर्ष में भरने की आवश्यकता नहीं है। रिक्ति मैट्रिक्स विभिन्न कॉलेजों में 'चुनाव योग्य' उम्मीदवारों की उपलब्धता और आवश्यकताओं के आधार पर तैयार की जाती है। डीएमई ने उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) और गांधी अस्पताल सहित हैदराबाद के तृतीयक सरकारी अस्पतालों और जिलों में विशेष डॉक्टरों की उपलब्धता के बीच अंतर बताया। ओजीएच में, जनरल सर्जरी में 31 संकाय, बाल चिकित्सा में 55 संकाय, प्रसूति एवं स्त्री रोग में 57 संकाय, ऑर्थोपेडिक्स में 19 संकाय, एनेस्थीसिया में 25 संकाय और जनरल मेडिसिन में 27 वरिष्ठ संकाय हैं। गांधी अस्पताल में, जनरल मेडिसिन में 23 वरिष्ठ संकाय, जनरल सर्जरी में 26 और एनेस्थीसिया में कुल 31 वरिष्ठ संकाय हैं। राज्य सरकार चाहती है कि स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं तेलंगाना के सभी जिलों के सभी सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध हों। नव पदोन्नत एसोसिएट प्रोफेसरों को ऐसे अस्पतालों में तैनात किया गया है जहां बमुश्किल एक या दो संकाय सदस्य हैं। कुछ डॉक्टर अनावश्यक रूप से भ्रम पैदा कर रहे हैं और परामर्श प्रक्रिया को रोक रहे हैं।

एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान अग्निवीर योजना के बारे में चर्चा

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वार्षिक प्रशिक्षण शिविर युवा एनसीसी कैडेटों को एक साथ आने और एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है जो शारीरिक फिटनेस, चरित्र निर्माण और सामाजिक जागरूकता पर केंद्रित है। यह शिविर प्रतिभागियों को जीवन कौशल विकसित करने, अपना आत्मविश्वास बढ़ाने और राष्ट्र के लिए एकता, अनुशासन और सेवा के मूल मूल्यों को अपनाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। प्रत्येक एनसीसी कैडेट का सपना सशस्त्र बलों में शामिल होना और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना है। 'अग्निवीर' नवीनतम ऐसी योजना है जिसमें कैडेट सेना में शामिल हो सकते हैं और ऑलिव ग्रीन्स को सजाने के अपने बचपन के सपने को संजो सकते हैं। चल रहे 'वार्षिक प्रशिक्षण शिविर' के दौरान हैदराबाद समूह की 3 तेलंगाना बटालियन के कैडेटों के लिए एओसी सेंटर, सिकंदराबाद के कर्नल लक्ष्मण ओझा और लेफ्टिनेंट कर्नल विष्णुगोपन द्वारा 'अग्निवीर' योजना पर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था। उन्होंने अग्निवीर के रूप में शामिल होने के लिए शैक्षिक और शारीरिक मानदंडों पर जोर दिया। 'ए', 'बी' और 'सी' प्रमाणपत्र वाले एनसीसी कैडेटों को बोनस अंकों का विशेष उल्लेख दिया जाएगा। वेतन, भत्ते, जीवन बीमा कवर, मुआवजे आदि जैसी मासिक परिलब्धियों के संदर्भ में मौद्रिक पहलुओं पर अच्छी तरह से चर्चा की गई। इस वार्ता से कैडेटों को अत्यधिक लाभ हुआ है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना निदेशालय के उप महानिदेशक एयर कमोडोर वीएम रेड्डी ने कर्नल लक्ष्मण ओझा और उनकी टीम को धन्यवाद दिया और उन्हें स्मृति चिन्ह के रूप में एक स्मृति चिन्ह भेंट किया।

नई स्थानांतरण नीति के खिलाफ केवीएस के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों का प्रदर्शन

बिना कामकाज में बाधा डाले काला फीता लगाकर किया शांतिपूर्ण विरोध

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नई स्थानांतरण नीति के खिलाफ केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) ने शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन किया है। देश भर के लगभग 1240 केंद्रीय विद्यालयों में वार्षिक वर्ष 2003-04 के लिए नई स्थानांतरण नीति की घोषणा के बाद से विरोध शुरू हो गया है। पिछले पांच साल में इस नीति में चार बार बदलाव किया गया है। इस वर्ष के लिए नीति की घोषणा हाल ही में की गई थी। नए स्थानांतरण दिशानिर्देशों में शिक्षणेतर कर्मचारियों के कल्याण के खिलाफ कई बातें है। इस विरोध कार्यक्रम के तहत हैदराबाद क्षेत्र में केवीपीएसएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष वाई. चन्द्रशेखर रेड्डी, प्रदेश अध्यक्ष सीताराम, प्रदेश सचिव बी. श्रीप्रदार राव सहित एआईके वीटीए, केईवीआईएनएसटीए के नेताओं ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया है। विरोध-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शिक्षक और शिक्षणेतर कर्मचारियों ने काला फीता लगाकर भाग लिया। मंगलवार को नियमित गतिविधियों में बिना किसी व्यवधान के स्कूल के बाद एक घंटे के लिए काले बैज पहनकर अपना विरोध जताया। संगठन का कहना है कि तुरंत आमने-सामने बैठक कर समस्या का समाधान किया जाना चाहिए। पहली बार, अधिकारी एकतरफा निर्णय लागू करने के लिए तैयार हैं जिसे बीओजी द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है। तीन प्रमुख गैर-शिक्षण कर्मचारी संघों के जेसीएम पदाधिकारियों को एक लिखित आवेदन दिया गया था और आयुक्त के साथ आमने-सामने बैठक कर उन पर चर्चा करने की मांग की गई थी। लेकिन संयुक्त आयुक्त के साथ सहयोग नहीं करने वाले वरिष्ठों ने मान्यता प्राप्त यूनियनों के नेताओं के साथ एक ऑनलाइन बैठक की और कर्मचारियों द्वारा सुझाए गए किसी भी बिंदु पर विचार किए बिना, अधिकारी एकतरफा निर्णय लागू करने के लिए तैयार है, जिसे पहली बार बीओजी में मंजूरी नहीं दी गई थी।

जीएचएमसी ने कई उपायुक्तों का तबादला किया

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के कई उपायुक्तों का तबादला कर दिया गया है और उन्हें नई तैनाती दी गई है। स्थानांतरित किए गए और उनकी नई पोस्टिंग में एन.शंकर (सर्कल 30, बेगमपेट), पी.मुकुंद रेड्डी (सर्कल 21, चंदनगर), अरुणा कुमारी चरण (सर्कल 5, सरूरनगर), एच.कृष्णैया (सर्कल 24, कुकटपल्ली), मारुति दिवाकर (सर्कल 16, अंबरपेट), के.वेणुगोपाल (जीएचएमसी प्रधान कार्यालय), एसएन सूर्य कुमार (सर्कल 27, अलवाल), ए नागमन (जीएचएमसी प्रधान कार्यालय), डी.जगन (सर्कल 12, मेहदीपट्टनम), एमकेआई अली (जीएचएमसी) प्रधान कार्यालय), बी. श्रीनिवासु (सर्कल 2, उप्पल) और जी.रजनीकांत रेड्डी (सर्कल 20, सेरिलिंगमपल्ली) शामिल है। अन्य स्थानांतरित और उनकी नई पोस्टिंग में ए रमेश (सर्कल 23, मूसापेट), के. रवि कुमार (सर्कल 11, राजेंद्रनगर), एन. सुधमश (सर्कल 29, सिकंदराबाद), टी.दशरथ (सर्कल 4, एलबी नगर), डी. बलैया (सर्कल 14, गोशामहल), डी. दाखू नाइक (सर्कल 9, चारमीनार), पी. रविंदर कुमार (सर्कल 3, हयातनगर), वी. प्रशांति (सर्कल 18, जुबली हिल्स), एलपी मल्लैयाह (सर्कल 26, गजुलारामाराम), ए सुरेश (सर्कल 22, आरसी पुरम), मोहम्मद यूसुफ (सर्कल 13, कारवान), चंद्र शेखर (सर्कल 19, यूसुफगुडा), सी. सत्य बाबू (सर्कल 25, कुतुबुल्लाहपुर) और एम.मंगतायारू (जीएचएमसी प्रधान कार्यालय) शामिल है।

भूमि आवंटन मामले में बीआरएस को हाईकोर्ट का नोटिस

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने मंगलवार को शहर के एक प्रमुख क्षेत्र में 11 एकड़ सरकारी भूमि के आवंटन को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर राज्य सरकार और सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को नोटिस देने का आदेश दिया। हाई कोर्ट ने उस याचिका पर सुनवाई की जिसमें रंगारेड्डी जिले के अंतर्गत आने वाली कोकापेट में सत्तारूढ़ पार्टी को सरकारी जमीन के आवंटन पर रोक लगाने का निर्देश देने की मांग की गई थी। इसने राज्य सरकार और सत्तारूढ़ दल दोनों को जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए नोटिस देने का आदेश दिया। कोर्ट ने सुनवाई 16 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी.स्वयंसेवी संगठन फोरम फॉर गुड गवर्नेंस (एफजीजी) ने बीआरएस को भूमि आवंटन को चुनौती दी है। इसमें कहा गया है कि जबकि अलग की गई एक एकड़ जमीन का बाजार मूल्य लगभग 50 करोड़ रुपये था, सरकार ने इसे बीआरएस को केवल 3.41 करोड़ रुपये में आवंटित किया। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि राज्य सरकार द्वारा 11 एकड़ प्रमुख भूमि को बीआरएस को हस्तांतरित करने के लिए जारी परिपत्र को रद्द करने और मनमाना घोषित करने की आवश्यकता है।इसमें दावा किया गया कि सरकार इस मुद्दे को गुप्त रूप से संभाल रही थी क्योंकि संबंधित आदेश सरकारी वेबसाइट पर अपलोड नहीं किए गए थे। एनजीओ ने कहा कि वह कठिनाई से भूमि के हस्तांतरण से संबंधित परिपत्र की एक प्रति सुरक्षित कर सका। सर्कुलर के मुताबिक, बीआरएस ने उत्कृष्टता और मानव संसाधन विकास संस्थान स्थापित करने के प्रस्ताव के साथ सरकार से संपर्क किया और जमीन मांगी। राजनीतिक दल ने दावा किया कि वह केंद्र के माध्यम से नेताओं और कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करेगा। एफजीजी ने तर्क दिया कि हैदराबाद में मैरी चेन्ना रेड्डी इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन रिसोर्सेज डेवलपमेंट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट और स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट जैसे उत्कृष्ट प्रशिक्षण केंद्र है। इस पृष्ठभूमि में, एक समान संस्थान विकसित करने के लिए प्रमुख भूमि के आवंटन के लिए बीआरएस पार्टी का अनुरोध उचित नहीं है, याचिकाकर्ता ने कहा कि बीआरएस अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने 5 जून को उत्कृष्टता और मानव संसाधन विकास केंद्र की आधारशिला रखी थी। आवंटित भूमि पर उन्होंने कहा कि भारत भवन के नाम से जाना जाने वाला केंद्र पार्टी नेताओं को प्रशिक्षित करेगा। बीआरएस प्रमुख ने कहा था कि समाज के विकास में योगदान देने वाले अनुभवी राजनीतिक वैज्ञानिकों, अर्थशास्त्रियों, समाजशास्त्रियों, लेखकों, प्रोफेसरों, सेवानिवृत्त अधिकारियों और अन्य लोगों को राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए देश भर से आमंत्रित किया जाएगा। केसीआर ने कहा कि केंद्र में प्रशिक्षण कक्षाएं, प्रोजेक्टर के साथ मिनी हॉल, विशाल मीटिंग हॉल, नवीनतम तकनीक के साथ डिजिटल लाइब्रेरी और आवास के लिए लक्जरी कमरे होंगे।

दासोजू श्रवण ने टीपीसीसी प्रमुख के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता दासोजू श्रवण ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) को एक खुला पत्र लिखकर ट्रांसजेंडर समुदाय, पिछड़े वर्गों, यादव, गौड़ा, डोम्मारा, वामशाराजुलु और मुन्नुरु कापू समुदाय सहित समाज के किसानों और अन्य गरीब वर्गों के खिलाफ उनकी "निर्लज्ज" और "अपमानजनक" भाषा के लिए टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी को हटाने की मांग की। उन्होंने मांग की कि निर्दोष लोगों का अपमान करने के लिए रेवंत रेड्डी को समाज से निष्कासित किया जाना चाहिए और उनकी संसद सदस्यता रद्द की जानी चाहिए। उन्होंने पूछा कि क्या कांग्रेस नेतृत्व ने रेवंत रेड्डी को ऐसी टिप्पणी करने के लिए कोई विशेष लाइसेंस दिया है जिससे समाज के विभिन्न वर्गों के सदस्यों का अपमान, अपमान और मानसिक पीड़ा हो रही है।

अपने पत्र में, श्रवण ने बताया कि रेवंत रेड्डी का इन समुदायों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का इतिहास रहा है और अमेरिका में उनकी हालिया टिप्पणियां, जहां उन्होंने कहा था कि तीन एकड़ जमीन वाले गरीब किसानों को केवल तीन घंटे बिजली की जरूरत है, मूर्खतापूर्ण और अपमानजनक है।

वर्षा की कमी : किसानों से कम अवधि वाली धान किस्मों को अपनाने की अपील

वारंगल, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चूंकि मानसून के मौसम में बारिश की कमी जारी है, इसलिए पूर्ववर्ती वारंगल जिले के पांच जिलों में किसानों को एक बार फिर कम अवधि वाली धान की किस्मों को अपनाने के लिए कहा गया है। इस स्थिति ने कृषक समुदाय के बीच चिंता बढ़ा दी है। यहां यह ध्यान दिया जा सकता है कि सरकार ने असामयिक बारिश के कारण होने वाली भारी फसल क्षति के जोखिम को कम करने के लिए यासांगी सीज़न में धान की खेती को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। नतीजतन, अधिकारी अब किसानों को वनकलम सीज़न के दौरान कम अवधि वाली धान की किस्मों की नर्सरी तैयार करने की सलाह दे रहे हैं। अनुशंसित उल्लेखनीय किस्मों में कुनाराम सन्नालु, कुनाराम 1638, बथुकम्मा, वारंगल 962, आरएनआर 21278, आरएनआर 29325, जगतियाल 1798, तेलंगाना सोना, एमटीयू 1010, जगतियाल 24423, आईआर 64, और एचएमटी सोना शामिल हैं।

महबुबाबाद में सहायक कृषि निदेशक (एडीए) एम लक्ष्मीनारायण के अनुसार, किसानों को कम अवधि की धान की फसल चुनने के लिए दृढ़ता से प्रोत्साहित किया गया है। ये किस्में आम तौर पर 110 से 135 दिनों के बीच पकती हैं, जबकि लंबी अवधि वाली किस्मों को लगभग 150 से 170 दिन लगते हैं।

महबुबाबाद जिले के नरसिम्हुलापेट मंडल के किसान कसम वेंकन्ना ने कम बारिश के बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त की। वेंकन्ना अपने सात एकड़ के खेत में धान की रोपाई के लिए पर्याप्त बारिश का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने अपने बोरवेल से सीमित पानी की आपूर्ति पर भरोसा करते हुए पहले ही एक नर्सरी स्थापित कर ली है।

12 जुलाई तक, धान की रोपाई केवल 7,457 एकड़ भूमि पर की गई है, जो कि पूर्व वारंगल जिले के कुल सामान्य क्षेत्र 707,000 एकड़ का एक छोटा सा हिस्सा है। अफसोस की बात है कि जनगांव को छोड़कर, पूर्व वारंगल जिले से बने सभी जिलों में 2023 में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान 20 प्रतिशत से 59 प्रतिशत तक कम वर्षा हुई है।

इस बीच, 1 जून से 17 जुलाई तक राज्य में संचयी वर्षा 196.0 मिमी रही, जो 20 प्रतिशत के विचलन के साथ 244.3 मिमी के सामान्य औसत से काफी कम है। करीमनगर, पेद्दापल्ली, जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, मेडक, सिद्दीपेट, हनमाकोंडा, मुलुगु, खम्मम, रंगारेड्डी, मेडचल, महबूबनगर, वानापर्थी, जोगुलम्बा गडवाल और सूर्यापेट सहित 15 जिलों में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है, जहां 25 प्रतिशत से भी कम है। इस मानसून में फसलें बोई गई हैं।

इसके अतिरिक्त, 12 जिलों अर्थात् मंचेरियल, निज़ामाबाद, कामारेड्डी, वारंगल, महबुबाबाद, जयशंकर भूपालपल्ली, जगोअन, बदराद्री कोठागुडेम, विकाराबाद नगरकुर्नूल, नलगोंडा और यदाद्री ने केवल 26 से 50 प्रतिशत कवरेज हासिल किया है। कृषि विभाग द्वारा जारी मौसम और फसल कवरेज रिपोर्ट के अनुसार, केवल निर्मल, संगारेड्डी और नारायणपेट में 51 से 75 प्रतिशत फसल बोई गई है, जबकि आदिलाबाद और कोमाराम भीम आसिफाबाद जिलों ने 12 जुलाई तक 76 से 100 प्रतिशत कवरेज हासिल किया है।

युवती ने

आईपीएस पर लगाया छेड़खानी का आरोप

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जनेश्वर मिश्र पार्क में एक युवती द्वारा प्रमोटी आईपीएस अधिकारी पर छेड़छाड़ के आरोप का मामला मंगलवार को प्रकाश में आया है। बताया जा रहा है कि पुलिस अब इस मामले को दबाने के साथ ही पीड़ित को शिकायत न करने की बात कह रही हैं। पीड़ित युवती के मुताबिक, रोजाना सुबह मॉर्निंग वॉक करने के लिए गोमती नगर विस्तार में स्थित जनेश्वर पार्क जाती हैं। वहां पर काफी समय बिताती हैं। उनका आरोप है कि बीते कुछ दिनों से एक युवक जो अपने आप को आईपीएस बताता है वो उनका पीछा कर रहा है। आज उसने उनके साथ छेड़खानी की है। युवती के साथ मौजूद लोगों ने जब इस हरकत का विरोध किया तो आईपीएस ने उनके झगड़ा करने लगा। हंगामा होने के बाद लखनऊ पुलिस पहुंची तो मामला विभाग का होने पर युवती को यही मामले को दबाने और शिकायत न दर्ज कराने की सलाह दी है।

100 की रफ्तार पर कार हाईवे पार कर रहा था स्कूटी सवार, पलक झपकते ही खत्म हो गई जिंदगी

मुजफ्फरनगर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के मुजफ्फरनगर से दिल को झकझोर देने वाला वीडियो सामने आया है। मुजफ्फरनगर के पुरकाजी और उत्तराखंड बॉर्डर पर एक तेज रफ्तार कार ने हाईवे पार कर रहे स्कूटी सवार को टक्कर मारकर कई फुट हवा में उछाल दिया। कार की टक्कर से घायल हुए 30 वर्षीय युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। तेज रफ्तार के कहर का यह वीडियो हाईवे पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। घटना मुजफ्फरनगर के पुरकाजी थाना क्षेत्र के उत्तराखंड बॉर्डर स्थित भूराहेडी चेक पोस्ट की है जहां सोमवार दोपहर पुरकाजी निवासी 30 वर्षीय युवक मुरसलीन अपनी एक्टिवा स्कूटी से हाईवे पार कर रहा था तभी हरिद्वार की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने मुरसलीन को टक्कर मार दी। ब्लैक कलर की कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि मुरसलीन स्कूटी के साथ कई फुट हवा में उछल गया और फिर सड़क पर आ गिरा। गंभीर रूप से घायल हुए मुरसलीन को पुलिस चेक पोस्ट पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने हॉस्पिटल पहुंचाया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

घर में घुसकर किशोरी को उठा ले गए दबंग, फिर तीन लोगों ने किया गैंगरेप

प्रतापगढ़, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जिले में दबंगों ने एक किशोरी को घर से किडनैप कर लिया। इसके बाद उसके साथ गैंगरेप किया। पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। फिलहाल पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। घटना की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी विद्यासागर मिश्र ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात की।मामला पट्टी कोतवाली थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पुलिस को दी गई तहरीर में परिजनों ने बताया कि 2 दिन पहले उनकी बेटी जब घर पर अकेली थी, उसी समय 3 दबंग घर में घुसकर उसे उठा ले गए और सुनसान जगह पर ले जाकर तीनों ने उससे बारी-बारी से दुष्कर्म किया। इसके बाद वह मौके से फरार हो गए। परिजनों का कहना है कि वारदात में शामिल एक आरोपी को बेटी ने पहचान लिया, जबकि उसके 2 साथियों को वह नहीं पहचान सकी।

सपा को मिला राजभर का विकल्प

इन नेताओं को आगे करके 2024 की जंग लड़ेंगे अखिलेश

कभी बसपा के थे खेवनहार,आज सपा के हैं रणनीतिकार

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश की राजनीति काफी महत्वपूर्ण हो गयी है। यूपी की प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव सूबे की सियासत साधने के लिए जातीय समीकरणों को साधने में जुट गए हैं। सपा गठबंधन से ओमप्रकाश राजभर के अलग हो कर बीजेपी के साथ जाने के बाद अब अखिलेश ने कभी बसपा के खेवनहार रहे दो प्रमुख रणनीतिकारों को अहम जिम्मेदारी दी गई है। अखिलेश अब इन दो नेताओं को अनुप्रिया पटेल और ओमप्रकाश राजभर के काट के रूप में देख रहे हैं और इनके सहारे कुर्मी व राजभर वोटों

पूर्व मंत्री लालजी वर्मा और राम अचल राजभर दोनों बसपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। एक दौर था जब बसपा सुप्रीमो इन दो नेताओं पर आंख मूंद कर भरोसा करती थीं। ऐसा माना जाता है कि इन दोनों नेताओं ने बसपा प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए पूरे प्रदेश में

को साधने के फिराक में हैं। विपक्षी एकता को मजबूत करने के लिए जहां कांग्रेस सक्रिय है, वहीं सपा अपने कुनबे को मजबूत करने में लगी है। ओमप्रकाश राजभर जब से भाजपा खेमे के साथ गए हैं तभी से यह माना जा रहा है कि पूर्वांचल की सियासत में भाजपा मजबूत होगी, लेकिन अखिलेश ने इसका विकल्प भी तलाश लिया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश ने बंगलौर में आयोजित विपक्षी दलों की बैठक में पूर्व मंत्री लालजी वर्मा और राम अचल राजभर को शामिल कर यह संदेश दे दिया है कि कुर्मी और राजभर वोटों पर उनकी पैनी नजर है। अब इन दो जातियों के मतदाताओं को साधने में इनकी बड़ी भूमिका होगी।

महंगाई को अखिलेश यादव ने बताया 'अमृतकाल

कहा- 'बीजेपी सरकार में जमकर हो रही

झूठे वादों के जरिए कर रही गुमराह

अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी की नीतियां गरीब, किसान, मध्यमवर्ग विरोधी है। बीजेपी की नीतियां पूंजीपतियों और चंद उद्योगपतियों के लिए है। बाकी आम जनता को बीजेपी झूठे वादों के जरिए गुमराह कर रही है। बीजेपी की गलत नीतियों से बढ़ रही महंगाई, बेरोजगारी, अन्याय और अत्याचार से आम जनता में निराशा है। जनता 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी का सफाया कर देगी। जबकि नरेश उत्तम पटेल ने कहा है कि बीजेपी लोकतंत्र को कमजोर कर रही है और पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के हितों से खिलवाड़ कर रही है। वह जानबूझकर जातीय जनगणना नहीं कराना चाहती है क्योंकि उसे जातियों की जनसंख्या के हिसाब से हक और सम्मान देना पड़ेगा। बीजेपी का सामाजिक न्याय में विश्वास नहीं है। वह समाज को जोड़ने में नहीं बल्कि तोड़ने में विश्वास करती है। बीजेपी सरकार में भय और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि बीजेपी सरकार में महंगाई का अमृतकाल चल रहा है। बीजेपी ने चुनाव में महंगाई को लेकर जनता से झूठा वादा किया। बीजेपी की आर्थिक नीतियां पूरी तरह से विफल है। महंगाई को लेकर पूरे देश में हाहाकार मचा है। बीजेपी की सरकार जबसे सत्ता में आई है महंगाई निरन्तर बढ़ रही है। डीजल, पेट्रोल, गैस, रसोई गैस की कीमतें पहले से ही बढ़ी हुई है। बीजेपी सरकार में पेट्रोलियम पदार्थों पर मिलने वाली सब्सिडी लगभग खत्म कर दी गई है। सपा प्रमुख ने बढ़ती महंगाई को लेकर बीजेपी पर चोट करते हुए ने कहा कि पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ाने के बाद बीजेपी ने खाद्य तेलों और दाल, चावल, आटा के दाम बढ़ा दिए। अब सब्जियों के आसमान छूती कीमतों ने जनता की कमर तोड़ दी है। लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता कराह रही है। बीजेपी सरकार में जमकर कालाबाजारी हो रही है। सरकार को बताना चाहिए कि आखिर इस महंगाई का मुनाफा किसकी जेब में जा रहा है?

फिरोजाबाद में नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म, दोषी को 20 साल कैद की सज़ा

फिरोजाबाद, 18 जुलाई (एजेंसियां)। फिरोजाबाद में विशेष पॉक्सो न्यायालय ने नाबालिग बालिका का अपहरण कर दुराचार करने आरोपी को 20 साल कैद की सजा सुनाई। अदालत ने दोष सिद्ध आरोपी पर 46 हजार का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना न देने पर दोषी को 18 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा। इस मामले में मैनपुरी जनपद से एक शादी समारोह में आई 16 साल की एक नाबालिग लड़की को एक युवक योजनाबद्ध तरीके से बहला-फुसलाकर ले गया था। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म भी किया था।

'मेरे हसबैंड मुझको प्यार नहीं करते

नपुंसक।' पति के खिलाफ नवविवाहिता ने दर्ज करवाई एफआईआर

लखनऊ, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कॉमेडी नाइट्स विद कपिल शो काफी चर्चित रहा। शो में गुत्थी का किरदार काफी हिट हुआ। शो में अक्सर दिखाया जाता था कि गुत्थी को अपने पति से शिकायत रहती है कि वह उसे प्यार नहीं करता है। कुछ ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश के लखनऊ में सामने आया है। यहां पर नवविवाहित अब पुलिस के पास पहुंच गई है और पुलिस ने मामला भी दर्ज कर लिया है। दरअसल, छह महीने पहले ही नवविवाहित का शादी हुई थी। युवती का आरोप है कि मेरे हसबैंड मुझको प्यार नहीं करते हैं और शादी के बाद से उसने संबंध नहीं बनाए हैं। युवती का पति आईटी कंपनी में जॉब करता है। नवविवाहिता का आरोप है कि उसका पति नपुंसक भी है। पुलिस को दी शिकायत में कहा गया है कि छह महीने पहले ही शादी हुई थी। शादी के दौरान 15 लाख रुपये और काफी दहेज दिया गया था। करीब 28 लाख रुपये का दहेज दिया गया। अब युवती का आरोप है कि उसके पति उससे प्यार नहीं करते हैं। इलाज के लिए भी कहा गया तो पति के परिजनों ने इंकार कर दिया।

अयोध्या से मनाली गए एक ही परिवार के 11 सदस्य लापता, आखिरी बार इस लोकेशन पर हुई थी बात

अयोध्या, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के यहां पिथला गांव के रहने वाले एक ही परिवार के 11 लोगों के आपदाग्रस्त हिमाचल प्रदेश में लापता होने की सूचना मिली है। ये सभी दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते हैं। लापता हुए लोगों के रिश्तेदारों का कहना है कि उनसे आखिरी बार 10 जुलाई को मनाली पहुंचने के लिए चंडीगढ़ में बस पर सवार होने से पहले बात हुई थी और तब से उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। रिश्तेदारों ने बताया कि उन्हें पता

चला था कि हिमाचल प्रदेश में पहाड़ी का एक हिस्सा टूटकर गिर गया है। परिजनों को आशंका है कि कहीं सभी 11 लोग इस हादसे की चपेट में आकर मर ना गये हों। लापता 11 लोगों में अब्दुल मजीद (62), उसकी पत्नी नाजिमा (60), उसका बेटा बशर (42), बशर की पत्नी परवीन (40), इश्तिहार (21), अब्दुल मजीद का छोटा बेटा ओमैसा, इश्तिहार की पत्नी शबाना (19), अब्दुल मजीद की बेटी करीना (18), बशर के दोनों बेटे वारिस अली (10) और मौसम (छह), बशर की बेटी अलवीरा (चार) और अब्दुल मजीद के रिश्तेदार एजाज अहमद (30) शामिल हैं।

बीजेपी विधायक ने अपनी ही सरकार की खोली पोल

इंस्पेक्टर के रिश्वत लेने की डीजीपी से की शिकायत, फिर क्या हुआ?

मुरादाबाद, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मुरादाबाद में बीजेपी विधायक ने ही अपनी सरकार के दावे की पोल खोल दी है। विधायक रितेश गुप्ता ने डीजीपी को फोन कर पुलिस अधिकारी पर 50 हजार की रिश्वत लेने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि मझोला थाने में तैनात अपराध निरीक्षक हरीशंकर ने 50 हजार की रिश्वत ली। बीजेपी विधायक ने डीजीपी को बताया कि बुद्धि विहार निवासी वरुण गुप्ता के खिलाफ एक महिला ने रेप की शिकायत की थी।

अपनी ही सरकार की बीजेपी विधायक ने खोली पोल

शिकायत के बाद पुलिस वरुण गुप्ता को पकड़कर थाने ले गई। उन्होंने कहा कि पति को छोड़ने के एवज में पत्नी से 50 हजार रुपए ले लिए। रुपए मिलने के बाद पुलिस ने पति को छोड़ दिया। अगले दिन रेप का केस दर्ज कर वरुण गुप्ता से और रकम की मांग की गई। पीड़ित परिजनों ने घटना की जानकारी बीजेपी विधायक को दी। नगर विधायक ने एडीजी जोन बरेली पीसी मीणा को लिखित शिकायत भेद दी। डीजीपी और एसएसपी को फोन कर विधायक ने मामले की जानकारी दी। विधायक रितेश गुप्ता ने कहा कि पुलिस शासन की मंशा के अनुरूप जीरो टॉलरेंस नीति का उल्लंघन कर रही है।

डीजीपी से की पुलिस के 50 हजार लेने की शिकायत

उन्होंने आरोपी अपराध निरीक्षक के खिलाफ अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की। विधायक की तरफ से मुद्दा उठाए जाने के बाद आरोपी इंस्पेक्टर नप गए हैं। एसएसपी मुरादाबाद हेमराज मीणा ने हरीशंकर को सस्पेंड कर विभागीय जांच के आदेश दिए। जांच का जिम्मा सीओ सिविल लाईन को सौंपा गया है। विधायक की शिकायत पर इंस्पेक्टर हरीशंकर को लाइन हाजिर कर दिया गया। विधायक रितेश गुप्ता पहले भी सरकारी विभागों में चल रही मनमानी का मुद्दा उठाकर सुर्खियों में आ चुके हैं। इस बार पीड़ित वरुण गुप्ता की शिकायत को गंभीरता से लिया।

घर में मां के साथ सो रहे मासूम को उठा ले गई जंगली बिल्ली, फिर नोंच-नोंचकर मार डाला

आगरा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के पिनाहट थाना क्षेत्र से एक बेहद चौंकाने और डराने वाली घटना सामने आई है। क्षेत्र के बरपुरा गांव में एक जंगली बिल्ली सवा माह के मासूम को उठा ले गई। बच्चा आंगन में चारपाई पर अपनी मां के साथ सो रहा था। लेकिन, जब महिला की नींद खुली, तो मासूम चारपाई पर नहीं था। इसके बाद परिजनों ने जब उसकी तलाश की तो उसका शव पास के एक खेत में मिला। परिजनों ने देखा की जंगली बिल्ली उसे नोच रही थी। इसके बाद उन्होंने लाठी डंडे से उसे भगाया।क्षेत्र के गांव बरपुरा की रहने वाली संजना ने बताया कि सवा माह पहले उसे एक बेटा पैदा हुआ था। उसका नाम आरव रखा था। रात को गर्मी अधिक थी। इसलिए, उसने आंगन में चारपाई बिछा ली और उसे अपने साथ लेकर सो गई। देर रात कब जंगली बिल्ली आई और उसके बच्चे को खींच ले गई ले गई। इसकी उसे भनक तक नहीं लगी।संजना ने बताया कि, जब रात में अचानक उसकी आंख खुली तो उसका बेटा चारपाई पर नहीं था। यह देखकर वह घबरा गई। बेटे को इधर-उधर खोजा। परिजनों को जगाया। सब आस-पास उसकी तलाश में लग गए। तभी परिजनों की नजर एक जंगली बिल्ली पर गई, जो खेत में थी और कुछ नोच रही थी। परिजनों ने पास जाकर देखा तो वो आरव था, जिसे जंगली बिल्ली ने नोंच-नोंच कर मार दिया था।

विपक्ष की बैठक पर अश्विनी चौबे का बड़ा हमला, कहा- जो भी थोड़े बहुत दांत बचे हैं, जनता 2024 में झाड़ देगी

पटना, 18 जुलाई (एजेंसियां)। बेंगलुरु में विपक्ष की चल रही मेगा बैठक के बीच केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा क पल्टू राम और उल्टू राम चाचा और भतीजे के पेट में विषैला दांत है, जिसे जनता तोड़कर रहेगी। उन्होंने कहा कि

ये कहते हैं कि भारत में लोकतंत्र

खतरे में है और जो लोकतंत्र के दुश्मन थे, जिसने देश के अंदर आपातकाल लागू किया, आज उनकी गोद में बैठकर ये बिहार महाठगबंधन की सरकार दिगभ्रित करने का प्रयास कर रही है।

बिहार चल नहीं रहा, देश चलाने चले

नीतीश कुमार को लेकर अश्विनी चौबे ने कहा कि मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं, जो साकार नहीं होगा। बिहार चल नहीं रहा, देश चलाने चले हैं। बिहार में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर हुए लाठीचार्ज पर कहा कि जांच सिटिंग जज की अध्यक्षता में हो, जिसे लेकर राज्यपाल से आग्रह किया गया है, नहीं तो सीबीआई की जांच की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता विजय सिंह की पुलिस के लाठीचार्ज में मौत हुई है, उस मामले में बीजेपी मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराएगी।

बीजेपी उनसे घबराकर बैठक नहीं कर रही

बेंगलुरु में शुरू विपक्ष की बैठक को लेकर उन्होंने कहा कि उनकी बैठक में कोई दम नहीं है। जो भी थोड़े बहुत दांत बचे हैं सब जनता 2024 में झाड़ देगी, इस बार यह सभी लोग बंगाल की खाड़ी में चले जाएंगे। एनडीए की बैठक को लेकर उन्होंने कहा कि बीजेपी सालों भर बैठक करती है, इसमें कुछ नया नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बीजेपी उनसे घबराकर बैठक नहीं कर रही।

राजद-कांग्रेस के लोग परिवारवाद-वंशवाद पर टिके

लालू यादव पर हमला बोलते हुए अश्विनी चौबे ने कहा कि जिसका खानदान ही भ्रष्टाचारी है, वह दूसरे को भ्रष्टाचारी क्या कहेगा। उनको शर्म नहीं आती है कि बच्चों के साथ अब जेल जाने के लिए तैयारी हो रही है। सीबीआई और ईडी का छापा पड़ रहा है। राजद और कांग्रेस के लोग परिवारवाद और वंशवाद पर टिके हुए हैं, जिसका जवाब जनता देगी।

'पिता के नाम का पर्याय बन गया है हाजीपुर', चिराग पासवान ने बताया क्यों अड़े हैं इस सीट के लिए

पटना, 18 जुलाई (एजेंसियां)। एनडीए में शामिल होने के बाद एलजेपी (रामविलास) के चीफ और जमुई से सांसद चिराग पासवान ने बताया कि उन्हें हाजीपुर लोकसभा सीट क्यों चाहिए। चिराग ने कहा कि हाजीपुर पर दावा करने के लिए मेरे पास अपनी वजह है। वह सीट मेरे पिता रामविलास की पर्याय है और हाजीपुर के प्रति मेरी जिम्मेदारी है। हाजीपुर सीट पर पशुपति पारस के दावे को लेकर जमुई सांसद ने कहा कि हर कोई अपने दावे करता है। वह वहां से मौजूदा सांसद हैं, लेकिन हाजीपुर से दावेदारी के मेरे अपने कारण हैं। मैंने जबसे होश संभाला, तबसे अपने पिता रामविलास को वहां प्रतिनिधित्व करते देखा। कुछ काम उन्होंने किए कुछ रह गए। इसलिए हाजीपुर के प्रति मेरी जिम्मेदारी है। उनके बचे हुए कामों को पूरा करना है। उन्होंने दावा किया कि मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी पार्टी हाजीपुर से चुनाव लड़ेगी। वहीं जब उनसे चाचा पशुपति पारस के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह मेरे चाचा ही हैं, उनके खिलाफ कभी कोई टिप्पणी नहीं की। जब उनसे पूछा गया कि क्या पशुपति पारस के खिलाफ भी हाजीपुर से चुनाव लड़ेंगे तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता है कि ऐसी परिस्थिति आएगी।

समय रास्ता निकाल ही लेगा। मै जिस परिवार से आता हूं कि वहां बड़े लोग ही ऐसे फैसले लेते हैं। फाइनली इसका निर्णय बीजेपी को ही लेना है।

समय के साथ सब ठीक हो जाएगा: चिराग

चिराग ने कहा, समय से सब ठीक हो जाएगा और कोई रास्ता निकल आएगा, उम्मीद है कि 2024 तक चीजें ठीक हो जाएंगी। ईमानदारी से कहूं तो पिछले दो साल मेरे और परिवार के लिए कठिन समय थे, हमने कई चुनौतियां देखीं और उनका सामना किया। अब मैं बहुत आगे आ गया हूं लेकिन जब मैंने अपने चाचाजी को देखा तो वह अभी भी वहीं हैं। उन्हें उत्तेजित होते हुए देखता हुए देखता हूं तो दुख होता है। मोदी कैबिनेट में शामिल होने को लेकर जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि गठबंधन मंत्री बनने के लिए नहीं होता है। मंत्री पद बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अधिकार क्षेत्र है कि वो किसे कैबिनेट में शामिल करना चाहते हैं। इसमें किसी का भी बातचीत करना ठीक नहीं है।

नीतियों और सिद्धांतों को लेकर गठबंधन: चिराग

चिराग ने एलजेपीआर के एनडीए में शामिल होने को लेकर कहा कि गठबंधन नीतियों, सिद्धांतों को लेकर होता है। कॉमन एजेंडा क्या है, इसको लेकर होता है। बिहार में एनडीए को मजबूती देने के लिए हमने गठबंधन किया है। हमने मंत्री बनने के लिए गठबंधन नहीं किया।

2021 में हुई थी एलजेपी में फूट

बता दें कि 2021 में लोक जनशक्ति पार्टी में टूट हुई थी और फिर चिराग पासवान के चाचा पशुपति पारस के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी बनी जो एनडीए में उस वक्त शामिल हो गई थी और फिर पशुपति पारस केंद्र में मंत्री बने। दूसरी तरफ चिराग पासवान के नेतृत्व में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) बनी। हालांकि, पशुपति पारस का खेमा ज्यादा मजबूत बन गया क्योंकि चिराग पासवान को छोड़कर लोक जनशक्ति पार्टी के सभी सांसद पशुपति पारस के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी में शामिल हो गए थे।

बस्ती में ज्योति मौर्य जैसा एक और मामला

पति ने खेत बेच कर पढ़ाया, सरकारी नौकरी के बाद पत्नी हुई बेवफा

बस्ती, 18 जुलाई (एजेंसियां)। एक और ज्योति मौर्य जैसा मामला बस्ती में सामने आया है। धर्मसिंहपुर गांव के रहने वाले अमित कुमार की शादी वर्ष 2011 में अर्चना से हुई थी। शादी के बाद पत्नी पति से आगे पढ़ने की जिद करने लगी। पत्नी की इच्छा पूरी करने के लिए पति ने गोरखपुर स्थित राज पैरामेडिकल नर्सिंग कॉलेज में दाखिला कराया। पति का कहना है कि पत्नी की पढ़ाई के लिए पुश्तैनी खेत तक भी बेच दिया। पैरामेडिकल कोर्स पूरा होने के बाद पत्नी की नौकरी लग गई। पत्नी की पोस्टिंग श्रावस्ती जिले के संयुक्त चिकित्सालय में बतौर स्टाफ नर्स हुई। पति का आरोप है कि नौकरी लगने के बाद अर्चना का हाव भाव बदल गया। मुलाकात के लिए जाने पर अमित कुमार से अर्चना दूरी बनाने लगी। पति ने पत्नी के बदले हाव भाव का पता लगाया। पता चला कि राज पैरामेडिकल नर्सिंग कॉलेज प्रबंधक के भांजे से पत्नी का प्रेम प्रसंग चल रहा है। पत्नी से मिलने श्रावस्ती जाने पर पति को कथित प्रेमी धनंजय मिश्रा मौजूद मिलता। पति का आरोप है कि धनंजय मिश्रा के उकसावे पर पत्नी ने दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करवा दिया। मुकदमा दर्ज होने के बाद पति कोर्ट कचहरी और थाने का चक्कर काटने को मजबूर है। पति को जान का डर भी सता रहा है। एक बच्ची को लेकर पति अधिकारियों से मदद की गुहार लगा रहा है। पत्नी की बेवफाई की दास्तान एसपी के सामने पति ने सुनाई है। बस्ती पुलिस ने अमित कुमार को इंसाफ का भरोसा दिलाया है। अब देखना होगा कि बस्ती पुलिस से अमित कुमार को इंसाफ मिलता है या दर-दर की ठोकर। बता दें कि पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य प्रकरण मीडिया की सुर्खियां बना हुआ है।

विपक्षी गठबंधन हताश और निराश दलों का है: अनुप्रिया पटेल

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और अपना दल की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि यह गठबंधन हताश और निराश दलों का है। पिछले चुनावों में इन्हें जनता ने अस्वीकार कर दिया। इसके बावजूद सभी को नया प्रयोग करने का अधिकार है लेकिन इस कोशिश का कोई परिणाम निकलने वाला नहीं है। आने वाले आम चुनावों में एक बार फिर नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। एनडीए की बैठक पर अनुप्रिया ने कहा कि आज की बैठक के लिए देशभर से राजनीतिक दल दिल्ली आ रहे हैं। आज की बैठक में सीट बंटवारे का कोई एजेंडा नहीं है। हम एनडीए की एकजुटता का संदेश देंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में फिर से सरकार बनाएंगे। उल्लेखनीय है कि मंगलवार की शाम एनडीए के सभी राजनीतिक दलों की बैठक होने वाली है। इस बैठक में 38 राजनीतिक दल शामिल होंगे।

मप्र: विदिशा जिले में ढाई साल की बच्ची बोरवेल में गिरी, रेस्क्यू शुरू

विदिशा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में पथरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कजरी बरखेड़ा में मंगलवार को ढाई साल की बच्ची घर के आंगन में खुले पड़े बोरवेल के गड्ढे में गिर गई। सूचना मिलने पर पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा और बच्ची को निकालने के राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया है। एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताया कि घटना जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर सिरोंज-कुरवाई रोड पर ग्राम कजरी बरखेड़ा की है। यहां स्थानीय निवासी इंदर सिंह (पप्पू) की ढाई साल के बेटी अस्मिता मंगलवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे खेलते समय घर के आंगन में खुले पड़े बोरवेल के गड्ढे में गिर गई। वह बोरवेल की गहराई करीब 15 फीट बताई फंसी हुई है। राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया है। जेसीबी से बोरवेल के आसपास खुदाई की जा रही है। रस्सी के सहारे भी बच्ची को बोलवेल से बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। डॉक्टरों की टीम बच्ची तक ऑक्सीजन पहुंचा रही है। मौके पर मौजूद एएसपी समीर यादव ने बताया कि पथरिया थाना अंतर्गत एक गांव के घर में बने बोरवेल में अस्मिता नाम की ढाई वर्षीय बच्ची गिर गई है। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई की है। बच्ची को निकालने की कोशिश जारी है। बच्ची से कुछ पूछने पर अंदर से जवाब भी दे रही है। इधर, जिले के प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग ने जिला प्रशासन के अधिकारियों से बात कर घटना के बारे में अपडेट लिया। उन्होंने युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

धक्का लगने पर शुरू हुई बहस, गुस्साए युवकों ने बुजुर्ग को पीट-पीटकर मार डाला

मुंबई, 18 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उल्हासनगर के सेक्शन- 4 में एक बुजुर्ग व्यक्ति की पिटाई से मौत हो गई। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। 15 जुलाई की रात में राजेश कुकरेजा नाम के शख्स की कुछ लोगों ने बेरहमी से पिटाई कर दी। इसकी जानकारी बुजर्ग शख्स ने फोन कर अपने बेटे को दी कि उसकी कुछ लोगों ने पिटाई कर दी है, जिसके कारण उसे काफी दर्द हो रहा है। इसके तुरंत बाद कुकरेजा का बेटा तरुण कुकरेजा घटनास्थल पर पहुंचा, जहां उसके पिता राजेश कीचड़ से लथपथ थे, उन्हें सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, हालत ज्यादा खराब होने के कारण उन्हें केईएम अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

महाराष्ट्र: 'लव जिहाद' का एक और मामला

लड़की ने सुनाई आपबीती; अमीन ने इस तरह की उसके साथ जबरदस्ती

ठाणे, 18 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मीरा रोड से लव जिहाद और धर्मांतरण का मामला सामने आया है। जिसके बाद ठाणे की नयानगर पुलिस ने 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दरअसल मीरा भायंदर शहर की रहने वाली 22 साल की लड़की ने मीरा रोड के नया नगर परिसर में रहने वाले अपने प्रेमी अमीन आजम शेख, उसकी मां रेशमा आजम शेख, काजी मुफ्तीन इस्माइल, जरियाब सलीम सय्यद और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ नया नगर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 376(2)(एन),366,323,504,40 6 और 34 के तहत मामला दर्ज कराया है। पीड़ित लड़की का आरोप है कि अमीन शेख ने अपनी मां और बाकी आरोपियों के साथ मिलकर ना सिर्फ उसे शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी प्रताड़ित किया है। इसके अलावा उसे डरा-धमकाकर और उसके आपत्तिजनक वीडियो को वायरल करने का डर दिखाकर उसका धर्मांतरण किया गया है। नया नगर पुलिस ने लड़की के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और अमीन सहित सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच में जुट गई है।

लड़की ने अपने बयान में क्या कहा?

पीड़ित लड़की ने नया नगर पुलिस को दिए बयान में कहा है कि 2022 में उसकी पहचान बोरीवली में शहबाज नाम के लड़के से हुई थी। शहबाज अक्सर उससे मिलने के लिए मीरा रोड स्टेशन के करीब आता था, जहां वो कंप्यूटर क्लास में जाती थी। शहबाज ने पीड़ित लड़की की पहचान अमीन शेख से कराई थी। अमीन शेख ने थोड़े दिनों की मुलाकात के बाद 16 फरवरी 2022 को लड़की को कंप्यूटर क्लास के बाहर मिलने के लिए बुलाया और आई लव यू कहा। लड़की ने जब उसे मना किया तो उसने चाकू निकालकर कहा कि अगर हां नहीं बोली तो अमीन खुद को चाकू मारकर सुसाइड कर लेगा। जिससे डरकर लड़की ने आई लव यू बोल दिया। लड़की ने बताया, 'कुछ दिनों बाद अमीन ने मुझे अपने घर ले जाकर अपनी अम्मी और अब्बू से मिलाया और इसके कुछ दिन बाद अमीन ने यह कहकर पीड़िता को अपने घर बुलाया कि उसके भाई की बेटी बीमार है। उसे देखने के लिए अस्पताल जाना है। लड़की ने बताया कि जब पीड़िता अमीन के घर पहुंची तो वहां अमीन के अलावा कोई नहीं था। इसी बात का फायदा उठाते हुए अमीन ने मुझे आत्महत्या करने का डर दिखाकर मेरे साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। उसके बाद 21 जून 2022 को अमीन गाड़ी लेकर पीड़िता के घर के बाहर आया और उसे मिलने के लिए बुलाया। गाड़ी में अमीन के साथ दो और लड़के बैठे हुए थे। लड़की ने बताया कि मेरे गाड़ी में बैठते ही एक लड़के ने मुझसे कहा कि हमें मस्जिद से भेजा गया है आपको लाने के लिए। आज आप हिन्दू से मुसलमान बनने वाले हो। उसके बाद आप काफिर नहीं रहोगे। उसके बाद मुझे बांद्रा एक काजी के पास लेकर गए, जहां काजी ने मेरा नाम बदलकर राहिमा रखा और 100 रुपए के तीन स्टैंप पेपर पर मेरा साइन लिया। उसके बाद अमीन मुझे उत्तन के हजरत बालेशह सय्यद दरगाह ले गया और मेरे हाथ में ताबीज बांधा। लड़की ने बताया कि दूसरे दिन जब मैं अमीन के घर गई तो उसकी मां ने मुझे देखते ही कहा कि इस काफिर को क्यूं घर पर लाया हैं। तब अमीन ने मुझे बताया कि उसकी पहले शादी हो चुकी है और जिस बच्ची को उसने अपने भाई की बच्ची बताकर मिलाया था, वो उसकी बच्ची है। इसके बाद पीड़िता पर अमीन और उसके घर वालों का अत्याचार बढ़ता चला गया। अमीन पीड़िता को जबरन घर में बंद करके रखता था, जहां से एक बार पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद उसे छुड़ाया था। अब इस मामले में नया नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

10 हजार करोड़ में 97 निगरानी ड्रोन खरीदेगी भारतीय वायुसेना

चीन-पाक सीमा पर मजबूत होगा निगरानी तंत्र

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। चीन और पाकिस्तान से लगी सीमा पर सुरक्षा और निगरानी तंत्र को और मजबूत करने के लिए भारतीय वायु सेना 97 'मेड-इन इंडिया' ड्रोन खरीदने जा रही है। देश में ही बने इन निगरानी ड्रोन्स का सौदा 10 हजार करोड़ में होने की जानकारी सामने आई है। भारत में बने ये ड्रोन 30 घंटे तक लगातार उड़ान भरने में सक्षम होंगे। हाल के दिनों में चीन से लगती सीमा पर उंचाई वाले इलाकों में जिन चुनौतियों का सामना भारतीय सेना और वायुसेना कर रही हैं, वैसे हालात में ये ड्रोन सेनाओं के निगरानी तंत्र को और मजबूत करेंगे। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे पर 31 एमक्यू-9बी रीपर ड्रोन खरीदने का भी सौदा हुआ था। पूरी दुनिया में बेहद तेजी से बदलते हालात और युद्ध की नई रणनीतियों के बीच हवाई निगरानी और मानव रहित लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने के लिए ड्रोन्स की खरीदारी देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। निगरानी के लिए देश में बने ड्रोन्स को खरीदने का फैसला ये भी दिखाता है कि सरकार आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देना चाहती है और देश के हथियार निर्माताओं का मनोबल भी बढ़ाए रखना चाहती है। बीते 15 जून को रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक के दौरान इस बात पर भी चर्चा हुई थी कि घरेलू विक्रेताओं से निगरानी ड्रोन जैसे हथियार खरीदे जाएं। बता दें कि भारतीय सेनाएं निगरानी के लिए केवल ड्रोन जैसे हथियारों पर ही निर्भर नहीं हैं। उत्तराखंड के औली में हुए भारत-अमेरिकी सैन्य युद्ध अभ्यास के दौरान एक खास दृश्य देखने को मिला जिसने सबको चौंका दिया था। दरअसल भारतीय सेना चील पक्षियों को भी ऐसे प्रशिक्षित कर रही जिससे वह हवा में उड़ रहे दुश्मन के निगरानी ड्रोन को अपने पंजो के वार से नीचे गिरा दें। दुश्मन के ड्रोन के खतरे को देखते हुए और ट्रैक किए जाने की चिंता के बिना गहन निगरानी करने की आवश्यकता के साथ सेना बूट कैंप के माध्यम से 'आकाशी रंगरूटों' के झुंड को खड़ा कर रही है।

दुबई से प्राइवेट पार्ट में छुपाकर लाया था सोना, कस्टम ने दबोचा

अमृतसर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग को बड़ी कामयाबी मिली है। कस्टम विभाग ने अमृतसर एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी करने वाले एक रैकेट का भंडाफोड़ किया है। विभाग ने एक शख्स को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने अपने प्राइवेट पार्ट में सोना छिपा रखा था, जो पेस्ट के रूप में था ताकि पारंपरिक बॉडी स्कैनर में भी पकड़ा न जा सके।

दुबई से लौटा था यात्री: कस्टम विभाग के मुताबिक, यात्री दुबई से लौटा था, जिसे विभाग ने चेकिंग के दौरान पकड़ लिया। आपको बता दें कि इस संबंध में कस्टम विभाग को पहले ही सूचना मिल गई थी कि सोने की तस्करी की जा रही है, जिसके बाद विभाग अलर्ट हो गया और पूरे ध्यान से हर व्यक्ति की जांच की जा रही थी। चेकिंग के दौरान जब आरोपी से सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने अपने प्राइवेट पार्ट में सोने के 3 कैप्सूल छिपाए होने की जानकारी दी, जिसके बाद विभाग ने उसे अपने कब्जे में ले लिया है। करीब 50 लाख का सोना बरामद: आपको बता दें कि जब कस्टम विभाग ने आरोपी के प्राइवेट पार्ट से सोने का पेस्ट बरामद किया तो उसका वजन 1.183 किलोग्राम था। इसे शुद्ध सोने में बदला गया, जिसका कुल वजन 844।80 ग्राम था। इसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत 49.94 लाख रुपये बताई जा रही है। फिलहाल, विभाग ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया है। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस शख्स से सख्ती से पूछताछ करेगी और आरोपी से और भी खुलासे होने की उम्मीद है।

पेशाब पिला कर पति पर पत्नी को प्रताड़ित करने का आरोप

सीहोर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी के साथ मारपीट करने और जबरन पेशाब पिलाने का आरोप लगा है। पिटाई करने का वीडियो भी पीड़ित महिला ने पुलिस को सौंपा है। मामला सीहोर जिले की श्यामपुर तहसील के गांव का है। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि वह श्यामपुर तहसील के गांव की रहने वाली है और लगभग 24 साल पहले उसकी शादी सीहोर के ही अवधपुरी कॉलोनी निवासी से हुई थी। उसका कहना है कि उसका पति भवन निर्माण सामग्री का आपूर्ति करता है और उसके दो बच्चे भी हैं। पुलिस को दी गई शिकायत में महिला ने बताया है कि एक दिन उसका पति पैर से बिछिया जबरिया उतारने लगा। जब उसने इस बात का विरोध किया तो पति ने उसकी पिटाई की। बच्चों के आ जाने पर उन्होंने बचा लिया। यह सिलसिला लगातार कई बार चला। निर्वस्त्र कर पीटा भी और एक बार तो पेशाब भी पिलाई। श्यामपुर पुलिस के अनुसार पीड़ित महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उसे गिरफ्तार भी कर लिया गया है।

इलाहाबाद एचसी ने पूछा : क्या रेप पीड़िता मुआवजे की हकदार? डीएम बताएं

इलाहाबाद, 18 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अदालत के एक आदेश से नाबालिग लड़की का रेप केस सुर्खियों में है। पीड़िता की उम्र 12 साल है। रेप के बाद वह प्रेग्नेंट हो गई थी। ऐसे में पीड़िता गर्भ गिराना चाहती थी, जिसकी अनुमति लेने के लिए उसने कोर्ट का रुख किया था, जिस पर कोर्ट ने भी अपनी अनुमति दे दी थी। लेकिन, अब इसी केस पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बुलंदशहर के डीएम को एक निर्देश दिया है, जो कि चर्चाओं में है। कोर्ट ने कहा है कि डीएम बताएं कि क्या रेप पीड़िता उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मी बाई महिला सम्मान कोष के तहत मुआवजा पाने की हकदार है। कोर्ट ने डीएम को यह अवगत कराने को कहा है कि रेप पीड़िता की मां जो कि मजदूरी करती है, क्या वह पीएम आवास योजना के तहत घर पाने की हकदार है। इसको लेकर पीड़िता की ओर से इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने यह आदेश पारित किया है। डीएम को यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की पीठ की ओर से दिया गया है।

प्रेग्नेंट हो गई थी रेप पीड़िता

वहीं, इलाहाबाद कोर्ट ने इस केस से जुड़े अफसरों से पूछा कि इस मामले में दर्ज प्राथमिकी के संबंध में क्या जांच चल रही है। अब इस केस की अगली सुनवाई नौ अगस्त को होगी।न्यूज एजेंसी पीटीआई-भाषा के मुताबिक,रेप पीड़िता दिव्यांग है। वह मूकबधिर है। रेप के बाद वह प्रेग्नेंट हो गई थी। उसने कोर्ट से उसने गर्भ गिराने (25 सप्ताह) की अनुमति मांगी थी। राज्य सरकार के अफसरों ने बताया कि कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद लड़की का 15-16 जुलाई की रात ही गर्भपात करा दिया गया था।

पीड़िता को बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता-हाई कोर्ट

इससे पहले कोर्ट ने 11 जुलाई को कहा था कि रेप की शिकार महिला अगर आरोपी के बच्चे की मां बन जाती है तो पीड़िता को कतई उस बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। यदि ऐसा होता है तो यह दुखद है। वकील राघव अरोड़ा के मुताबिक, सुनवाई की अगली तारीख पर राज्य सरकार इस मामले पर कोर्ट को बताएगी कि क्या पीड़िता रानी लक्ष्मी बाई महिला सम्मान कोष के तहत मुआवजा पाने की हकदार है या नहीं।

पूर्व सीएम उमा भारती ने की मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की तारीफ, कहा- भाजपा के लिए वो हीरा है

शिवपुरी, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की तारीफ की है। ज्योतिरादित्य की तारीफ करते हुए उमा भारती ने कहा है कि कांग्रेस ने अपना हीरा गंवा दिया है, यह हीरा हमारे पास आ गया है। उमा भारती ने कहा कि कांग्रेस के पास हीरा था लेकिन कांग्रेस ने इस हीरे को गंवा दिया। उमा भारती ने कहा कि मप्र में ज्योतिरादित्य ने कांग्रेस की सरकार बनाई थी और कांग्रेस की सरकार गिराई और यह हीरा हमारे पास आ गया है और हमारी सरकार बना दी है। उमा भारती ने यह बात शिवपुरी में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। वृंदावन जाने के दौरान उमा भारती कुछ समय के लिए शिवपुरी में रूकी। शिवपुरी सर्किट हाउस में उमा भारती से पत्रकारों ने बात की। इस बातचीत के दौरान उमा भारती से मध्यप्रदेश में कांग्रेस की क्या स्थिति रहेगी, यह पूछा गया था। इसी संदर्भ में बोलते हुए उन्होंने ज्योतिरादित्य को हीरा बता दिया। उमा भारती ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और कमलनाथ पर भी निशाना साधा। मप्र में आगामी विधानसभा चुनाव किसके नेतृत्व में लड़ा जाएगा इसको लेकर उमा भारती ने कहा कि हमारी पार्टी में नेतृत्व कार्यकर्ता करता है। हमारी पार्टी में झंडे और कार्यकर्ता का महत्व है। उन्होंने कहा कि मोदी जी और अमित शाह जी भी एक कार्यकर्ता हैं। पार्टी में कार्यकर्ता मेहनत करता है उसी के दम पर सरकार बनती है। पूरे देश में विपक्ष की एकजुटता पर तंज कसते हुए उमा भारती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह विपक्ष मिलियन वर्ष दूर है। उन्होंने कहा कि क्या ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, राहुल गांधी का नेतृत्व देश स्वीकार करेगा। यह अभी मोदी जी से मिलियन वर्ष दूर खड़े हुए हैं। मोदी जी का यह मुकाबला नहीं कर पाएंगे। मप्र के कूनो अभ्यारण में चीतों की मौत को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा कि यहां की घास और वनस्पति से चीते एडजस्ट नहीं हो पा रहे हैं। उन्हें साउथ अफ्रीका जैसा मौसम और वनस्पति यहां पर नहीं मिल पा रही है। चीते इमोशनल प्राणी होता है इसलिए जरा सा तनाव हो तो वह डिप्रेशन में चले जाते हैं। फिर भी यहां पर एक प्रयोग किया गया है और हमारा प्रयास है कि जितने चीते बचे हैं वह प्रयोग सफल रहे।

पथरिया विधायक और नगर परिषद अध्यक्ष के बीच विवाद

एमएलसी रामबाई ने गनमैन की रिवाल्वर छीनने का प्रयास किया

दमोह, 18 जुलाई (एजेंसियां)। दमोह जिले के पथरिया विधानसभा की बीएसपी विधायक रामबाई और पथरिया नगर परिषद अध्यक्ष के बीच कार्यालय में विवाद हो गया। जिसके बाद विधायक ने अपने गनमैन की रिवाल्वर छीनने का भी प्रयास किया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिसके बाद पुलिस ने अध्यक्ष की शिकायत पर विधायक सहित तीन पार्षदों पर मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार पथरिया विधायक राम बाई सिंह परिहार सोमवार को पथरिया के नगर परिषद कार्यालय पहुंची थीं। उन पर सड़क निर्माण करने वाले एक ठेकेदार से पांच लाख रुपये मांगे जाने के आरोप लग रहे थे। इसी मामले में नगर परिषद अध्यक्ष सुंदर लाल विश्वकर्मा से बातचीत हो रही थी और इस बात को लेकर दोनों के बीच काफी विवाद हो गया। अध्यक्ष सुंदर लाल विश्वकर्मा का आरोप था कि विधायक रामबाई ने ठेकेदार से सड़क निर्माण करने के नाम पर पांच लाख रुपये की राशि की मांग की है। इस बात की जानकारी ठेकेदार ने नगर परिषद अध्यक्ष को दी थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, लेकिन विधायक रामबाई के सामने ठेकेदार इस बात से मुकर गया तो इस बात को लेकर मामला इतना बढ़ा कि गाली गलौज तक बात बढ़ गई। इस दौरान विधायक रामबाई सिंह ने अपने गनमैन की रिवाल्वर छीनने का भी प्रयास किया गया। इस बात पर नगर परिषद अध्यक्ष सुंदरलाल विश्वकर्मा भी खड़े होकर लड़ने के लिए उतारू हो गए। इस बीच नगर परिषद सीएमओ ने मामले को शांत करने का प्रयास किया और उपस्थित लोगों के बीच बचाव करने पर मामला शांत हुआ। विधायक रामबाई का आरोप है कि नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा सड़क निर्माण में ठेकेदार की मिलीभगत के चलते सड़क का ठीक तरह से निर्माण नहीं किया। जिस पर उन्होंने ठेकेदार से इस मामले में गुणवत्ताहीन सड़क बनाने का आरोप लगाते हुए सड़क को सही तरीके से बनाने की बात कही थी। इसी बात को लेकर नगर परिषद अध्यक्ष नाराज थे, जिस बात को लेकर विवाद हुआ। वहीं, नगर परिषद अध्यक्ष सुंदर लाल विश्वकर्मा ने बताया कि उन्होंने विधायक राम बाई परिहार के अलावा एक भाजपा, एक कांग्रेसी और एक बहुजन समाज पार्टी के पार्षद के विरुद्ध पुलिस थाना पथरिया में मामला दर्ज कराया है। इस संबंध में एसडीओपी पथरिया वीरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि विधायक रामबाई एवं तीन पार्षदों के विरुद्ध शासकीय कार्य में व्यवधान, शासकीय दस्तावेज फाड़ने, जान से मारने की धमकी सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एमपी में हो रही चीतों की मौत को लेकर सख्त हुई सरकार, उठाया कड़ा कदम

श्योपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में चीतों की निरंतर मौत पर सरकार ने सख्त कदम उठाया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वाइल्डलाइफ पीसीसीएफ) जसबीर सिंह चौहान पर गाज गिरी है। उनको वाइल्डलाइफ से हटाकर उत्पादन शाखा में भेजे दिया गया है। जसबीर चौहान की जगह असीम श्रीवास्तव को नया प्रधान मुख्य वन संरक्षक(वाइल्डलाइफ) बनाया गया है। दरअसल, कूनो नेशनल पार्क में अब तक 5 चीतों एवं 3 शावकों की मौत हो चुकी है। बीते सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को ही 2 नर चीतों (तेजस एवं सूरज) की मौत हो गई थी। तत्पश्चात, चीतों के गले में बंधे रेडियो कॉलर को लेकर सवाल उठने लगे।

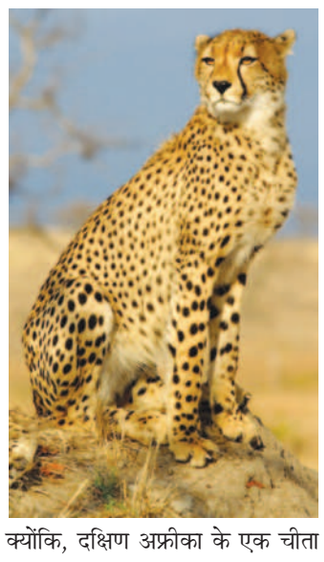

क्योंकि, दक्षिण अफ्रीका के एक चीता एक्सपर्ट ने मीडिया से चर्चा करते हुए दावा किया था कि रेडियो कॉलर की वजह से चीते सेप्टीसीमिया के शिकार हो रहे हैं। इसको लेकर सरकार का भी बयान आया है, जिसमें सरकार की ओर से कहा गया है कि रेडियो कॉलर से चीतों की मौत के दावे किसी वैज्ञानिक प्रमाण पर आधारित नहीं हैं। यह बातें अटकलों एवं अफवाहों पर आधारित हैं। अफसरों के अनुसार, चीतों के सुरक्षा एवं अन्य मुद्दों के लिए उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए स्थानांतरित चीतों की गर्दन के चारों तरफ रेडियो कॉलर लगाए गए हैं। वही अब तक 5 चीता सहित 3 शावकों की मौत हो चुकी है। कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया एवं दक्षिण अफ्रीका से कुल 20 चीते लाए गए थे, इनमें से नामीबियाई मादा चीता ज्वाला ने 4 शावकों को जन्म दिया था। यहां 26 मार्च 2023 को नामीबियाई मादा चीता साशा की मौत किडनी संक्रमण के चलते हो गई थी। वहीं नर चीता उदय की मौत 23 अप्रैल 2023 को कार्डियो पल्मोनिरी फेलियर के चलते हुई थी। तत्पश्चात, दक्षा की मौत 9 मई 2023 को नर चीतों के साथ हिंसक इंट्रक्शन के चलते हो गई थी। नामीबियाई मादा चीता सियाया (ज्वाला) के 4 शावकों में से एक की मौत 23 मई को, फिर 2 की मौत 25 मई को डिहाइड्रेशन से हो गई थी। मंगलवार 11 जुलाई को एक और दक्षिण अफ्रीकी चीता तेजस की मौत नामीबियाई मादा चीता नाभा (सवाना) के साथ हिंसक इंट्रक्शन के चलते हो गई थी।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 19 जुलाई- 2023

डालर का विकल्प रुपया ?

अब तो इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि पिछले कुछ सालों के दौरान वैश्विक स्तर पर भारत ने जिस तरह से अपने प्रभाव का विस्तार किया है,वैसा कोई दूसरा देश नहीं कर सका है। दुनिया के कई देश कूटनीति से लेकर कारोबार के मोर्चे तक भारत की ओर साझेदारी की नई राह तलाशते दिख रहे हैं। पिछले हफ्ते पीएम नरेंद्र मोदी और संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई के प्रमुख के बीच समझौते को इसी क्रम में देखा जा रहा है। बता दें कि दोनों देशों के बीच स्थानीय मुद्रा में कारोबार पर सहमति बन गई है। इस दिशा में पहलकदमी पहले से ही शुरू हो गई थी। उम्मीद थी कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खड़ी हो रही आर्थिक चुनौतियों और बदलते समीकरण के बीच भारत और यूएई इस मामले में किसी ठोस नतीजे पर पहुंच सकते हैं। इसी क्रम में पीएम मोदी की यूएई की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच अपनी अपनी मुद्रा में कारोबार को बढ़ावा देने पर हुआ करार अब वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एक नया अध्याय रचने जा रहा है। इस समझौते के महत्त्व को समझते हुए ही प्रधानमंत्री मोदी ने खुद कहा है कि यह दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक सहयोग और आपसी विश्वास को बढ़ाएगा। बताना जरूरी है कि पिछले साल व्यापक आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर के बाद से भारत-यूएई व्यापार में बीस फीसद तक की बढ़ोतरी देखी गई। ताजा समझौते के अमल में आने के बाद भारत और यूएई में आपसी कारोबार में बढ़ोतरी के साथ-साथ लेनदेन और भुगतान में कम समय लगेगा। यहां तक कि आयातकों-निर्यातकों को डालर का इंतजाम करने के झंझट से मुक्ति भी मिलेगी। इसके अलावा, मुद्रा बाजार में रुपए और दिरहम में निवेश करने का विकल्प भी खुलेगा जिससे पर्यटन भी आसान हो जाएगा। जिस दौर में अमेरिका अपनी मुद्रा डालर के प्रभाव के बूते वैश्विक स्तर पर अपनी दादागिरी दिखाता रहता है, उसमें भारत और यूएई के बीच अपनी अपनी स्थानीय मुद्रा में कारोबार पर बनी सहमति कूटनीति स्तर पर एक नया अध्याय लिखेगा। बता दें कि अमेरिकी डालर के वर्चस्व से परेशान कुछ देश पहले से ही कारोबार के मोर्चे पर नए समीकरण खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश वैश्विक स्तर पर कारोबार के ढांचे में अमेरिकी डालर का विकल्प तलाश रहे हैं। इसमें खासतौर पर रूस, चीन, भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश शामिल हैं। यहां तक कि बांग्लादेश जैसे छोटे एशियाई देश भी आपस में व्यापार के लिए स्थानीय मुद्रा को तरजीह देने पर जोर दे रहा है। सब जानते हैं कि वैश्विक स्तर पर कारोबार जगत में कई स्तर पर उतार-चढ़ाव चल रहा है। एक समय डालर पर निर्भर दुनिया अब नए विकल्पों का रुख कर रही है। इसका कारण संभवतः यह हो सकता है कि हाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देशों के अलग-अलग ध्रुव खड़े हो रहे हैं और उसी के मुताबिक आर्थिक जगत में भी नया स्वरूप तैयार किया जा है। इसमें भारत की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। रूस से तेल खरीदने के लिए भारत और यूएई दिरहम और रूबल का उपयोग कर रहे हैं। उधर चीन के भी हाल में युआन से 88 अरब डालर का रूसी तेल, कोयला और धातु खरीदने की खबर आई थी। वैश्विक स्तर पर विदेशी मुद्रा लेनदेन में युआन की हिस्सेदारी बढ़कर सात फीसद तक पहुंच गई है। इस लिहाज से देखा जाए तो भारत और यूएई के बीच हुआ ताजा समझौता लैंडमार्क साबित हो सकता है। इस करार को पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के रिश्तों में आई नई गरमाहट की अगली कड़ी माना जा सकता है।

अवसर के द्वार खोलकर विजय का करो स्वागत

संजीव ठाकुर

जब जब मनुष्य ने जड़ता को ललकारा है तब तब परिवर्तन ने दस्तक दी है,और प्रत्येक परिवर्तन अपने साथ-साथ बड़े तथा महान अवसर लेकर आया है। इस अवसर का जिसने भी सदुपयोग कर लाभ उठाया है और अपने अनुकूल बनाने का ऊर्जा के साथ प्रयास किया है वह विश्व विजेता बनने में सक्षम हुआ है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने जिस ₹आई हैव ए ड्रीम ₹की कल्पना की थी वह जीवन के नए अवसर की कल्पना थी। महात्मा गांधी जी ने भी जिस स्वराज की कल्पना अपने मन में की थी वह भी उसी नए अवसर की खोज में उसकी तरफ छेड़ा गया एक अभियान था और बराक ओबामा ने भी कहा था ₹यस वी कैन₹ ने भी बड़े परिवर्तन को सच्चाई के अवसर की तलाश थी। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भी मनुष्य से देवत्व की यात्रा का वर्णन किया था वह भी परिवर्तन के मुख्य द्वार से होकर गुजरता था .जीवन की संपूर्ण यात्रा में व्यक्ति को अपने जीवन में संघर्ष करना पड़ता है और तमाम कठिनाइयों को तोड़कर आगे की ओर अग्रसर होना पड़ता है। अवसर के मार्ग को खोलकर बड़ी विजय की महायात्रा प्राप्त हो सकती है। मूलतः परिवर्तन जीवन की एक मूलभूत विशेषता और एक जरूरी सत्य है बल्कि बेहतर कल तथा विकास के प्रत्येक सपने का हल भी होता है। परिवर्तन में अवसर तलाशने की यात्रा का अस्तित्व ही एक विजय गीत का गान है। परिवर्तन की इस महा प्रक्रिया का साइकल स्वयं इस बात का साक्ष्य है की परिवर्तन खुद ही नवीनता की एक बड़ी खोज है और परिवर्तन का सीधा अर्थ है जड़ता का नाश है। जो हमारी पुरानी परंपराएं जड़ तथा जंगम हो चुकी है या जो स्वयं को नई परिस्थितियों के अनुसार ढाल पाने में सक्षम नहीं है उसका अंत ही परिवर्तन का प्रस्थान बिंदु होता है और इसका अंत एक बड़े शून्य को जन्म देता है और यह नवीन तथा प्राचीनता के बीच की एक समन्वय की कड़ी होती हैं। और इसमें वह सारे और अवसर निहित होते हैं जिनका चयन ही भविष्य की बुनियाद तय करता है और इस शून्य के काल में किया गया प्रयत्न और प्रयास भविष्य के बड़े भाग्य को तय करता है और किसी समय चक्र के बार-बार परिवर्तन को ही जीवन की संज्ञा दी गई है। गीता में कृष्ण ने इस परिवर्तन वह उसमें अंतर्निहित मौके की तलाश करने का संकेत दिया है। मानवीय इतिहास में भी यदि नजर दौड़ाई तो पहला परिवर्तन 1215 में नागरिक अधिकार पत्र यानी मैग्नाकार्टा की प्राप्ति हुई थी। 12वीं और 13वीं सदी का समय सामंती प्रथा व क्रूरता से भरा समय था जहां मनुष्य एक साधन मात्र था। और उसी समय जब सदियों से भरी जनता को ललकारते हुए परिवर्तन का महत्व तथा सपना मनुष्य के दिमाग में पैदा हुआ,परिवर्तन की इस घड़ी ने एक अवसर को जन्म दिया था और उसी अवसर का उपयोग करते हुए मानव को नागरिक अधिकार पत्र प्रदान किया था। अब मनुष्य स्वयं का कर्ताधर्ता था और उसी नागरिक अधिकार पत्र में किए उल्लेख का परिणाम है कि आज हर समाज को सभ्यता का प्रमाण उसी अधिकार पत्र के आधार पर दिया जाता है। बीसवीं सदी ने जड़ता पर चोट की, मशीनों के शोर, हथियारों की होड़ के बीच कैलिफोर्निया क्रांति ने विश्व को सूचना प्रौद्योगिकी का उपहार दिया था।

इस बड़े परिवर्तन ने संपूर्ण मानव समाज को एक बड़ा अवसर प्रदान किया पूरी कार्यप्रणाली को सरल बनाने और संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था को पारदर्शी बनाने का उपहार भी दिया था।

काश! शहरों से पहले दिल्ली स्मार्ट हो पाती

ऋतुपर्ण दवे

देशवासियों ने एक सपना देखा था, बल्कि कहें कि दिखाया गया था। एक स्मार्ट सिटी होगी उसमें सब कुछ स्मार्ट होगा। बहुत बड़ी कार्य योजना प्रस्तुत की गई। वो खाका खींचा गया कि लगने लगा वाकई हम दुनिया में वो मिशाल पेश करेंगे जो सबके लिए नजीर बनेगी। 25 जून 2015 को केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय की स्मार्ट सिटीज मिशन की पहल की शुरुआत प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। यह 100 शहरों के बुनियादी ढांचों में सुधार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देनी की मुहिम थी। स्मार्ट शहरों पर सूचना एवं डिजिटल टेक्नालॉजी की सार्वजनिक व निजी भागीदारी के जरिए शहरों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से टिकाऊ और समावेशी विकास पर फोकस किया गया। मिशन को ऐसा उदाहरण बनाने का लक्ष्य भी रखा गया कि ऐसी सिटी के अन्दर और बाहर की व्यवस्थाओं का अनुसरण हो ताकि नागरिकों की सबसे अहम जरूरतों एवं जीवन में सुधार करने के लिए बड़े से बड़े अवसरों को सृजित किया जा सके। मिशन के लिए 7,20,0000 करोड़ रुपये की फंडिंग भी की गई। इसमें कृत्रिम बुद्धि के तहत आईसीटी का परिचय, आईटी कनेक्टिविटी, डिजिटलीकरण तो ई-गवर्नेंस के तहत ई-पंचायत, ई-चौपाल इसी तरह बुनियादी ढांचे के तहत अच्छे और साफ पानी की आपूर्ति, सभी के लिए बिजली, उचित स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, शहरी गतिशीलता, पर्याप्त सार्वजनिक परिवहन, आवास जैसी किफायती जीवन स्थितियां और सतत पर्यावरण जैसे जरूरी विषयों को शामिल किया गया। सरसरी तौर पर योजना को देखने के बाद थोड़ी गुदगुदी तो होती है कि बस थोड़ा से इंताजर के बाद मेरा शहर भी सपनों का सुन्दर शहर होगा। लेकिन योजना को लागू हुए 9 बरस हो चुके हैं। सपने और हकीकत का अन्तर भी साफ झलकने लगा है। हाल की बारिश ने जिस तरह से बड़े से बड़े शहरों की पोल खोलकर रख दी है उससे तो यही लगता है कि इन्फ्रा स्ट्रक्चर के मामले में हमारी बुनियाद ही बहुत कमजोर है। केवल दिल्ली को ही एक आदर्श के रूप में रखें तो भी डर लगता है। राष्ट्रीय राजधानी का जो मंजर बीते सप्ताह बल्कि पखवाड़े में दिखा तो उसने हर किसी को डरा कर रख दिया। 41 वर्षों में महज 24 घण्टों में ही 200 मिलीमीटर बारिश का नया रिकॉर्ड तो बना लेकिन अव्यवस्थाओं की इतनी सारी पोल खुली जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। राष्ट्रीय राजधानी के मुख्य स्थानों इण्डिया गेट के आसपास की सड़कों के मंजर से रूह कांप गई। जगह-जगह जलभारव की वो स्थिति बनी कि न जाने कितने लोग इससे जूझे और कितने घायल हुए इसका सही आंकड़ा तक नहीं है।बड़ी-बड़ी घटनाओं की तस्वीरों ने ही इतना कुछ दिखा दिया कि छोटी-मोटी पर भला कौन ध्यान देगा। कमोवेश यही स्थिति दिल्ली से सटे दूसरे महानगरों गाजियाबाद, नोएडा, गुड़गांव,फरीदाबाद की भी रही। दूसरे छोटे-मोटे शहरों खासकर पहाड़ी इलाकों के हालात तो बेकाबू और बेहद दर्दनाक दिखे। यदि दिल्ली की बात करें तो मानसून से पहले करोड़ों रुपये खर्च कर नालों की सफाई पर 10 करोड़ रुपए खर्च हुए। जलभराव से बचाने के खासे इंतजाम के दावे हुए जो 9-10 जुलाई की ही बारिश में धराशायी हो गए। हालात बद से बदतर हो गए। जब पूरे देश में स्मार्ट सिटी को लेकर दावों-प्रतिदावों का दौर चल रहा हो ऐसे में यदि देश की राजधानी में ही संसाधनों की जबरदस्त कमीं दिखे और जिम्मेदार राजनीतिक बयान दें तो फिर दूसरों को उदाहरण बनाना बेमानी सा लगता है। विचारणनीय यह भी है कि अकेले दिल्ली नगर निगम में 20159 नाले रिकॉर्ड में हैं। इनमें 721 ऐसे नाले भी हैं जिनकी गहराई 4 फीट तक है। बड़े नालों की सफाई ठेके पर होती है जबकि बांकी की खुद निगम करवाता है। हालिया सफाई में सात हजार मीट्रिक टन भी गाद हटाई गई उसके बावजूद पहली ही बारिश में नालों के उफान और दिख रही गाद आसानी से देखी जा सकती है। दिल्ली की अव्यवस्था को लेकर सरकार में बैठे नुमाइंदे और नौकरशाह जो भी दावें करें वो अलग है लेकिन हकीकत भरी दिल्ली में रहने वाले या आने-जाने वाले पूरे साल देखते हैं। हाल ही में भारी बारिश के बाद दिल्ली का दिल इंडिया गेट के पास धंसी सड़क और थमते यातायात को भी देखा। पुरानी दिल्ली-गुरुग्राम रोड पर महज एक बस के खराब हो जाने से समलखा से कापसहेड़ा मे हुए ट्रैफिक जाम और दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की इस रास्ते से नहीं जाने की हिदायत उदाहरण हैं। सवाल यह है कि ऐसा कब तक चलेगा? चिन्ता इसलिए भी है कि जहां वर्ष 2011 की जनगणना में दिल्ली की आबादी 1916,787,941 थी जो अब अनुमानतः 19,301,096 पार कर चुकी होगी ऐसे में मौजूदा व्यवस्थाएं और संसाधन कितने पर्याप्त हैं? निश्चित रूप से दिल्ली के मास्टर प्लान को लेकर भी लोगों के दिमाग में सवालों की बौछारें होंगी, लेकिन जवाब कौन देगा? देश की राजधानी दिल्ली का नाम लेते ही मस्तिष्क में एक स्मार्ट तस्वीर बनती है लेकिन जिस वास्तविकता से लोग रू-ब-रू होते हैं तो अलग ही सच्चाई मुंह कड़वा कर देती है। ऐसे में स्मार्ट सिटी योजना को लेकर देखा गया सपना कितना साकार होता है इस पर लोगों के मन में तरह-तरह के विचार स्वाभाविक हैं। 100 स्मार्ट शहरों की सूची देखें जिनमें पोर्टब्लेयर, विशाखापत्तनम, तिरुपति, काकीनाडा, अमरावती, पासीघाट, गुवाहाटी, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, बिहारशरीफ, पटना, चंडीगढ़, रायपुर, बिलासपुर, नया रायपुर, दीव दादरा और नगर हवेली, सिल्वासा, नई दिल्ली नगर परिषद,पणजी, गांधीनगर, अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा,राजकोट, दाहोद, करनाल, फरीदाबाद, धर्मशाला, शिमला, श्रीनगर, जम्मू, रांची, मंगलुरु, बेलगावी, शिवमोगा, हुबली धारवाड़, तुमकुरु, दावणगेरे, बेंगलुरु, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, कवरत्ती, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, सतना, उज्जैन,नासिक, थाइन, ग्रेटर मुंबई, अमरावती, सोलापुर, नागपुर, कल्याण-डोम्बीवली, औरंगाबाद, पुणे, पिंपरी चिंचवाड़, इंफाल, शिलांग, आइजोल, कोहिमा, भुवनेश्वर, राउरकेला, औल्गरेट, लुधियाना, जालंधर,अमृतसर, जयपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर, नामचि, गंगटोक, तिरुचिरापल्ली, तिरुनेलवेली, डिंडीगुल, तंजावुरी, तिरुपूर, सलेम, वेल्लोर, कोयंबटूर, मदुरै, खत्म, तूतुकुड़ी, चेन्नई, ग्रेटर हैदराबाद, ग्रेटर वारंगल, करीमनगर, अगरतला,मुरादाबाद, अलीगढ़, सहारनपुर, बरेली, झांसी, कानपुर, प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गाज़ियाबाद, आगरा, रामपुर, देहरादून शामिल हैं। निश्चित रूप से कइयों ने आधे से ज्यादा शहर बल्कि कहें कि भावी स्मार्ट शहर को हाल-फिलाहाल में जरूर देखा होगा ये कितने स्मार्ट हुए इसका आंकलन उन्हीं पर ही छोड़ना बेहतर होगा। खास मिशन के तहत बनाए जा रहे ऐसे स्मार्ट शहर देश के दूसरे शहरों को किस तरह स्मार्ट बना पाएंगे यह सवाल बेहद गंभीर है। लगता नहीं कि विकास की गंगा बहाने के नाम पर सरकार के द्वारा खोली गई तिजोरी का जैसा सदुपयोग हो रहा है उससे शहरों के कायाकल्प की योजना कैसे फलीभूत हो पाएगी? उससे भी ज्यादा कुछ दिन पहले आई संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनीसेफ और विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट वो कहानी कह रही है जिस पर देश में जल्द ही नई बहस शुरू होना तय है साल 2022 में ग्रामीण भारत में 17 प्रतिशत यानी करोड़ों लोग अभी भी खुले में शौच करते थे।

शहरों में आने वाली बाढ़ , सरकारों की विफलता या लापरवाही !

अशोक भाटिया

भारी बारिश का कहर अभी उत्तर भारत के राज्यों पर जारी है। हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के अलावा दिल्ली में बाढ़ का प्रकोप है। दिल्ली में हालांकि यमुना का पानी उतर रहा है लेकिन अब भी ये खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इस बीच, बाढ़ और बारिश से होने वाले अन्य हादसों में मौतों का आंकड़ा डराने वाला है। अब तक के आंकड़ों के मुताबिक यूपी, पंजाब, हिमाचल और हरियाणा में बारिश और बाढ़ के कारण 89 लोगों की मौत हुई है। इनमें से पंजाब में 29 और हरियाणा में 26 मौतें हैं यानी इन दोनों राज्यों को मिलाकर अब तक कुल 55 लोगों की जान गई है। यूपी में 10 लोगों ने जान गंवाई है। बाढ़ के कहर के कारण पंजाब में 25000 से ज्यादा लोगों और हरियाणा में 5000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित इलाकों में ले जाना पड़ा है। पंजाब में घग्गर नदी ने संगरूर जिले के 20 गांवों को जलमग्न किया है। लाखों हेक्टेयर खेतों में फसल चौपट हो गई है। बाढ़ का पानी कल से कम होने के आसार बताए जा रहे हैं, लेकिन अगर तेज बारिश का दौर फिर शुरू हुआ, तो बाढ़ के फिर विकराल रूप लेने की बड़ी आशंका है। बारिश और बाढ़ की वजह से जगह-जगह जलभराव हुआ और इस वजह से आम लोगों में तमाम तरह की बीमारियां फैलने का भी अंदेशा है। हिमाचल प्रदेश की बात करें तो यहां पिछले दिनों आई भीषण बाढ़ के बाद 24 लोगों के शव मिले हैं। हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के मुताबिक जिन लोगों के घर पूरी तरह बाढ़ से नष्ट हुए, उनको प्रति परिवार 145000 और कम क्षतिग्रस्त घरों के लिए 1 लाख रुपए दिए गए हैं। सीएम सुक्खू के मुताबिक हिमाचल में बाढ़ से 5000 करोड़ के बराबर संपत्ति का नुकसान हुआ है। बता दें कि हिमाचल में ब्यास नदी के उफनाने से 700 से ज्यादा सड़कें और तमाम पुल बह गए हैं। इनको फिर से बनाने के लिए काफी धन खर्च होगा। उधर, पहाड़ी इलाके वाले राज्य उत्तराखंड में जबरदस्त बारिश का अलर्ट मौसम विभाग ने दिया है। शासन की तरफ से सभी जिलों को इस वजह से अतिरिक्त सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है। देखा जाय तो इस किस्म की तीव्र मौसम-जनित घटनाएं आजकल बहुत बार हो रही हैं। मसलन सुनीता नारायण जो सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट थिंक टैंक की प्रमुख हैं ,कहती हैं कि जनवरी 2022 से सितम्बर 2022 में औसतन हर दिन किसी न किसी प्रकार का अति -तीव्रता का वैदर इवेंट हुआ है ,चाहे वो हीट वेव हो या अत्यधिक बारिश या शीत लहर पर सोचने वाली बात यह है कि क्या यह सिर्फ बिना चेतावनी की आयी आपदा है या सालों की नज़रअंदाज़ी और तमाम अन्य कारणों से हुआ है। इस सन्दर्भ में हम विशेषतः चक्रवाती बारिशों का विकराल रूप हो बैंगलोर ,दिल्ली , हैदराबाद जैसी शहरी बाढ़ें हों , राजस्थान और गुजरात में आयी बाढ़ें (जहां बारिश का आम तौर पर कमी की समस्या होती है)और जलभराव हों , उत्तर पूर्व के आसाम और अन्य राज्यों में में हर वर्ष आने वाली बाढ़ें हों सभी में कोई न कोई असामान्यता तो है। वैसे आम तौर पर उत्तर भारत खासकर उत्तर पश्चिमी भारत अपने बहुत ही कम वर्षा के लिए जाना जाता है। दिल्ली,पंजाब,हरियाणा में बारिश के साधारण अनुपात से कहीं अधिक बारिश जब एक या दो दिन में हो जाती है तो वह इस किस्म की स्थिति को उत्पन्न करती है ,ऐसा कहा जा रहा है। हिमाचल में कुछ दिनों पहले आपने वह रौद्र होती ब्यास नदी के आगोश में बहते चमचमाती गाड़ियों और पूरे के पूरे घरों का वायरल वीडियो देखा होगा। टूरिस्टों का फंसना, उत्तराखंड ,हिमाचल में लैंड स्लाइड्स , सड़कों का दरकना, पुलों का भरभराकर बह जाना, गले गले पानी में मवेशियों के दृश्य, वह रौद्रता अब हिमाचल, दिल्ली सहित अन्य उत्तरी राज्यों में भी पसर चुकी है। इसी तरह पंजाब के मोहाली में एक पॉश रेजिडेंशियल सोसाइटी के लोगों का वीडियो भी देखा जा सकता है जहाँ लक्ज़री गाड़ियां पार्किंग में इतनी डूब चुकी हैं कि दिखाई भी मुश्किल से पड़ रही हैं। गुरुग्राम, नोयडा तो खैर हर बारिश में ही इतने डूबे रहते हैं जबकि ये उत्तरप्रदेश ,हरियाणा और दिल्ली के अर्थ केंद्रों में से एक हैं।

दिल्ली में तो यमुना का स्तर पैंतालीस सालों के बाद इतना भयावह हुआ है। निचले हिस्से तो जलमग्न हैं ही , पॉश सिविल लाइन्स जैसे क्षेत्र भी प्रभावित हैं। पानी के ट्रीटमेंट प्लांट्स में पानी घुसने से पानी की आपूर्ति पर असर पड़ा है। लाल किला हो या नयी दिल्ली हो ,यमुना पार के हाल तो बेहाल हैं ही। हजारों परिवार बेघर हुए हैं। खासकर समाज के हाशिये पर रहने वाले लोग जो निचले हिस्से में रहते हैं। सड़कों के साथ रेलवे ट्रैक्स में पानी भर गया है। लोग बमुश्किल जैसे तैसे खुले आसमान में (जहां बारिश थमी नहीं है) बसर कर रहे हैं। बिजली की आपूर्ति ऐसे में ठप हो गयी है। देश में जहाँ सब्ज़ियों के दाम वैसे ही आसमान छू रहे हैं वहाँ , मूलभूत ज़रूरतों की वस्तुओं की आपूर्ति ऐसे में और मुश्किल हो जाती है। इस गंदे पानी में तैरना तक पड़ रहा है। नावों की पहुँच अब हर किसी के पास तो नहीं होगी न ! ऐसे में कीड़े और जहरीले जीवों खतरा कितना होगा सोचिये ज़रा। दवाइयों, खाने पीने से लेकर तबाह हुई गृहस्थी की मानसिक पीड़ा। यह सब फिर से जोड़ने में वक्त लगेगा पर सवाल यह कि आखिर यह कोविड की तरह आयी ऐतिहासिक आपदा तो थी नहीं। तो सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप या कुदरत के कहर को दोष देना काफी होगा ? सिर्फ यमुना ही नहीं, बाढ़ गंगा, घग्घर, कोसी, ब्यास, ब्रह्मपुत्र के किनारे के सभी राज्यों में अलग-अलग रूप में बनी हुई है पर सवाल यहां अगर सरकारों की विफलता का है तो सूची बहुत लम्बी है। यह राजनीतिक दलों से परे भी है कि क्योंकि यह शहरी योजना की विफलता सालों की परिणति है। उदाहरण के तौर पर हमारे लगभग सभी शहरों की जल निकासी व्यवस्था अक्सर थोड़ी सी बारिश में ही गड़बड़ा जाती है। हम वैज्ञानिक ह्यड्रोजोलॉजिकल सिस्टम्स को ताक पर रखकर पर रखकर विकास कर रहे हैं। क्लाइमेट चेंज और मज़बूत ढाँचे पर भारत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अगुवाई कर रहा है पर घरेलू स्तर पर एनवायरनमेंट इम्पैक्ट अस्सेस्मेंट (EIA) सिर्फ एक औपचारिक प्रक्रिया रह जाती है। इसमें आप किसी भी प्रोजेक्ट को पर्यावरण पर पड़ने वाले असर के पैमानों पर कसते हैं। मसलन चारधाम मार्ग निर्माण को रोकते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इसके कुछ हिस्से बेहद ही खतरनाक परिणाम दे सकते हैं पर 2013 की उत्तराखंड आपदा और इस कोर्ट के आदेश के बावजूद केंद्र और राज्य सरकार विकास के इस रूप के लिए कटिबद्ध रही। उत्तराखंड को इस बार की बाढ़ों में 4000 करोड़ के इंफ्रास्ट्रक्चर की हानि हुई है। जोशीमठ का डूबना तो सर्वविदित है ही। शहरी जनसंख्या के अनियोजित विस्तार के कारण भी यह समस्या अधिक गंभीर हो जाती है। नदियों के मैदानों में बड़े बड़े प्रोजेक्ट्स खड़े हो या फिर ज़मीन के कारण उन हिस्सों में झुग्गियां बनाने वाले प्रवासी और अन्य कमजोर वर्ग, ये सभी मजबूरी या लालच के कारण नदी को उत्खनित करते हैं ,उसे उसकी प्राकृतिक जगह नहीं देते हैं। तो वहीं कचरा प्रबंधन की भयानक विफलता भी इस समस्या का एक कारण है। बेंगलुरु की एक झील के किनारे कुछ समय पहले आपने कचरे के विशाल ढेर देखे होंगे और सूखी झीलों में लगती आग भी। यमुना के सफ़ेद केमिकल वाले झाग युक्त पानी का रूप भी इससे जुड़ा है। शहर का सारा मलवा, कचरा आदि सब नालों ,नदियों और झीलों -नहरों आदि में ही अंततः पहुँचता है।

सवाल पूछने वाला गरीब

सुरेश कुमार मिश्रा

सरकार ने घोषणा करवाई कि फलां दिन से लोग किसी भी दूसरे आदमी पर एक गोली चला सकेंगे । देश के शुद्धिकरण के लिये पूरे बारह घंटे की छूट रहेगी । उत्साह और उत्सवपूर्वक यह पवित्र कार्य कीजिये । छूट का समय समाप्त होने के बाद लाशें जांची गईं । ज्यादातर को एक या दो गोलियां लगीं थीं । इनमें डॉक्टर, इंजीनियर, ठेकेदार आदि थे। कुछ ये जिन पर चार-पांच गोलयों के निशान मिले। वे राजनेता थे । एक लाश ऐसी मिली जिस पर अनगिनत गोलियों के निशान थे । जो अपने ही खून से भीग कर लाल हो गई थी और लोगों को एकदम पापी लाश की तरह दिखाई दे रही थी ।

सरकार ने पूछा '' ये किसकी लाश है !?..... कौन था ये पापी ?! ''गृहमंत्री साफसफाकर पुरोहित ने फुसफुसा कर बताया - '' हुजूर ये देश के ऐसे गरीब की लाश है, जो सबसे ज्यादा सवाल पूछता था।'' सुनते ही सरकार के आलाकमान क्रोध से तमतमा गए । फौरन उन्होंने अपनी पिस्तौल निकाली और लाश पर अनगिनत गोलियां दाग दीं। चारों ओर सन्नाटा सा छा गया । सवाल पूछने वाले गरीब की लाश कुछ ताजे लाल छींटों से और खिल उठी । कुछ देर की खामोशी के बाद एक रवीश कुमार टाइप के पत्रकार ने कहा - माननीय ये न्याय नहीं है, शुद्धिकरण छूट का समय समाप्त हो जाने के बाद आपको इस पर गोली नहीं चलानी चाहिए थी । माननीय मुस्कराते हुए बोले - '' किसी भी तरह की छूट या समय सीमा पागलों के लिए होती है। सरकार को सिर्फ मौके से मतलब होता है। ''

लोगों ने देखा कि दो-चार गोली पत्रकार को चीरती हुई निकल गई है।

क्रेडिट स्कोर से जूझते रिटेल लोन उपभोक्ता

पंकज गांधी

इस बार पीएसबी के प्रमुखों के साथ हाल ही में एक बैठक में, वित्त मंत्री ने उनसे मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रथाओं और साइबर सुरक्षा जोखिमों को कम करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया था । वित्त मंत्री ने बैठक में खराब ऋणों की निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पहचान सुनिश्चित करने और मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रथाओं पर जोर दिया ताकि विकास और लाभप्रदता की गति बरकरार रहे।

खराब ऋणों की निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पहचान की प्रक्रिया में आइये यहां पर मैं रिटेल लोन जैसे की होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन में आ रही क्रेडिट स्कोर की व्यावहारिक परेशानियों का विश्लेषण करता हूं जिससे आजकल अक्सर लोन लेने वाले दो चार हो रहें हैं। पहला आप कहीं भी लोन लेने जाइये सिबिल स्कोर सबसे पहला आधार होता है। यह ऐसा स्कोर होता है जो एक बार ख़राब हुआ तो रिटेल लोन मिलना मुश्किल हो जाता है। अगर आपने पूर्व में वित्तीय परेशानियों के कारण अपने किसी लोन का पुनर्गठन करा लिया है, या सेटेलमेंट करा लिया तो यह रिकॉर्ड आपका पीछा नहीं छोड़ेगा और जब भी आप लोन लेने जायेंगे तो आपको परेशान करता रहेगा। शुरुवाती समय में बहुत से लोग क्रेडिट कार्ड का ठीक से प्रयोग करना नहीं जानते थे। जब कार्ड पर हाई ब्याज और पेनाल्टी जुड़ने लगा तब जाकर लोगों ने बिल पे करना शुरू किया। उस समय जिन्होंने क्रेडिट कार्ड कंपनियों के साथ सेटलमेंट किया वो आज परेशान हैं। यहां सेटलमेंट का ऑफर भी क्रेडिट कार्ड कंपनियां लेकर आईं थीं, उच्च ब्याज और पेनाल्टी भी उन्होंने ही लगाया, और सेटलमेंट में फायदा भी ज्यादा उन्हीं का हुआ, क्यूंकि लोन बुक भी उन्हीं का ठीक हुआ। लेकिन इस एक्शन से उस युवा का वित्तीय रिकॉर्ड आगे के लिए ख़राब हो गया। और आज जब वह बैंक लोन लेने जाता है उसे अक्सर लौटा दिया जाता है या इसको लेकर उसे अक्सर अनचाहे सवालों का सामना करना पड़ता है। यह सेटलमेंट उसके सामने कई बार एक रुकावट के रूप में सामने आती है। मेरा मानना है कि यहां एक नियमन आना चाहिए की ऐसे रिकॉर्ड किस अवधि तक सिबिल में दिखेंगे। दूसरा, कोरोना में सरकार मोरेटोरियम लेकर आई थी और बैंकों ने आगे आकर मोरेटोरियम दिया, कुछ ने आगे आकर ऋण का पुनर्गठन भी किया। इसमें उस व्यक्ति का कम बैंकों और एनबीएफसी का ज्यादा फायदा था। यह तो रीटेल लोन था देर सबेर वह किश्त देता ही थोड़ा पेनल इंटेरस्ट के साथ देता। लेकिन इसमें बैंकों और एनबीएफसी ने फायदा कमाया, ब्याज कोई माफ़ नहीं हुआ, उससे लोन की राशि बढ़ा दिया और यह भी रिकॉर्ड में आ गया। एनबीएफसी ने अपने बुक को सही करने के लिए सामने से बुलाकर ऋण का पुनर्गठन कर दिया, अब आम आदमी परेशान है। सिबिल के रिकॉर्ड में पुनर्गठन दिख रहा है। लोगों को यह बात अब लोन लेते वक़्त बैंक को समझाने में पसीना निकल जा रहा है। तीसरी परिस्थिति की बात करते हैं वह है रियल एस्टेट का सबवेन्शन स्कीम। यहां बिल्डर को फाइनेंस की उपलब्धता खरीददार की कीमत पर मिल जाती है। बड़े पैमाने पर ₹नो ईएमआई टिल पजेशन₹ का सार्वजनिक प्रचार कर बिल्डर द्वारा बैंक से बिल्डर के गठबंधन की बात बताई जाती है। खरीददार बैंक के नाम पर भरोसा और इस वादे पर आ जाता है चलो १० फीसदी अभी दे देते हैं बाकी कब्ज़ा मिलने पर देना है। उसने इतने जोर शोर से ₹नो ईएमआई टिल पजेशन₹ का प्रचार सुना होता है की सैकड़ों पन्ने के लगभग प्रीप्रिंटेड ऋण अनुबंध पर आंख मूंद भरोसा कर लेता है। वह किसी भी क्लाज को बदलने और बहस करने की हैसियत में नहीं रहता है । इसमें कब्ज़ा देने तक ब्याज या किश्त की जिम्मेदारी बिल्डर पर रहती है जिसे वह बिल्डर फ्लैट का दाम बढ़ाकर ले लेता है। इसमें खरीददारों को घर की कीमत औरों से ज्यादा दर पर मिलती है। खरीददार को लगता है की यह उसके लिए प्लान है जबकि यह खरीददार के क्रेडिट स्कोर की जोखिम पर बिल्डर के लिए फाइनेंशियल प्लान होता है। यदि बिल्डर फेल हुआ तो खरीददार को चौतरफा मार पड़ती है। एक घटना ग्रेटर नॉएडा में हुई यहां एक बिल्डर ने अख़बारों में नो ईएमआई टिल पजेशन का विज्ञापन देकर सबवेंशन स्कीम में साधारण दर से अधिक दर पर फ्लैट बेचे। लोग भरोसे में आ गये । बिल्डर जब फेल हो गया और लोगों की गाढ़ी कमाई डूबने लगी तो कोर्ट ने मोर्चा संभाला और लोगों को घर मिलना शुरू हुआ।

लेकिन समस्या यहीं खत्म नहीं हुई, बैंक लगातार पीछे पड़ी रही, DRT तक गई, लीगल नोटिस भेजती रही। बाद में कोर्ट ने कुछ निश्चित राहत दी और कहा की ऐसे खरीददारों का क्रेडिट स्कोर ठीक किया जाय, उनसे प्रिंसिपल पर केवल ब्याज लिए जाए सारे पेनल चीजें माफ़ किये जाएं। लेकिन जो जानकारी है उसके मुताबिक इस दिशा में बैंकों की तरफ से वैसा प्रयास नहीं दिख रहा है।

1500 वर्ष पुराण त्रिशूल

जिसमें मिलते हैं तिब्बती भाषा में शिलालेख

विश्वनाथ का प्राचीन मंदिर उत्तरकाशी (बाड़ाहाट) में भागीरथी के तट पर स्थित है। इसी कारण से इस स्थान को उत्तर की काशी के नाम से जाना जाता है। स्कंद पुराण में इसके अस्तित्व का उल्लेख है। स्कन्द पुराण में वर्णन है कि 'यदा पापस्य बाहुल्यं
यवनाक्रान्तभुतलम।
भविष्यति तदा विप्रा निवासं हिमवद्गिरो ।।काश्या सह करिष्यामि सर्वतीर्थः समन्वितः। अनदिसिद्धं मे स्थानं वत्तते सर्वदेय हि।।
अर्थ- जब पापों की अधिकता होगी और पृथ्वी यौवन से भर जायेगी, तब मेरा निवास हिमालय पर्वत पर होगा। शाश्वत हिमालय सदैव मेरा निवास स्थान रहा है। कलयुग के समय में मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि वह उत्तर में काशी सहित सभी पवित्र स्थानों का दौरा करें। स्कंदपुराण के केदारखंड खंड में भगवान आशुतोष ने उत्तरकाशी को कलियुग की काशी कहा है। उन्होंने यह भी कहा है कि वे अपने परिवार, सभी तीर्थ स्थानों और काशी सहित कलियुग के दौरान उसी स्थान पर निवास करेंगे। यहीं पर बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक अलौकिक स्वयंभू लिंग स्थित है। दूसरे शब्दों में कहें तो वह उत्तरकाशी में निवास करेंगे। उत्तरकाशी में भगवान विश्वनाथ अनंत काल से समाधि में लीन हैं और मंदिर में विराजमान हैं। दूसरी ओर, भगवान आशुतोष सदियों से यहां विद्यमान हैं और अपने आशीर्वाद से संसार के सभी प्राणियों का कल्याण कर रहे हैं।

मंदिर की स्थापना परशुराम ने की थी
माना जाता है कि विश्वनाथ मंदिर की स्थापना परशुराम ने की थी, जिसमें 56 सेमी ऊंचा पत्थर का शिवलिंग है जो दक्षिण की ओर झुका हुआ है। सबसे भीतरी कक्ष में भगवान गजानन और माता पार्वती, शिवलिंग के सामने स्थित हैं। नंदी बाहरी गृह में विराजमान हैं। वर्ष 1857 में वर्तमान मंदिर का जीर्णोद्धार सुदर्शन शाह ने करवाया था, जो उस समय राजा थे और टेहरी गढ़वाल की रानी खनेती देवी की पत्नी थीं। मंदिर का निर्माण कत्यूरी शैली में किया गया है और इसे पाषाण के आधार पर बनाया गया है। मंदिर के निर्माण में पत्थर का उपयोग किया गया है।

परिसर में 1500 साल पुराना त्रिशूल है
विश्वनाथ मंदिर परिसर में कई अन्य मंदिर भी स्थित हैं। शक्ति मंदिर, जो विश्वनाथ मंदिर के सामने स्थित है, उनमें से सबसे महत्वपूर्ण है। इस मंदिर में देवी को एक विशाल त्रिशूल के रूप में दर्शाया गया है। यह त्रिशूल 16.5 फीट ऊंचा है और लगभग 1500 वर्ष पुराना माना जाता है।यह त्रिशूल उत्तराखंड के सबसे पुराने धार्मिक प्रतीकों में से एक है और इसमें तिब्बती भाषा में शिलालेख हैं। यह भारत और तिब्बत के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रतिनिधित्व करता है। इसके अतिरिक्त त्रिशूल पर नाग वंश की वंशावली भी उत्कीर्ण है।

टुकड़े हो जाने के बाद फिर हो जाती है ठीक

इस शिवलिंग पर 12 साल में एक बार गिरती है बिजली

.भारत के हिमाचल प्रदेश में कुल्लू घाटी के आश्चर्यजनक परिदृश्यों के बीच स्थित, बिजली महादेव मंदिर एक दिव्य आश्चर्य का स्थान है। यह प्राचीन मंदिर एक अनोखी घटना के लिए जाना जाता है जो 12 साल में एक बार घटित होती है जब बिजली शिवलिंग पर गिरती है, जिससे वह टुकड़े-टुकड़े हो जाता है। आपको बताएंगे बिजली महादेव मंदिर की दिलचस्प कहानी...

बिजली महादेव मंदिर की कहानी:-
ऐसा माना जाता है कि मंदिर का निर्माण कुलंत नामक राक्षस को मारने के पश्चात हुआ था। कहते हैं कि दानव कुलंत ब्यास नदी के प्रवाह को रोककर घाटी को जलमग्न करना चाहता था। अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उन्होंने एक अजगर का रूप धारण किया। वह जमीन पर मौजूद हर जीवन रूप को पानी के नीचे डुबो कर मारना चाहता था। ऐसे में महादेव को उनके उपक्रम के बारे में पता चल गया जिसके बाद वे राक्षस का अंत करने के लिए आए। महादेव ने राक्षस को पीछे मुड़कर देखने के लिए कहा और फिर जैसे ही उसने मुड़कर देखा तो उसकी पूंछ में आग लग गई। कहा जाता है कि जिस पर्वत पर बिजली महादेव मंदिर स्थित है, वह मृत दानव के शरीर से बना था। उनकी मृत्यु के बाद, उनका शरीर आस-पास की भूमि को ढक गया तथा एक पहाड़ के आकार में बदल गया।

बिजली का गिरना और शिवलिंग की पुनर्स्थापना:-
12 में एक बार मानसून के मौसम में बिजली महादेव मंदिर पर बिजली गिरती है। इस प्राकृतिक घटना के कारण शिवलिंग टुकड़ों में टूट जाता है। माना जाता है कि मंदिर के पुजारी हर टुकड़े को इकट्ठा करते हैं और फिर नमक मक्खन और सत्तू के साथ शिवलिंग को वापस एक साथ रखते हैं। ऐसा करने पर शिवलिंग पहले जैसा ही लगने लगता है। पुजारी कुछ अनुष्ठान और प्रार्थनाएँ करते हैं, जिसके बाद एक चमत्कारी घटना घटित होती है - बिजली गिरने से भी बिना किसी क्षति के, शिवलिंग अपने मूल रूप में बहाल हो जाता है।

आध्यात्मिक महत्व और प्रतीकवाद:-
बिजली गिरने और उसके बाद शिवलिंग की पुनर्स्थापना का गहरा आध्यात्मिक महत्व है। यह दिव्य ऊर्जा की शाश्वत प्रकृति और सृष्टि की चक्रीय प्रकृति का प्रतीक है। बिजली, प्रकृति की विनाशकारी शक्तियों का प्रतिनिधित्व करती है, भगवान शिव की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रदर्शित करती है। शिवलिंग की पुनर्स्थापना नवीकरण, लचीलेपन और आध्यात्मिक पुनर्जन्म की अनंत संभावनाओं का प्रतीक है।

भक्ति अभ्यास और अनुष्ठान:-
इस विस्मयकारी घटना को देखने और भगवान शिव का आशीर्वाद लेने के लिए भक्त बिजली महादेव मंदिर जाते हैं। मंदिर आध्यात्मिक उत्साह का केंद्र बन जाता है, जहां भक्त दैवीय उपस्थिति का सम्मान करने के लिए प्रार्थना, मंत्रोच्चार और अनुष्ठानों में संलग्न होते हैं। श्रद्धालु वार्षिक बिजली गिरने और उसके बाद शिवलिंग की बहाली को देखने के लिए इकट्ठा होते हैं, जिससे उनकी आस्था और भक्ति की पुष्टि होती है।

परंपरा का संरक्षण:-
मंदिर अधिकारी और स्थानीय समुदाय बिजली महादेव मंदिर की पवित्रता और परंपराओं को संरक्षित करने के लिए समर्पित प्रयास करते हैं। बिजली गिरने और शिवलिंग की पुनर्स्थापना से जुड़े अनुष्ठान और समारोह प्राचीन रीति-रिवाजों और आध्यात्मिक प्रथाओं को जीवित रखते हुए सावधानीपूर्वक किए जाते हैं। यह प्रतिबद्धता सुनिश्चित करती है कि दिव्य संबंध और चमत्कारी घटना आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहे।

तीर्थयात्रा और प्राकृतिक सौंदर्य:-
अपने धार्मिक महत्व के अलावा, बिजली महादेव मंदिर आसपास की प्राकृतिक सुंदरता के मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करता है। एक पहाड़ी के ऊपर स्थित, यह सुरम्य कुल्लू घाटी का मनोरम दृश्य प्रदान करता है। भक्त और आगंतुक न केवल आध्यात्मिक वातावरण से मंत्रमुग्ध होते हैं, बल्कि मंदिर के चारों ओर के विस्मयकारी परिदृश्यों से भी मंत्रमुग्ध हो जाते हैं, जो समग्र तीर्थयात्रा के अनुभव को बढ़ाते हैं।
बिजली महादेव मंदिर प्रकृति के चमत्कारों और आध्यात्मिकता का प्रमाण है। वार्षिक बिजली गिरना और शिवलिंग की पुनर्स्थापना शक्तिशाली रूपकों के रूप में काम करती है, जो हमें दिव्य ऊर्जा की परिवर्तनकारी शक्ति की याद दिलाती है। जैसे ही भक्त इस असाधारण घटना को देखने के लिए इकट्ठा होते हैं, वे विस्मय और श्रद्धा से भर जाते हैं, अपने विश्वास की पुष्टि करते हैं और परमात्मा के शाश्वत रहस्यों को अपनाते हैं।

कितने वर्ष जीवित थे श्री कृष्ण कैसे हुई थी मृत्यु

कितने वर्ष जीवित थे श्री कृष्ण, जानिए कैसे हुई थी मृत्यु
भगवान कृष्ण, जिन्हें विष्णु के 8वें अवतार के रूप में पूजन किया जाता है, माखन चोर के रूप में या महाभारत में अर्जुन के सारथी के रूप में स्मरण किया जाता है, जहां श्री कृष्ण ने एक युद्ध के दौरान गीता का ज्ञान दिया था। हालाँकि, श्री कृष्ण के बारे में कुछ ऐसे पहलू हैं जो संभवतः अधिकांश लोगों के लिए अज्ञात हैं, जैसे कि उनकी मृत्यु से संबंधित विवरण, उस समय उनकी उम्र और उनके बच्चों की संख्या। आज हम आपको इन सवालों के जवाब देंगे।

कृष्ण की मृत्यु कैसे हुई
जरा नामक बहेलिये के तीर से भगवान श्रीकृष्ण की मृत्यु हुई थी। पीपल के पेड़ के नीचे आराम करते समय, बहेलिये ने गलती से कृष्ण को हिरण के रूप में पहचान लिया, और फिर दूर से उन पर तीर चला दिया, जो अंततः उनके पैरों पर लगा, जिससे श्री कृष्ण की मृत्यु हो गई।

श्री कृष्ण की आयु कितनी थी
ऐसा माना जाता है कि भगवान कृष्ण का जन्म 3112 ईसा पूर्व में हुआ था और वे 125 वर्ष, 8 महीने और 7 दिन तक जीवित रहे थे।

भगवान श्री कृष्ण की कितनी पत्नियाँ थीं
लोकप्रिय मान्यता के अनुसार, कहा जाता है कि भगवान कृष्ण की कुल आठ पत्नियाँ थीं, जिनके नाम रुक्मणी, जाम्बवंती, सत्यभामा, कालिंदी, मित्रबिंदा, सत्या, भद्रा और लक्ष्मण थीं।

भगवान कृष्ण के कितने पुत्र थे
भगवान कृष्ण की आठ पत्नियों में से प्रत्येक से 10 पुत्र थे, जिसके परिणामस्वरूप कुल 80 पुत्र हुए। इन आठों रानियों को अष्ट भार्या के नाम से भी जाना जाता था।

कृष्ण ने राधा से विवाह क्यों नहीं किया
ऐसा माना जाता है कि भगवान कृष्ण ने मनुष्यों को आंतरिक प्रेम की अवधारणा के बारे में सिखाने के लिए देवी राधा से विवाह नहीं करने का निर्णय लिया।

भगवान कृष्ण का रंग कैसा था
वेदों के अनुसार, भगवान कृष्ण को श्याम वर्ण का बताया गया है, और उनका यह चित्रण ओडिशा के पारंपरिक पट्टा चित्र (कपड़ा कला) में सुसंगत है। परिणामस्वरूप, उन्हें काले रंग का भी कहा जाता है।

भगवान कृष्ण को किन नामों से जाना जाता है
श्री कृष्ण को कान्हा, कन्हैया, श्याम, गोपाल, केशव, द्वारकेश या द्वारकाधीश और वासुदेव जैसे विभिन्न नामों से पहचाना जाता है।

महाराष्ट्र में स्थित परली वैजनाथ मंदिर

महाराष्ट्र क्षेत्रफल के अनुसार भारत का तीसरा सबसे बड़ा राज्य है, छत्रपति शिवा जी की कर्म भूमि और मराठों की जन्म भूमि है, इसे भारत का सबसे महत्वपूर्ण राज्य माना जाता है। यहाँ कई मंदिर है जो भारत में प्रसिद्ध है उन्हीं में से एक है परली वैजनाथ मंदिर। बारह ज्योतिर्लिंग में यह पांचवा ज्योतिर्लिंग है आज के इस लेख में हम परली वैजनाथ मंदिर के बारे में जानेंगे अगर आप बीड क्षेत्र में स्थित परली वैजनाथ मंदिर के बारे में जानना चाहते हैं तो इस लेख को अंत तक पढ़ें। महाराष्ट्र में स्थित परली वैजनाथ मंदिर के बारे में जानकारी

परली वैजनाथ मंदिर
भारत का एक और 'ज्योतिर्लिंग' मंदिर, परली वैजनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के प्रसिद्ध बीड क्षेत्र में स्थित है यह मंदिर बारह ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक है। इस मंदिर में पांचवा ज्योतिर्लिंग है। तीर्थयात्री यहां श्रावण महीने के दौरान 'शिवलिंग' के 'दर्शन' प्राप्त करने के लिए आते हैं। पराली वैजनाथ मंदिर के गर्भगृह में दो प्रवेश द्वार हैं: उत्तर और दक्षिण। मंदिर परिसर के भीतर एक बड़ा सागौन की लकड़ी का हॉल और परिक्रमा के लिए एक बड़ा दालान है। दो तालाब, दोनों का धार्मिक महत्व है, मंदिर की भव्यता को बढ़ाते हैं। मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार को "महाद्वार" के रूप में जाना जाता है और यह एक छोटे प्रवेश द्वार से घिरा हुआ है जिसे प्राची या गवाक्ष के नाम से जाना जाता है, जिसका अर्थ है खिड़की। मंदिर तक चौड़ी सीढ़ियों द्वारा पहुँचा जा सकता है। शिव भक्त अहिल्या देवी होल्कर ने मंदिर का जीर्णोद्धार कराया।

परली वैजनाथ मंदिर का इतिहास

परली वैजनाथ मंदिर अपने इतिहास के अनुसार 1700 के दशक में स्थापित किया गया था। इसके बाद मराठा मालवा साम्राज्य की रानी अहिल्याबाई होल्कर ने 1706 इसका पुनर्निर्माण कराया था। माना जाता की यह मंदिर 2000+वर्ष पुराना है। इस मंदिर का संबंध दो प्रसिद्ध किंवदंतियों से है। एक किंवदंती अमृत के बारे में है, जबकि दूसरी राक्षस राजा रावण और शिव को प्राप्त करने की उसकी महत्वाकांक्षा के बारे में है।

किंवदंतियों के अनुसार
अमृत की कथा:- समुद्र मंथन दूध मंथन का सागर था और विष और अमृत सहित 14 रत्नों का उदय हुआ। देवताओं और राक्षसों की दिव्य अमृत या अमृत की तलाश में समुद्र मंथन की प्रक्रिया से चौदह हीरे निकले। धनवंतरी और अमृत प्रतिभागियों में शामिल थे।
भगवान विष्णु ने धन्वंतरी और अमृत दोनों को छीन लिया और उन्हें एक शिव लिंग के अंदर छिपा दिया, जैसे कि राक्षस अमृत पर आक्रमण करने वाले थे। क्रोधित राक्षसों ने लिंग को तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन जब उन्होंने इसे छुआ तो इससे तेज रोशनी निकली। राक्षस चौंक गए, और वे वहा से चले गए। क्योंकि यहीं पर देवों को अमृत मिला, इस बस्ती को वैजयंती के नाम से जाना जाने लगा और मंदिर को परली वैजनाथ के नाम दिया गया।
रावण और शिव लिंग की कथा:- कहा जाता है कि रावण ने तपस्या की थी और शिव तांडव स्तोत्रम को गहरी आवाज में गाया था। भगवान शिव रावण के समर्पण से प्रभावित हुए और उनके इरादों के बारे में पूछा। रावण ने एक अद्वितीय लिंगम का अनुरोध किया। भगवान शिव ने रावण को कठोर आदेश के साथ लंका वापस जाने के लिए एक विशेष लिंगम दिया था कि इसे तब तक जमीन पर नहीं रखा जाएगा जब तक कि इसे अपने अंतिम स्थान पर विसर्जित नहीं कर दिया जाता। रावण की इच्छा भगवान शिव ने पूरी की थी। घर के रास्ते में रावण का सामना एक युवक से हुआ और उसने उसे लिंगम सौंप दिया। हर गुजरते मिनट के साथ, लिंगम इतना भारी हो गया कि बच्चे को ले जाना मुश्किल हो गया, इसलिए उसने उसे जमीन पर रख दिया। इस प्रकार ज्योतिर्लिंग का अंत इस स्थान पर हुआ। कहा जाता है कि शिव ने वैद्यनाथेश्वर की आड़ में यहां रहने के लिए चुना था। परली वैजनाथ मंदिर की यात्रा आप जून से अगस्त के बीच कभी भी कर सकते है लेकिन वहाँ इन गुड़ी पड़वा, विजयादशमी, त्रिपुरी पूर्णिमा और महाशिवरात्रि जैसे कई त्योहार बड़े पैमाने पर मनाए जाते हैं। श्रावण के हिंदू कैलेंडर माह के दौरान शुभ 'शिवलिंग' के 'दर्शन' करना भी शुभ माना जाता है। तो आप उस समय भी जा सकते हैं।

परली वैजनाथ मंदिर खुलने का समय और पूजा का समय हैं:
परली वैजनाथ मंदिर सुबह 5:00am बजे खुलता है और शाम को 9:00pm बजे बंद हो जाता है। इस दौरान मंदिर में कई तरह के अनुष्ठान भी किए जाते हैं। भक्त इन अनुष्ठानों जैसे आरती और पूजा में भाग ले सकते हैं।

शीतकाल में बाबा मद्महेश्वर करते हैं उखीमठ में निवास

अपनी अनूठी संरचना और बाबा केदार की पंचमुखी विग्रह डोली के लिए जाना जाने वाला ओंकारेश्वर मंदिर उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले के उखीमठ में स्थित है। इसके अतिरिक्त, यह बाबा मद्महेश्वर के शीतकालीन निवास के रूप में भी कार्य करता है। रुद्रप्रयाग से लगभग 41 किमी दूर उखीमठ में स्थित यह मंदिर उस समय बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है जब बाबा केदार और मद्महेश्वर के कपाट शीत ऋतु के लिए बंद होते हैं। इस स्थान को पंच गद्दी भी कहा जाता है।
ओंकारेश्वर मंदिर भगवान केदारनाथ और बाबा मद्महेश्वर के शीतकालीन निवास के रूप में कार्य करता है। इसके अतिरिक्त, अपने जीवन के चौथे चरण के दौरान, सूर्यवंशी महाराजा मांधाता ने इस स्थान पर तपस्या की, जहां उन्हें वैराग्य का अनुभव हुआ और उन्होंने अपने सभी शाही

कर्तव्यों को त्यागने का फैसला
किया। इसके बाद वह तीर्थयात्रा पर निकले और अंततः इस पवित्र स्थान पर पहुंचे। हजारों वर्षों तक भगवान शंकर की पूजा करने के बाद, देवता ने उन्हें एक पुण्य फल प्रसाद के रूप में दर्शन दिए, जो उनके प्रणव रूप में 'ओमकार' के नाम से जाना जाता है। परिणामस्वरूप, इस स्थान को

'ओंकारेश्वर' के नाम से जाना जाने लगा।

पौराणिक कथा
पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, बाणासुर की बेटी उषा और भगवान कृष्ण के पोते अनिरुद्ध का विवाह इसी मंदिर में हुआ था। इसके अतिरिक्त, मंदिर से जुड़ी एक और कथा है। भगवान राम के पूर्वज मांधाता सम्राट ने सांसारिक सुखों का त्याग कर यहां एक पैर पर खड़े होकर 12 साल तक तपस्या की थी। अपनी तपस्या पूरी करने पर, भगवान शिव ने ओंकार, ओम की दिव्य ध्वनि के रूप में मांधाता को प्रकट किया और उन्हें अपना आशीर्वाद दिया। इसके बाद से, मंदिर को ओंकारेश्वर मंदिर के नाम से जाना जाने लगा।

शाहिद-कृति की रोमांटिक फिल्म में भी होगा फैमिली ड्रामा

दादा के रोल में नजर आएंगे धर्मेंद्र

'ब्लडी डैडी' जैसी एक्शन फिल्म देने के बाद अब शाहिद कपूर अपनी अगली फिल्म में रोमांस करते नजर आएंगे। इस फिल्म में शाहिद के अपोजिट कृति सेनन होंगी। फिल्म दिसंबर को रिलीज होने जा रही है। इससे जुड़े सूत्रों ने दैनिक भास्कर के साथ कुछ खास जानकारियां शेयर की हैं।

मूल रूप से यह फिल्म शाहिद कपूर और कृति सेनन के किरदारों की प्रेम कहानी है। इसी के साथ मेकर्स ने इसमें फैमिली ड्रामा भी रचा है। इस फैमिली ड्रामा में धर्मेंद्र, राकेश बेदी और डिंपल कपाड़िया जैसे कलाकार अहम रोल निभाएंगे। कहानी राजस्थान में सेट है।

फिल्म में शाहिद एक ऐसे युवा के रोल में हैं, जो अपना पुश्तैनी कारोबार संभालता है। वहीं कृति सेनन इसमें कंप्यूटर टीचर के रोल में हैं। डिंपल कपाड़िया उनकी मां बनी हैं। राकेश बेदी, शाहिद के पिता के रोल में हैं।

धर्मेंद्र का किरदार इसमें शाहिद के दादा का है। फिल्म में उनका कैमियो नहीं है। धर्मेंद्र इसी महीने रिलीज होने जा रही 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में भी रणवीर सिंह के दादा के रोल में दिखाई देंगे।

कैसा है बैकड्रॉप

फिल्म राजस्थान में सेट है। शाहिद और कृति दोनों के ही किरदार हाई क्लास से बिलॉन्ग करते हैं। मेकर्स ने कहानी में उस कैटेगरी के कॉनफ्लिक्ट दिखाए हैं। इसके साथ ही फिल्म में दादा और पोते के प्यार और जेनरेशन गैप को भी पेश किया गया है।

किन हालातों में हुई शूटिंग

फिल्म की शूटिंग राजस्थान की जमा देने वाली ठंड में की गई। इस दौरान शाहिद के साथ-साथ धर्मेंद्र, डिंपल कपाड़िया और राकेश बेदी जैसे उम्रदराज कलाकारों ने भी नाइट शिफ्ट में शूटिंग की। इस दौरान कुछ जूनियर आर्टिस्ट जरूर बीमार पड़ गए पर धर्मेंद्र व अन्य कलाकार डटे रहे।

क्या है फिल्म की स्थिति

फिल्म की शूटिंग अप्रैल में पूरी हो चुकी है। इन दिनों इसके पोस्ट प्रोडक्शन पर काम जारी है। इसे इस साल दिसंबर के पहले वीक में रिलीज करने की तैयारी है। प्रोड्यूसर दिनेश विजन के साथ शाहिद की यह पहली फिल्म है।

क्या है शाहिद का अगला प्रोजेक्ट

शाहिद इन दिनों परिवार के साथ छुट्टियों बिता रहे हैं। वहां से लौटने के बाद वे अपनी अगली एक्शन फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। इसे रॉय कपूर फिल्म्स और जी स्टूडियोज साथ मिलकर बना रहे हैं।

फैमिली के लिए एक्टिंग नहीं छोड़ेंगी आलिया

आलिया भट्ट ने हाल ही में अपने करियर और वर्क लाइफ बैलेंस को लेकर बात की। इस दौरान एक्ट्रेस ने कहा एक समय ऐसा भी था जब वह काम के लिए अपना फैमिली टाइम और नींद तक के लिए समझौता करने को तैयार थीं। लेकिन, अब वह ऐसा नहीं सोचती हैं। एक्ट्रेस ने इस बीच बीते एक दशक में अपनी लाइफ में आए बदलावों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि किसी शख्स ने उनसे कहा था कि वो एक अच्छी मां, या अच्छी बेटा या अच्छी एक्ट्रेस नहीं बन सकतीं। उन्होंने कहा कि बेस्ट होना वाकई कठिन है... आलिया ने यह भी कहा कि वो कभी भी फैमिली के लिए काम करना नहीं छोड़ेंगी।

मैं हर तरह के सेक्रिफाइस करने के लिए तैयार थी- आलिया

फेमिना से बात करते हुए आलिया ने इंडस्ट्री में अपने शुरुआती समय को याद करते हुए बताया कि कैसे समय के साथ-साथ उनका काम उनकी प्रायोरिटी बनता गया। उन्होंने कहा- 'जैसे-जैसे मैंने सिनेमा में एक दशक पार किया, चीजें डेवलप होती गईं। हालांकि इस दशक में मेरी जिंदगी में काफी बदलाव आया है। मुझे लगता है कि एक समय था जब मैं हर तरह के सेक्रिफाइस करने के लिए तैयार थी। नींद का, अपने परिवार के साथ समय का। उस वक्त मेरे जीवन में बस दो चीजें काम करना और शूटिंग करना थीं।

बेशक काम करना कभी न छोड़ें, लाइफ में बैलेंस लाएं

आलिया ने आगे कहा- 'लेकिन अब मेरा एक परिवार है...मेरी एक बेटी है। मेरा एक पति है। कभी-कभी मुझे ऐसा लगता है कि यह सभी 10 साल मैंने अपने माता-पिता, अपनी बहन और अपने दोस्तों के साथ नहीं बिताए। लेकिन अब मैं चाहती हूं कि ऐसा कर सकूं।' वर्क लाइफ बैलेंस के बारे में बात करते हुए आलिया ने आगे कहा- बेशक काम करना कभी न छोड़ें, लेकिन कोशिश करें और लाइफ में बैलेंस लाएं।

किसी ना किसी चीज को लेकर कॉम्प्रोमाइज जरूर करना होगा

आलिया ने आगे काम और पर्सनल लाइफ में तालमेल बिठाने पर अपनी राय दी। उन्होंने कहा- 'बैलेंस हमेशा एक जैसा नहीं हो सकता है। आपको हमेशा किसी ना किसी चीज को लेकर कॉम्प्रोमाइज जरूर करना होगा। अगर आप ऐसा सोचते हैं कि आप एक वक्त पर सभी चीजें कर सकते हैं, शायद आप सभी चीजें कर भी लें। लेकिन इससे आपकी मेंटल पीस जरूर सफर करेगा।

'मेरे साथ अक्सर ऐसा होता है, क्योंकि मैं हर जगह पर मौजूद रहना चाहती हूं...और मैं प्रोफेशनल तौर पर भी हमेशा एक्टिव रहना चाहती हूं। लेकिन इन सभी चीजों के बीच मैं अपने लिए समय नहीं निकाल पाती हूं। इसलिए मुझे लगता है कि हमें सबसे पहले अपनी प्रायोरिटीज के बारे में सोचना चाहिए।'

लोगों ने कहा मैं अच्छी मां नहीं बन सकती

एक्ट्रेस ने आखिर में कहा- 'किसी ने मुझसे कहा था कि तुम कभी एक ग्रेट मां, एक बेहतरीन बेटी या एक एक बेहतरीन एक्ट्रेस नहीं बन पाओगी। मुझे ऐसा लगता है कि सबसे बेस्ट होना एक ओवररेटेड शब्द है। हमारे आसपास महानता को ज्यादा इम्पॉर्टेंस दिया जाता है। आपको सिर्फ अच्छा और ईमानदार होना होगा...खुलकर बात करनी होगी। इसलिए मैं यही करने की कोशिश करती हूं। मैं अपने परिवार और फ्रेंड्स के साथ खुलकर बात करती हूं। फिर भी कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं बहुत ज्यादा जिम्मेदारी ले रही हूं, लेकिन मुझे ये भी लगता है कि मैं इस जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ रही हूं। मेरे पास कोई जवाब नहीं है।'

बोलीं- लोगों ने कहा कि मैं परफेक्ट मां नहीं बन सकती; लाइफ में समझौता करना भी जरूरी

रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ दिखीं जान्हवी कपूर : अर्जुन कपूर के घर के बाहर हुए स्पॉट

जान्हवी कपूर बीती रात अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ नजर आईं। दोनों को जान्हवी के भाई अर्जुन कपूर के घर से निकलते हुए देखा गया, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में जान्हवी और शिखर एक ही कार में दिखाई दे रहे हैं।

व्हाइट आउटफिट में की ट्विनिंग

वीडियो में जान्हवी और शिखर कार के अंदर दिखाई दे रहे हैं। दोनों ने व्हाइट आउटफिट में ट्विनिंग की है। जहां जान्हवी व्हाइट ड्रेस में दिखीं, वहीं शिखर भी व्हाइट शर्ट में नजर आ रहे हैं। इस दौरान एक्ट्रेस पैपराजी को देखकर स्माइल करती हैं, जबकि शिखर फोन में बिजी नजर आ रहे हैं।

जान्हवी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

जान्हवी कपूर जल्दी ही फिल्म बवाल में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ वरुण धवन भी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 21 जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इसके अलावा जान्हवी जल्दी ही जूनियर एनटीआर की फिल्म से टॉलीवुड डेब्यू करेंगी। 'एनटीआर 30' अगले साल 5 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये जूनियर एनटीआर की पहली सोलो पैन इंडिया फिल्म है, जिसे तेलुगु के साथ-साथ तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा। जान्हवी के पास 'मिस्टर एंड मिसेज माही' और 'बड़े मियां छोटे मियां' भी पाइप लाइन में है।

अमीषा विदेश से लौटीं तो पहचान नहीं पाए राकेश रोशन

एक्ट्रेस ने याद किया 23 साल पुराना किस्सा

बोलीं- मुलाकात के दो दिन बाद फिल्म ऑफर की

अमीषा पटेल ने हाल ही में खुलासा किया कि बोस्टन से लौटने के बाद उनकी मुलाकात राकेश रोशन से हुई थी। वो एक शादी में उनसे मिली थीं। उस वक्त डायरेक्टर उन्हें पहचान नहीं पाए थे। आखिर में जब परिवार वालों ने बताया कि यह अमीषा हैं, तब जाकर राकेश उन्हें पहचान पाए।

बोस्टन से लौटने पर अमीषा को नहीं पहचान पाए थे राकेश रोशन

अमीषा पटेल गदर 2: द कथा कंटीन्यूज के साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने 2000 में ऋतिक रोशन के साथ फिल्म कहो न प्यार है से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसका डायरेक्शन राकेश ने किया था। अमीषा ने हाल ही में बताया कि कैसे एक शादी में राकेश रोशन से उनकी मुलाकात हुई थी। मुलाकात के 2 दिन बाद उन्होंने अमीषा को अपनी फिल्म में साइन कर लिया था। इसके अलावा एक्ट्रेस ने वो किस्सा भी याद किया जब कॉलेज से पढ़कर वापस आने के बाद राकेश उन्हें पहचान भी नहीं सके।

एक्ट्रेस हाल ही में द कपिल शर्मा शो में पहुंची थीं। इस दौरान अमीषा से उस अफवाह के बारे में पूछा गया था कि वह सिर्फ 14-15 साल की थीं जब राकेश रोशन उन्हें एक फिल्म में कास्ट करने का फैसला लिया था। इस पर उन्होंने कहा- 'यह सच है....जब उन्होंने यह बात कही थी तब मैं सिर्फ 14-15 साल की थी। उन्होंने कहा- वह मुझे ऋतिक के साथ कास्ट करना चाहते थे। मेरे परिवार तैयार नहीं था और उन्होंने इससे इनकार कर दिया क्योंकि हम पॉलिटिकल बैकग्राउंड से थे और मैं पढ़ाई के लिए बोस्टन जा रही थी।'

मुलाकात के 2 दिन बाद अमीषा को

मिली डेब्यू फिल्म

ईटाइम्स से बातचीत के दौरान अमीषा ने कहा- 'जब मैं बोस्टन से लौटी, तो हम एक शादी में पहुंचे थे। मैं पार्टी से वापस जा रही थी। तभी राकेश अंकल आए। पहले तो वह मुझे पहचान ही नहीं पाए, बाद में मेरे परिवारवालों ने कहा- यह अमीषा है, वह अभी लौटी है बोस्टन से। मुझसे मिलने के तुरंत बाद राकेश अंकल ने मुझे 'कहो ना प्यार है' ऑफर कर दी। मैंने 2 दिन में फिल्म का कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिया था और एक हफ्ते में मैं शूटिंग कर रही थी।'

डायरेक्टर राकेश रोशन ने फिल्म 'कहो ना प्यार है' के जरिए अपने बेटे ऋतिक रोशन को फिल्मों में लॉन्च किया था। 23 साल पहले रिलीज हुई इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 67 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं बॉक्सऑफिस पर फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

कास्टिंग को लेकर फर्जी कॉल्स पर सलमान की चेतावनी

कहा- प्रोडक्शन कंपनी के नाम का गलत इस्तेमाल हो रहा, फ्रॉड करने वालों पर लीगल एक्शन लेंगे

सलमान खान ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक स्टेटमेंट जारी किया है। एक्टर ने अपने इस स्टेटमेंट में लोगों को उनके और उनके प्रोडक्शन हाउस 'सलमान खान फिल्म्स' के नाम पर आने वाली फर्जी कास्टिंग कॉल्स को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि वह और उनका प्रोडक्शन हाउस फिल्मों में कास्टिंग के लिए किसी थर्ड पार्टी से जुड़े हुए नहीं हैं। फर्जी कास्टिंग कॉल का जिक्र करते हुए एक्टर ने वादा किया कि वो उनके नाम या उनकी कंपनी के नाम का गलत इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ जल्द लीगल एक्शन लेंगे।

कास्टिंग से जुड़े इमेल-मेसेज आएं तो भरोसा न करें

सलमान ने पोस्ट में लिखा- आपके क्लियर कर दें कि न तो मिस्टर सलमान खान और न ही सलमान खान फिल्म्स इन दिनों किसी भी फिल्म के लिए कास्टिंग कर रही है। हमने अपनी अपकमिंग किसी भी फिल्म के लिए किसी कास्टिंग एजेंट को काम पर नहीं रखा है। इस मामले में अगर आपके पास किसी भी तरह का ईमेल या मैसेज आए तो प्लीज उसपर भरोसा न करें। अगर कोई भी पक्ष किसी भी अनऑफिशियल तरीके से मिस्टर खान या सलमान खान फिल्म्स के नाम का गलत इस्तेमाल करता पाया गया तो उसपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

2011 में सलमान खान ने प्रोडक्शन में रखा कदम

सलमान खान ने 2011 में अपनी फिल्म मेकिंग और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की शुरुआत की थी। बता दें कि सलमान खान की मां सलमा खान भी इस प्रोडक्शन कंपनी का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा था कि फिल्म मेकिंग से मिलने वाला पैसा बीइंग ह्यूमन संस्था को दान किया जाएगा। SKF बैनर के तले बनने वाली पहली फिल्म चिल्लर पार्टी थी, जिसे ऑडियंस ने खूब पसंद किया था। इस फिल्म का डायरेक्शन डायरेक्टर नितेश तिवारी ने किया था।

बैनर के तले बजरंगी भाईजान, भारत और अंतिम जैसी फिल्में बनीं

चिल्लर पार्टी के अलावा 'SKF' अब तक बजरंगी भाईजान, हीरो, ट्यूबलाइट, रेस 3, लवयात्री, नोटबुक, भारत, कागज, दबंग 2, राधेः योर मोस्ट वांटेड भाई और अंतिमः द फाइनल ट्रूथ जैसी फिल्मों का प्रोडक्शन कर चुकी है। प्रोडक्शन कंपनी के बैनर में बनने वाली आखिरी फिल्म किसी का भाई किसी की जान थी, जो बॉक्सऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी।

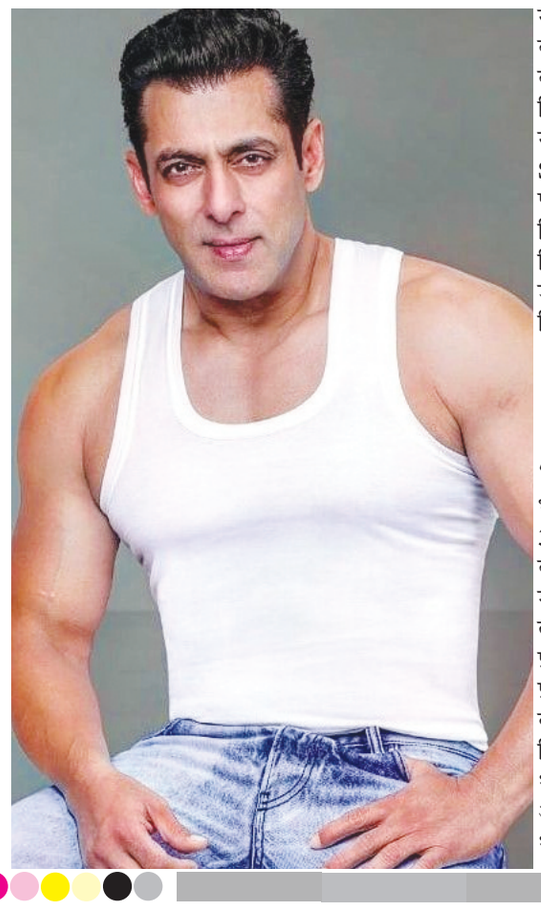

दीपिका पिंक आउटफिट में लगीं खूबसूरत, रणवीर के कमेंट ने जीता फैंस का दिल

रणवीर सिंह ने डिवोर्स की रुमर्स को खारिज करते हुए एक बार फिर वाइफ दीपिका पादुकोण की फोटो पर प्यार भरा कमेंट किया है। दीपिका पादुकोण ने हाल ही में एक स्पोर्ट्स ब्रांड के प्रमोशन के लिए सोशल मीडिया पर कुछ फोटोज पोस्ट कीं। बीते कुछ दिनों से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दीपिका-रणवीर के डिवोर्स की अफवाहों ने खूब सुर्खियां बटोरीं। 6 जुलाई को दीपिका ने रणवीर को बर्थडे विश करते हुए सोशल मीडिया पर भी कोई स्टोरी शेयर नहीं की। इस वजह से इनके डिवोर्स की अफवाह शुरू हो गई थीं। लेकिन, कपल ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इन अफवाहों को खारिज कर दिया है।

दीपिका ने सोशल मीडिया पर पिंक आउटफिट में कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन फोटोज पर रणवीर ने रोते हुए इमोजी के साथ कमेंट सेक्शन में रियेक्ट किया है। इस सिंबल का मतलब है कि इस खूबसूरती को बयान करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। रणवीर के इस कमेंट ने सोशल मीडिया पर दीपिका-रणवीर के फैंस का दिल जीत लिया।

रणवीर ने दीपिका के साथ पोस्ट की थी क्रूज राइड की फोटो

कुछ दिनों पहले भी रणवीर सिंह ने दीपिका के साथ समुद्र में क्रूज राइड का मजा लेते हुए फोटो पोस्ट की थी। रणवीर सिंह ने बीते दिनों अपना 38वां बर्थडे मनाया था। इस फोटो के साथ उन्होंने सभी को बर्थडे विश करने के लिए शुक्रिया भी कहा था। कपल ने मुंबई के अलीबाग में बर्थडे सेलिब्रेट किया। रणवीर-दीपिका ने 4 नवंबर 2018 को शादी की थी।

दीपिका-रणवीर की अपकमिंग फिल्में

रणवीर सिंह की अपकमिंग फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी 28 जुलाई को रिलीज होगी। इसके अलावा रणवीर डॉन 3 में भी दिखाई देंगे। वहीं, दीपिका शाहरुख खान की फिल्म जवान में कैमियो रोल में नजर आएंगी। इसके अलावा दीपिका प्रभास, कमल हसन, अमिताभ बच्चन और दिशा पाटनी के साथ फिल्म प्रोजेक्ट में भी दिखेंगी।

सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाना पड़ सकता है भारी कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये गलतियां

सोशल मीडिया, ये वो दुनिया है जहां कुछ लोग अब प्रसिद्ध होने के लिए आते हैं। यहां रेस लगती है नाम कमाने की और फॉलोअर्स बढ़ाने की। जिसके जितने ज़्यादा फॉलोअर्स होंगे लोगों के बीच उसकी उतनी ही ज़्यादा अहमियत भी होगी। इसलिए ज़्यादातर लोग अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए नए-नए पैंतरे आज़माते रहते हैं। यहां पैसे कमाने के कई रास्ते भी मिल जाते हैं। लोगों में प्रसिद्ध होने और पैसे कमाने का जुनून जितना बढ़ रहा है, उतनी ही धोखाधड़ी बढ़ती जा रही है।

एक नज़र ऐसे ही धोखाधड़ी पर डालते हैं...

थर्ड पार्टी एप

ये एप्स सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने, पोस्ट पर लाइक्स और कमेंट्स पाने में मदद करते हैं। प्ले स्टोर पर ऐसे कई एप्स मौजूद हैं। इनका इस्तेमाल करने के लिए पहले आपको अपने सोशल मीडिया अकाउंट से इसमें लॉगइन करना पड़ता है, यानी कि आप सीधा-सीधा अपने सोशल मीडिया का यूज़र आईडी, ई-मेल आईडी और पासवर्ड किसी अनजान एप के साथ साझा कर रहे हैं। इससे अकाउंट हैक हो सकता है। इसके अलवा, कुछ ऐसे अकाउंट्स भी मौजूद हैं जो फॉलोअर्स, लाइक्स और कमेंट बढ़ाने का दावा करते हैं, जिसके बदले कुछ रकम चुकानी होती है।

फॉलोअर्स बढ़ाने के ये दोनों ही

ज़रिए काम करते हैं, परंतु इनकी मदद से जो अकाउंट्स आपको फॉलो करते हैं वो ऐसे अकाउंट होते हैं जो सक्रिय नहीं हैं या फिर स्पैम हैं। इनका कॉन्टेंट शून्य होता है या आपत्तिजनक होता है, ये सिर्फ़ दूसरों को फॉलों करने के लिए होते हैं।

इन तरीक़ों से आपके फॉलोअर्स की संख्या तो बढ़ जाएगी लेकिन आपके अकाउंट की वृद्धि रुक जाएगी।

निवेश स्कैम

सोशल मीडिया पर एक ऐसी पोस्ट आपने भी देखी होगी जिसमें व्यक्ति बिटक्वाइन की कंपनी का नाम लेकर बताता है कि उसने इसमें 50 हज़ार रुपये निवेश किए और वो 1 लाख रुपये में बदल गए। पोस्ट में उस कंपनी और व्यक्ति को टैग करके यह भी बताया जाता है कि अगर आपको भी मेरी तरह ज़िंदगी बदलनी है तो इस व्यक्ति (टैग किए हुए) को मैसेज करें। खाते में पैसे आने के मैसेज के स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किए जाते हैं। ये एक धोखाधड़ी है जिसमें हैकर किसी व्यक्ति का सोशल मीडिया अकाउंट हैक करके इस तरह के पोस्ट डालता है।

क्रिप्टोकरंसी, बिटक्वाइन जैसे डिजिटल निवेशों का झांसा दिया जाता है। ठग मैसेज करता है या फिर आपके ही किसी परिचित का अकाउंट हैक करके आपको निवेश करने के लिए तैयार करता है। इसके लिए वो कोई लिंक साझा कर सकता है, जिसे खोलते ही अकाउंट की बागडोर हैकर के हाथ में होती है। अब इसमें वो निवेश से जुड़े फ़ायदों के झूठे पोस्ट डालना शुरू कर देता है। कुछ मामलों में ठग सिर्फ़ निवेश के नाम पर पैसे लेकर ग़ायब हो जाते हैं।

कुछ ठगी ऐसी भी हैं

सोशल मीडिया पर कपड़े या अन्य सामान भी बेचे जाते हैं। जब ख़रीदार ऑनलाइन भुगतान कर देता है तो न सामान उस तक पहुंचता है और न ही पैसे वापस होते हैं। इसके बाद वह विक्रेता ग़ायब हो जाता है।

स्पॉन्सर्ड पोस्ट या ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए भी मैसेज आ सकते हैं, जिसमें वो आपको पैसे देकर पोस्ट करने के लिए कहेंगे।

गिवअवे पोस्ट यानी पोस्ट को लाइक करके लोगों को टैग करना होता है। इसमें विजेता को उपहार दिए जाते हैं। इनमें ज़्यादातर स्कैम होते हैं जिसमें एक लिंक भी दिया होता है, उस पर क्लिक करते ही सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो जाता है।

थोड़ा ध्यान रखें

निवेश से संबंधित मैसेज को डिलीट कर दें। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से बचें।

किसी भी थर्ड पार्टी एप का इस्तेमाल करने से बचें। अगर आपने किया है तो उन नक़ली फॉलोअर्स को हटा दें।

यदि किसी दोस्त की तरफ़ से कोई लिंक या पैसे से संबंधित मैसेज आता है तो फौरन उसे कॉल करके बताएं।

ऑनलाइन शॉपिंग केवल विश्वसनीय कंपनी से करें। अगर सोशल मीडिया पर कुछ पसंद आया है तो उस कंपनी की वेबसाइट देखें और उस वस्तु से जुड़े ख़रीदारों के रिव्यू भी पढ़ें। फॉलोअर्स बढ़ाने, पैसे कमाने जैसी बातों में न आएं।

पैरेंट्स की अच्छी आदतें, बच्चों के जीवन पर डालती हैं पॉजिटिव असर

माता-पिता बनने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप पैरेंट्स होने के नाते गलतियां हो हीं नहीं. मायने यह रखता है कि आप अपने बच्चे के सामने कितने बेहतर इंसान बनते हैं और बच्चों के जीवन को सकारात्मक बनाने के लिए आप किस हद तक प्रयास करते हैं. इससे बच्चे पर प्रभाव पड़ता है. यहां हम बता रहे हैं कि आप प्रभावशाली परवरिश के लिए किन आदतों को अपनाएं.

वेरीवेल फैमिली के मुताबिक, सबसे प्रभावशाली माता पिता बनने का लक्ष्य आदर्शवादी माता-पिता बनना नहीं है, बल्कि आप अपने बच्चों को आने वाले जीवन की कठिनाइयों को डील करने के लिए कितना मानसिक रूप से मजबूत बना रहे हैं और एक जिम्मेदार इंसान बनाने का प्रयास कर रहे हैं.

बेहतर परवरिश के लिए माता-पिता को घर और बाहर नियमों को लागू करना जरूरी है. ये नियम

हर किसी पर लागूं हों. ये नियम जीवन में डिसिप्लिन लाता है, जो बेहतर लाइफ के लिए जरूरी है. सही समय पर घर आना और घर को मेंटेन रखना आदि इसमें शामिल है. बच्चे जब अपने माता-पिता को मेहनत करते देखते हैं तो उन्हें भी मेहनत करने का मोटिवेशन मिलता है.

हालांकि, रूल्स के प्रति कभी कभी या कुछ चीजों में फ्लेक्सिबल होना भी जरूरी है. हैम्पशायर यूनिवर्सिटी के मुताबिक, जरूरत से अधिक नियम बना देना भी कई बार परिवरिश में मुश्किलें पैदा कर सकता है और बच्चे नियमों को तोड़ना सीख लेते हैं, इसलिए कभी कभी नियमों को लेकर फ्लेक्सिबल भी बनें.

कुछ माता-पिता अपने बच्चों के साथ बहुत सारी बातें करते हैं. अगर बच्चा आपसे हर बात शेयर कर रहा है तो यकीन मानिए आपकी परवरिश अच्छी हो रही है. दरअसल, जब बच्चा अपने लाइफ की छोटी छोटी बातें भी शेयर करता है तो उसका सोशल स्किल, भाषा, एक्सप्रेशन, क्रिएटिविटी, इमैजिनेशन आदि भी काफी बढ़ता है और उसे आपकी तरफ से सही गलत का भी पता चलता है.

अगर आप अपने बच्चे को रोज 20 मिनट कुछ पढ़कर सुनाते हैं तो ये उसके विकास में काफी मदद कर सकता है. शोधों में पाया गया है कि अगर आप ऐसा करते हैं तो बच्चा 15 साल की उम्र जाते जाते अपने उम्र से एक साल अधिक की जानकारी इकट्ठा कर पाता है. यही नहीं, इससे बच्चे का शब्दकोश बढ़ता है और वह दुनिया के प्रति समझ भी बढ़ा पाता है.

लोगों की शिकायतों के बाद भी आपका रिश्ता बना रहेगा मजबूत, अपनाएं ये टिप्स

रिश्ते में आना आसान होता है, लेकिन इस रिश्ते को मेंटेन रखना, आपस में भरोसा कायम रखना और प्यार को बनाए रखना उतना ही मुश्किल है. हालांकि, अगर हेल्दी रिलेशनशिप के कुछ सिंपल टिप्स को फॉलो करें तो आपकी लव लाइफ काफी स्मूद हो सकती है और बिना परेशानियों के रिश्ते को मजबूत बनाए रख सकते हैं.

हैप्पी मैरिज में छपी एक खबर के मुताबिक, किसी भी रिश्ते के लिए बातचीत सबसे जरूरी चीज होती है. इसके बगैर कई तरह की समस्याएं आपस में शुरू हो सकती हैं. अगर आप चाहते हैं कि लोगों की बातों का असर अपके शादीशुदा जिंदगी पर असर ना करे और शादी सफल रहे तो आपस में बातचीत बनाए रखें और हर तरह की समस्याओं, उलझनों और अच्छी चीजों को भी आपस में शेयर करें.

सुनना एक कला है. रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए भी एक अच्छा श्रोता बनना बहुत जरूरी होता है. इससे आपस में विश्वास बढ़ता है और आपके बीच पारदर्शिता बनी रहती है. कई बार लोग केवल अपनी बात को बताना पसंद करते हैं, सुनना नहीं चाहते हैं. लेकिन यह नहीं सोचते कि आखिर पार्टनर क्या बताना चाहता है. इसलिए पार्टनर की परेशानियों को सुनना भी शुरू करें. यकीनन, आपके बीच अंडरस्टैंडिंग बढ़ेगी.

कई लोग अपने गुस्से और नाराजगी को तो व्यक्त करते हैं, लेकिन प्यार और भरोसे को बताने में पीछे रह जाते हैं. अगर आप चाहते हैं कि आपके बीच भरोसा बना रहे तो उनपर अपने भरोसे को दिखाएं और यह महसूस कराएं कि आप दुनिया में सबसे ज्यादा भरोसा अपने पार्टनर पर करते हैं.

रिश्ते में सपोर्टिव बनना जरूरी है. कोई भी रिश्ता बिना एक दूसरे के सपोर्ट के काम नहीं कर सकता. यह सपोर्ट दोनों तरफ से होना जरूरी है. यह सपोर्ट, इमोशनल, फाइनेंशियल, फिजिकल, मेंटल, हर तरह से होना चाहिए. जब आप हर तरह से एक दूसरे को सपोर्ट करते हैं तो इससे बॉन्डिंग स्ट्रॉन्ग बनती है और रिश्ते बुरे वक्त में भी मजबूत रहता है. हेल्दी रिलेशनशिप के लिए एक-दूसरे की सोच और भावनाओं की कद्र करना भी जरूरी होता है. हो सकता है कि आपकी सोच में अंतर हो, लेकिन आपको यह समझना होगा कि आप एक दूसरे की अलग सोच

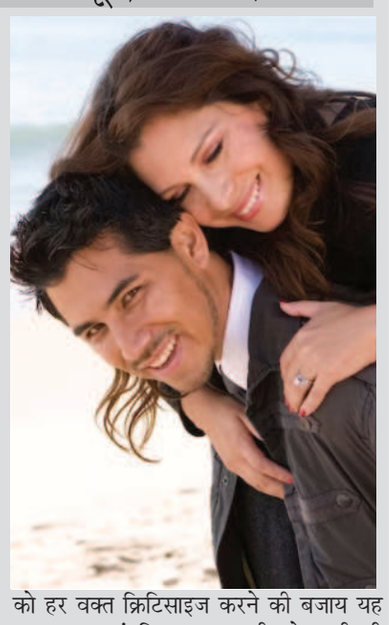

को हर वक्त क्रिटिसाइज करने की बजाय यह महसूस कराएं कि आप उनकी सोच की भी इज्जत करते हैं. इस तरह एक दूसरे के प्रति समझ बढ़ेगी और भरोसा मजबूत होगा।

इन तरीकों से करें सीलिंग फैन की सफाई, मिनटों में हो जाएगा साफ, घर में भी नहीं फैलेगी धूल और मिट्टी

लम्बे समय तक चलने से कई बार सीलिंग फैन काफी गंदे हो जाते हैं. इन पर कार्बन युक्त धूल की मोटी परत जमने लगती है. बावजूद इसके सीलिंग फैन की सफाई को बहुत लोग अनदेखा भी कर देते हैं.

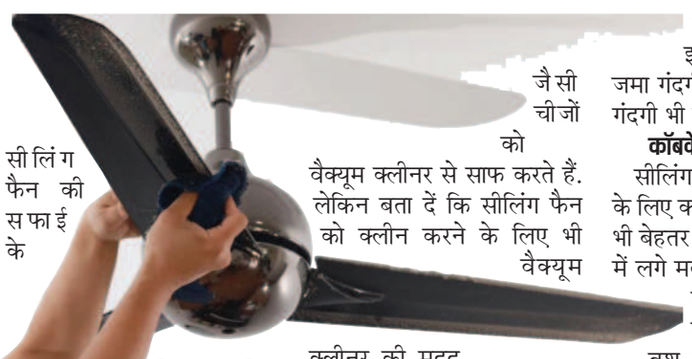

दरअसल, सीलिंग फैन की सफाई काफी मुश्किल भरा काम लगती है, जिसकी वजह से बहुत लोग इसको अवॉयड कर देते हैं. आप कुछ आसान तरीकों से सीलिंग फैन को मिनटों में साफ कर सकते हैं.

पुराना तकिया कवर करें इस्तेमाल

बहुत लोग सोफा और कारपेट सीलिंग फैन की सफाई के लिए जैसी चीजों को वैक्यूम क्लीनर से साफ करते हैं. लेकिन बता दें कि सीलिंग फैन को क्लीन करने के लिए भी वैक्यूम क्लीनर की मदद ली जा सकती है. इसके लिए किसी कुर्सी या चौकी पर खड़े होकर वैक्यूम क्लीनर की मदद से पंखे को साफ करें. इससे सारी गंदगी चुटकियों में गायब हो जाएगी और आपका पंखा एकदम क्लीन नजर आएगा. इसके साथ ही पंखे पर मौजूद धूल-मिट्टी से आप गंदा होने से बच जायेंगे.

मोजे का यूज करें

घर में तमाम सारे पुराने मोजे मौजूद रहते हैं. इनका इस्तेमाल करके भी आप पंखे को आसानी से साफ कर सकते हैं. इसके लिए आप कॉटन के फुल साइज मोज़े को थोड़ा सा गीला करके निचोड़ लें. फिर इस मोजे से पंखे की ब्लेड को कवर कर दें. फिर मोजे के सिरे को पकड़ कर बाहर की ओर स्वाइप कर दें. इससे सीलिंग फैन पर जमा गंदगी रिमूव हो जाएगी और गंदगी भी नीचे नहीं गिरेगी.

कॉबवेब ब्रश से करें क्लीन

सीलिंग फैन को क्लीन करने के लिए कॉबवेब ब्रश का इस्तेमाल भी बेहतर रहता है. बता दें कि घर में लगे मकड़ी के जालों को जिस ब्रश से हटाया जाता है. उस ब्रश को कॉबवेब ब्रश कहते हैं. इसके लिए कॉबवेब ब्रश को फैन के ब्लेड्स पर लगाकर स्वाइप कर दें. इससे पंखे पर जमा धूल-मिट्टी फौरन ही निकल जाएगी और आपका पंखा एकदम क्लीन हो जायेगा.

इन बातों का जरूर रखें ध्यान

सीलिंग फैन को साफ करने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी हैं. सबसे पहले इलेक्ट्रिसिटी को ऑफ़ कर दें, जिससे आपको करंट लगने का खतरा नहीं रहेगा.

इसके बाद अपने सिर और चेहरे को किसी कपड़े से कवर करें, फिर उसके बाद ही पंखे को क्लीन करें. इससे पंखे पर मौजूद कार्बन युक्त धूल-मिट्टी से भी आप खुद को सेफ रख सकेंगे.

तकिये के कवर का इस्तेमाल किया जा सकता है.

बता दें कि पंखे को तकिये के कवर से साफ करना बहुत ही आसान है. इसके लिए आप तकिये के कवर को पहले पंखे के एक ब्लेड पर उस तरीके से पहनाएं जिस तरह तकिये को पहनाते हैं. फिर तकिये के कवर को दोनों हाथों से खिसकाते हुए स्वाइप कर दें. इससे पंखे की गंदगी मिनटों में रिमूव हो जाएगी. साथ ही घर की चीजें और आप भी धूल-मिट्टी से सुरक्षित रहेंगे.

वैक्यूम क्लीनर की मदद लें

बारिश में होती हैं कई तरह की बीमारियां इनसे बचने के लिए कुछ बातों का खयाल रखें

जैसे हमारे पास शरीर और मन हैं, ठीक उसी प्रकार प्रकृति और मौसम हैं। मन में विचरते, उमड़ते-घुमड़ते और बदलते भावों की भांति ही प्रकृति में मौसमों का आना-जाना भी तय है। प्रकृति से अभिन्न रूप से जुड़े होने के चलते बदलते मौसम का असर हमारे शरीर और मन दोनों पर पड़ता है। कभी-कभी ये असर बीमारियों का रूप भी ले लेता है। चिकित्सा की भाषा में इन्हें 'सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर' कहा जाता है। ज़रूरी नहीं कि इनका असर सभी पर देखने को मिले, लेकिन बहुत से लोग इस तरह के डिसऑर्डर से परेशान रहते हैं। बहरहाल, बारिश में होने वाली इन मौसमी दिक़्क़तों से बचाव के बारे में जानने से पहले, देखें कि शरीर और मन पर मौसम के बदलाव का क्या असर हो सकता है।

सता सकती हैं समस्याएं

दरअसल, हमारे शरीर की आधी से अधिक प्रक्रियाएं प्रकाश संवेदी होती हैं। इस वजह से बदलते मौसम का सीधा-सीधा असर शरीर की बाहरी-भीतरी सभी प्रकार की क्रियाओं पर पड़ता है। इसके चलते आपको सर्दी-बुख़ार, डिहाइड्रेशन, क़ब्ज़ जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इनके अलावा भी कुछ अन्य समस्याएं हो सकती हैं, जिनसे सावधान रहना चाहिए।

सांस संबंधी रोग : बरसात के आते ही चहुंओर हरियाली छाने लगती है। मौसम तो ख़ुशनुमा हो जाता है, लेकिन हवा में मौजूद नमी के कारण सांस के रोगियों को सर्दी-ज़ुकाम, सांस फूलने की समस्या अधिक होती है।

पानी से परेशानी : बारिश में बाहर से आएं तो हाथ-मुंह अवश्य धोएं। गंदे पानी से एलर्जी हो सकती है। घर के गिर्द पानी जमा न होने दें।

इसमें पनपने वाले मच्छर डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी बीमारियों का कारण बनते हैं।

मन में उदासी का मौसम : बदलते मौसम में शारीरिक समस्याएं तो आसानी से पकड़ में आ जाती हैं, पर मानसिक रूप से परेशान रहकर भी आप उसे पहचान नहीं पाते। अधिकतर देखा जाता है कि पैनिक डिसऑर्डर से पीड़ित लोग मौसम बदलने के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इस मौसम में ठंडक और बढ़ती आर्द्रता से आपकी मनःस्थिति पर भी प्रभाव पड़ता है। आलसीपन या किसी काम में मन न लगना, भूख और नींद पर असर पड़ना, एकाग्रता में बाधा महसूस करना और अकारण ही निराश रहना आदि इसके लक्षण हैं।

त्वचा की तकलीफ़ें : हवा में नमी, पानी से अधिक सम्पर्क और गड्ढे आदि में जमा दूषित जल के चलते त्वचा में संक्रमण के आसार बढ़ जाते हैं। यदि आप पहले से ही किसी प्रकार के त्वचा संबंधी रोग से पीड़ित हैं, तो बारिश का मौसम आपकी परेशानी बढ़ा सकता है।

सावधानी रखें और आनंद लें

मौसम में बदलाव के साथ शरीर और मन की दशा में भी कुछ उतार-चढ़ाव होना बहुत सामान्य-सी बात है। हां, कुछ विशेष शारीरिक स्थितियों में दिक़्क़त ज़्यादा हो सकती है, जैसे- यदि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमज़ोर है, श्वास संबंधी बीमारी या फिर एलर्जी की समस्या है, तो बदलते मौसम में आपको सावधानी रखने की आवश्यकता है।

गंदे पानी से बचाव

बरसात में पानी का दूषित होना सामान्य है। ऐसे में पानी को उबालकर या फिल्टर करके ही पिएं। इसके अलावा गंदे पानी के संपर्क में आने से भी बचें। अपने रहवास के आसपास भी दूषित पानी जमा होने से रोकें, ताकि मच्छर जनित रोगों से भी बचा जा सके। इस मौसम में बैक्टीरिया जल्दी पनपते हैं, इसलिए साफ़-सफ़ाई का ख़ास ख़याल रखें। ध्यान रहे कि कपड़ों में नमी न रह जाए।

बाहर के खाने से बचें

इस मौसम में जंक फूड और बाहर का खाना खाने से बचें। स्वच्छ और घर के बने खाने को प्राथमिकता दें। खाना ताज़ा ही हो और लम्बे समय से खुला न रखा हो। फलों को भी कटा न छोड़ें और ज़रा भी ख़राबी दिखे तो उस हिस्से को काटकर अलग करने के बजाय पूरा फल फेंक दें।

बारिश में भीगें मगर...

बरसात में हल्के गीले कपड़े और भीगे जूते-मोज़े पहनने की भूल बिलकुल भी न करें। कभी-कभार बारिश में भीगकर उसका आनंद लें, लेकिन लम्बे समय तक भीगे न बैठे रहें। बार-बार और बेवजह न भीगें।

बदलाव के लिए रहें तैयार

बदलता मौसम आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित नहीं करता, लेकिन इसके चलते आपको कुछ शारीरिक और मानसिक बदलावों का सामना ज़रूर करना पड़ सकता है। हां, कमज़ोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्तियों को इस मौसम में ज़्यादा सावधानियां बरतने की ज़रूरत होती है। बेहतर है कि नियमित खानपान पर ध्यान दें, बारिश में ज़्यादा भीगने से बचें और ज़रूरत होने पर चिकित्सक से परामर्श अवश्य लें।

टेस्टी मोदक की रेसिपी

सावन के महीने में ज्यादातर लोग सोमवार का व्रत रखते हैं. ऐसे में आप पकवान में कुछ मीठा बनाकर भगवान शंकर को भोग लगा सकते हैं. हम आपको बताएंगे टेस्टी मोदक की रेसिपी जिसे आप घर पर दुकान जैसा बना सकते हैं. सावन की महीना लगते ही त्योहारों की शुरुआत होने लगती है. पहले तो सावन के सोमवार, फिर तीज और फिर रक्षाबंधन. इन सभी मौकों पर मिठाईयों का खास चलन रहता है. मिठाई के बिना तो त्योहार अधूरा सा लगता है. वहीं दुकानों पर त्योहारों के मौसम में ये मिठाईयां काफी महंगी हो जाती हैं. ऐसे में आप समय से पहले कुछ आसान तरह की मिठाई घर पर ही बना सकते हैं.

मोदक इनमें से एक मिठाई है. ये गणेश जी की प्रिय मिठाई है. लेकिन आप इसे घर पर तैयार करके सावन में भगवान शंकर को भी भोग लगा सकते हैं. आज हम जानेंगे इसकी आसान रेसिपी. मोदक काफी लोगों को पसंद आता है, साथ ही बच्चे भी इसे खूब मन से खाते हैं. आइये जानें मोदक को घर पर दुकान जैसा बनाने की विधि, और इसे आप भोलेनाथ को भोग भी लगाएं....

मोदक बनाने के लिए सामग्री-

2 कप चावल का आटा
2 कप कसा हुआ नारियल
1 कप गुड़
देसी घी
इलायची पाउडर
आधा चम्मच नमक

इस तरह घर पर बनाएं दुकान जैसे मोदक-

1. टेस्टी मोदक बनाने के लिए सबसे पहले आप एक पैन में देसी घी गर्म करके उसमें कसा हुआ नारियाल डालकर भून लें.

2. इसके बाद उसमें थोड़ा सा गुड़ का चूरा मिला लें. फिर एकसाथ दोनों को भूनें और पिघलने दें.

3. इस मिक्सचर को गाढ़ा होने पर इसमें इलायची पाउडर मिलाएं. अब आपका मोदक स्टफिंग तैयार है.

4. अब एक पैन में घी डालें और उसमें नमक डालकर चलाएं. फिर घी में 2 कप पानी डालकर चलाएं.

5. पानी अच्छे से उबलने के बाद उसमें चावल का आटा डालें और पकाएं. आटा चिपकने न पाए इसलिए इसे चलाते रहें.

6. अब चावल को छोड़ी देर ढक कर रख दें.

7. फिर इसे ठंडा होने पर गूंथ लें और मोदक का आटा तैयार है. अब इस आटे की लोई बनाएं और हल्का पतला बेलकर इसमें स्टफिंग भरें.

8. फिर इसे मोदक का आकार दें. अब सारे मोदक को 15 से 20 मिनट के लिए स्टीम कर लें. 9. आपको टोस्टी मोदक तैयार हैं.

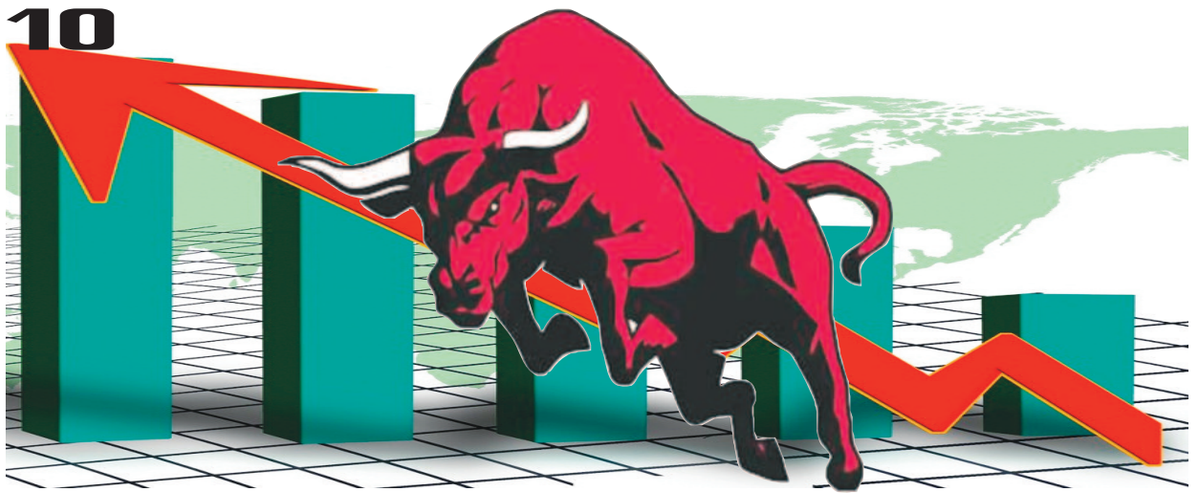

सहारा के निवेशकों का पैसा लौटाने के लिए रिफंड पोर्टल लॉन्च, शाह ने बताया ऐतिहासिक क्षण

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को 'सीआरसीएस-सहारा रिफंड पोर्टल' की शुरुआत की। इस पोर्टल का मकसद सहारा समूह की चार सहकारी समितियों में जमा करोड़ों लोगों की मेहनत की कमाई को लगभग 45 दिनों में वापस करना है। ऐतिहासिक क्षण बताते हुए शाह ने कहा कि यह पहली बार है जब जमाकर्ताओं को ऐसे मामले में उनके रुपये वापस मिल रहे हैं, जहां कई सरकारी एजेंसियां शामिल हैं और प्रत्येक ने संपत्ति जब्त की है।

45 दिनों में मिलेगा रिफंड

गृह मंत्री ने जमाकर्ताओं को भरोसा दिया कि अब उनका धन कोई नहीं रोक सकता है और पोर्टल पर पंजीकरण करने के 45 दिनों में उन्हें रिफंड मिल जाएगा।

10 करोड़ निवेशकों को राहत

सरकार ने 29 मार्च को कहा था कि चारों सहकारी समितियों के 10 करोड़ निवेशकों को नौ महीने के भीतर उनके रुपये लौटा दिए जाएंगे। बता दें, यह घोषणा उच्चतम न्यायालय के उस आदेश के बाद हुई, जिसमें सहारा-सेबी रिफंड खाते से 5,000 करोड़ रुपये सहकारी समितियों के केंद्रीय पंजीयक (सीआरसीएस) को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया गया था।

अधिक निवेश करने वालों की बढ़ेगी राशि

शाह ने कहा कि शुरुआत में जमाकर्ताओं को 10,000 रुपये तक का रिफंड मिलेगा। बाद में जिन्होंने अधिक निवेश किया है उन लोगों के लिए राशि बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 5,000 करोड़ रुपये का कोष पहले चरण में 1.7 करोड़ जमाकर्ताओं को राहत देगा।

ढाई करोड़ लोगों के रुपये जमा

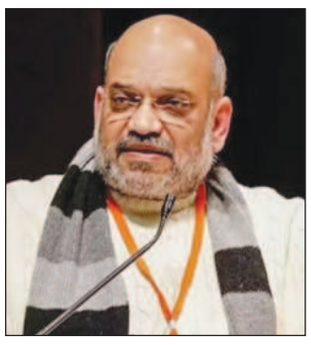

गौरतलब है, चार सहकारी समितियों- सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी लिमिटेड, हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड और स्टार्स मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड में लगभग 2.5 करोड़ लोगों के 30,000 रुपये तक जमा हैं।

सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे गृह मंत्री

शाह ने कहा कि पांच हजार करोड़ रुपये जमाकर्ताओं को दिए जाने के बाद हम उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे और उनसे अधिक धनराशि जारी करने का अनुरोध करेंगे, ताकि बड़ी राशि वाले अन्य जमाकर्ताओं का पूरा धन वापस किया जा सके।

वैध दावे प्रस्तुत करने के लिए पोर्टल

इन सहकारी समितियों के जमाकर्ताओं के वैध दावे प्रस्तुत करने के लिए आईएफसीआई की एक सहायक कंपनी ने पोर्टल विकसित किया है। शाह ने कहा कि इसके लिए दो बातें जरूरी हैं - मोबाइल के साथ आधार पंजीकरण और उस बैंक खाते से आधार को जोड़ना, जिसमें रिफंड जमा करना है। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण के लिए साझा सेवा केंद्र जमाकर्ताओं की मदद करेंगे।

'हिंडनबर्ग रिपोर्ट हमारी छवि खराब करने की कोशिश'

गौतम अदाणी ने फर्म पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर बयान जारी किया है। अपने बयान में अदाणी ने कहा कि 'हिंडनबर्ग रिपोर्ट भ्रामक और निराधार आरोपों पर आधारित थी। रिपोर्ट में जो आरोप लगाए गए वो 2004 से 2015 के बीच के थे और उन्हें उस समय संबंधित अथॉरिटी ने सही कर लिया था। यह रिपोर्ट जानबूझकर हमारी छवि खराब करने की कोशिश थी।'

भारतीय बाजार को अस्थिर करने की कोशिश

अदाणी ने कहा कि रिपोर्ट सामने आने के तुरंत बाद हमने इसका खंडन किया। शॉर्ट सेलर फर्म द्वारा अपने निहित स्वार्थ के लिए इन दावों से फायदा उठाने की कोशिश की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और विभिन्न समाचारों में भ्रामक कहानी को प्रचारित किया गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एक कमेटी का गठन कर मामले की जांच की। मई 2023 में रिपोर्ट सार्वजनिक की गई और इस रिपोर्ट में कोई नियामक गड़बड़ी नहीं मिली। इससे साफ है कि भारतीय बाजार को अस्थिर करने की कोशिश की गई।

एजीएम की बैठक के दौरान कही ये बात

अदाणी समूह की वार्षिक आम सभा (एजीएम) में बोलते हुए कहा कि रिपोर्ट सामने आने के बाद हमने सब्सक्राइब्ड एफपीओ के बावजूद निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए उनके पैसे वापस करने का फैसला किया। अदाणी समूह की वार्षिक आम सभा (एजीएम) में बोलते हुए कहा कि रिपोर्ट सामने आने के बाद हमने सब्सक्राइब्ड एफपीओ के बावजूद निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए उनके पैसे वापस करने का फैसला किया। अदाणी समूह के अध्यक्ष ने कहा कि समूह ने अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से कई अरब डॉलर जुटाए हैं लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी क्रेडिट एजेंसी ने समूह की कंपनियों की रेटिंग में कोई कटौती नहीं की।

पिछले महीने जमकर मिली डिमांड

जून में मनरेगा की मांग 23 महीनों के उच्च स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। महात्मा गांधी नेशनल रूरल एंप्लॉयमेंट गारंटी स्कीम के तहत जून में काम की मांग 23 महीनों के उच्च स्तर पर जा पहुंची है। इसके तहत करीब 33.72 मिलियन हाउसहोल्ड ने इस स्कीम के तहत काम पाने के लिए आवेदन किया। इस तरह ग्रामीण इलाकों में काम की मांग को लेकर अच्छा रुझान देखने को मिला है।

3.37 करोड़ लोगों ने मनरेगा के तहत किया आवेदन

बिजनेस स्टैंडर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक जून में 3.37 करोड़ लोगों ने मनरेगा के तहत काम पाने के लिए आवेदन किया है और ये 23 महीने के उच्च स्तर को दिखाता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक इस डिमांड में तेजी के पीछे वजह रही कि इस साल शुरुआत में बारिश की मात्रा कम रही जिसके चलते रूरल रिकवरी ने डिमांड को आगे बढ़ाया है।

इससे पहले 2 बार डिमांड 3 करोड़ के पार गई थी

इसके अलावा इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले केवल 2 बार मनरेगा के तहत काम की मांग ने 3 करोड़ की संख्या को पार कर लिया था। मई 2020 में ये संख्या 3.3 करोड़ पर रही थी और इसके बाद जून 2020 में ये 3.89 करोड़ पर रही थी। 6 जुलाई को वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले डिपार्टमेंट ऑफ इकनॉमिक अफेयर्स ने रिपोर्ट को जारी करते हुए कहा है कि सरकार के रबी और खरीफ की फसल का एमएसपी बढ़ाने, गन्ने का एफआरपी बढ़ाने और मनरेगा के तहत भत्ता बढ़ने का फायदा खास तौर पर ग्रामीण इलाकों के नागरिकों को मिला है। इसके अलावा ग्रामीण परिवारों में रोजगार की स्थिति में सुधार देखने को मिला है।महात्मा गांधी नेशनल रूरल एंप्लॉयमेंट गारंटी स्कीम एक फ्लैगशिप स्कीम है जिसके अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में रहने वाले परिवारों को साल में कम से कम 100 दिन का रोजगार सुनिश्चित किया जाता है। इसके तहत लाभार्थी को अनस्किल्ड मैनुअल काम दिया जाता है और उन्हें 100 दिन की मजदूरी मिलनी सुनिश्चित की जाती है।

खुशखबरी! दाल की कीमतों पर लगेगी लगाम

सरकार ने लॉन्च की 60 रुपये किलो वाली 'भारत दाल'

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। टमाटर प्याज की बढ़ती कीमतों के बाद अब दाल के दाम पर भी लगाम लगाने के लिए सरकार एक्शन मोड में है। केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने देश में चना दाल को रियायती दाम पर बेचने का फैसला किया है। सरकार ने 'भारत दाल' नाम से बाजार में कम कीमत पर चना दाल बेचने का फैसला किया है। इसमें सरकार 60 रुपये किलो की दर से चना दाल बचेगी। वहीं 30 किलो के पैकेज को 55 रुपये प्रति किलो के दर से बेचा जाएगा। ध्यान देने वाली बात ये है कि चना दाल दिल्ली-एनसीआर में नाफेड कम दाम में बेच रहा है। इसके अलावा यह एनसीसीएफ, केंद्रीय भंडार और मदर डेयरी के सफल केंद्रों में भी भारत दाल बेची जाएगी।

देशभर में इन स्टोर्स पर होगी सस्ते चले दाल की बिक्री

केंद्रीय उपभोक्ता खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने इस मामले पर जानकारी देते हुए बताया है कि देश में सस्ते चना दाल की बिक्री भारत दाल के ब्रांड के तहत की जाएगी। इसमें सरकार आम लोगों को सस्ती चना दाल मुहैया कराएगी। इस दाल की बिक्री देशभर के 703 नाफेड स्टोर पर की जाएगी। सरकार अपने पास पड़े चने के स्टॉक को चना दाल में बदलकर ग्राहकों को राहत प्रदान करने की कवायद में लगी है।

बड़े पैमाने पर चने की होती है खपत

भारत में सबसे ज्यादा जिस दाल का उत्पादन होता है वह है चना दाल। चना दाल को लोग सुबह के नाश्ते से लेकर दिन के खाने तक में सेवन करते हैं। इसके अलावा इस दाल के जरिए बेसन बनाया जाता है जिसे नमकीन, नाश्ते और मिठाइयों को बनाने के लिए यूज किया जाता है। ऐसे में इसकी खपत उत्तर से लेकर दक्षिण तक सभी राज्यों में बड़े पैमाने पर होती है। गौरतलब है कि चना दाल से पहले सरकार ने टमाटर की बढ़ती कीमतों को देखते हुए सस्ती दरों पर टमाटर बेचने का फैसला किया है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में सस्ते टमाटर की बिक्री की जा रही है। वहीं एनएएफईडी भी बिहार, पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में रियायती दरों पर टमाटर की बिक्री कर रही है।

सोना-चांदी खरीदना आज पड़ेगा महंगा

गोल्ड और सिल्वर के ताजा रेट

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी देखी जा रही है और इसके चलते सोना और चांदी उछाल के साथ कारोबार कर रहे हैं। देश के अलग-अलग शहरों में आज सोने और चांदी के दाम में उछाल देखा जा रहा है। ग्लोबल डिमांड में तेजी और करेंसी बाजार में डॉलर की नरमी का असर बुलियन मार्केट पर देखा जा रहा है और इसके असर से सोना और चांदी तेजी के साथ बने हुए हैं।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना आज उछाल के साथ कारोबार कर रहा है। इसके दाम में 145 रुपये या 0.25 फीसदी की मजबूती देखी जा रही है। सोना आज 59280 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर कारोबार कर रहा है। इसके नीचे के रेट देखें तो ये 59215 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गया था। वहीं ऊपर में रेट देखें तो ये 59313 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गया था। सोने के ये दाम इसके अगस्त वायदा के लिए हैं।

एमसीएक्स पर चांदी के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी आज 250 रुपये से ज्यादा चढ़कर कारोबार कर रही है। चांदी में आज 257 रुपये या 0.34 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार देखा जा रहा है और ये 75824 रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर रही है। चांदी में नीचे की तरफ 75714 रुपये प्रति किलो और ऊपर में 75899 रुपये प्रति किलो तक के स्तर देखे गए हैं। चांदी के ये लेवल इसके अगस्त वायदा के लिए हैं।

दिल्ली: 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना बिना किसी बदलाव के 60,130 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है मुंबई: 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 120 रुपये की तेजी के साथ 60,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। चेन्नई: 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 160 रुपये की तेजी के साथ 60,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। कोलकाता: 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 120 रुपये की तेजी के साथ 60,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है।

लगातार दूसरे दिन हरे निशान में बंद हुआ शेयर बाजार

67,000 के आंकड़े को छूने में सेंसेक्स रहा कामयाब

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए आज का ट्रेडिंग सत्र यादगार रहा। दिन में कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स पहली बार 67,000 के आंकड़े के ऐतिहासिक आंकड़े के पार जाने में सफल रहा। हालांकि ऊपरी लेवल से बाजार में बिकवाली आ गई। हालांकि आज के कारोबार के खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 205 अंकों की तेजी के साथ 66,795 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 38 अंकों के उछाल के साथ 19,749 अंकों पर बंद हुआ है। आज के कारोबारी सत्र में आईटी, एनर्जी, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में शानदार खरीदारी देखी गई। पर बैंकिंग, ऑटो, फार्मा, मीडिया, रियल एस्टेट, मेटल्स, रियल एस्टेट सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखी गई। आज के ट्रेड में स्मॉल कैप और मिड कैप स्टॉक्स लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 15 शेयर तेजी के साथ और 15 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 20 तेजी के साथ और 30 गिरकर बंद हुए। आज के ट्रेड में इंफोसिस के स्टॉक में शानदार तेजी देखी गई। 20 जुलाई को कंपनी के तिमाही नतीजे घोषित होंगे उसके पहले शेयर में तेजी है। इसके अलावा एशियन पेंट्स 1.51 फीसदी, एसचीएल टेक 1.07 फीसदी, रिलायंस 0.93 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.66 फीसदी, एनटीपीसी 0.48 फीसदी, विप्रो 0.43 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.35 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि एसबीआई 1.45 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.29 फीसदी, टाइटन कंपनी 1.28 फीसदी, सन फार्मा 1.08 फीसदी, टाटा स्टील 1.02 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.99 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। शेयर बाजार के तेजी के साथ बंद होने के बावजूद बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के स्टॉक्स के मार्केट कैप में गिरावट देखने को मिली है। 0आज कारोबार खत्म होने पर बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 303.11 लाख करोड़ रुपये रहा है जबकि सोमवार के कारोबार में 303.88 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के ट्रेड में मार्केट कैप में 77,000 करोड़ रुपये की गिरावट आई है।

क्या यूपी के इन तीन ग्रामीण बैंकों का होगा विलय?

सरकार ने नोटिफिकेशन पर कही यह बात

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले कुछ वक्त में देश में कई बैंकों का विलय किया गया है। ऐसे में उत्तर प्रदेश के तीन ग्रामीण बैंकों के एकीकरण को लेकर तमाम खबरें आ रही थी। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक खबर तेजी से वायरल हो रही है कि यूपी के तीन ग्रामीण बैंकों का विलय किया जा रहा है। इस खबर के आने के बाद से बैंक के ग्राहकों के बीच अनिश्चितता का माहौल है। जिन बैंकों के विलय की खबर सोशल मीडिया पर वायरल है वह बैंक है बड़ौदा उत्तर प्रदेश बैंक , आर्यावर्त बैंक और प्रथमा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ।

वित्त मंत्रालय ने नोटिफिकेशन किया जारी?

गौरतलब है कि पिछले कुछ वक्त से सोशल मीडिया पर वित्त मंत्रालय का एक नोटिफिकेशन वायरल है जिसमें यह दावा किया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के तीन बड़े ग्रामीण बैंक जैसे प्रथमा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, आर्यावर्त बैंक और बड़ौदा उत्तर प्रदेश बैंकों का विलय किया जा रहा है। इस नोटिफिकेशन के वायरल होने के बाद वित्त मंत्रालय ने इस मामले पर संज्ञान लिया है। इसके बाद डीएफएस ने जानकारी दी है कि यह नोटिफिकेशन पूरी तरह से गलत है और सरकार ने इस तरह का कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं किया है। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने वायरल हो रही खबर को सिरे से नकारते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश के तीन बड़े ग्रामीण बैंकों के विलय पर वित्त मंत्रालय ने किसी तरह का नोटिफिकेशन जारी नहीं किया है। इसके साथ ही सरकार ने बैंकों के विलय पर कोई अधिसूचना नहीं जारी किया है।

टमाटर ने बिगाड़ा घर का बजट, महंगाई बढ़ने का खतरा, आरबीआई ने जारी किया बुलेटिन

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। टमाटर की आसमान छूती कीमतों ने घरों का बजट बिगाड़ दिया है। चिंताजनक बात यह है कि इसका अन्य उत्पादों की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है, जिससे महंगाई बढ़ने का जोखिम बना हुआ है। आरबीआई ने सोमवार को एक लेख में कहा, पिछले कुछ दिनों में टमाटर के दाम 250 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। इसका मुख्य कारण बारिश और कीटों के हमले के कारण टमाटर की फसल को होने वाला नुकसान है। खुदरा कीमतों में भारी वृद्धि के बीच केंद्र ने लोगों को राहत देने के लिए 80 रुपये प्रति किलोग्राम पर टमाटर बेचना शुरू कर दिया है। हालांकि, टमाटर के दाम

घटने लगे हैं। सोमवार को इसकी अखिल भारतीय औसत कीमत लगभग 120 रुपये प्रति किलोग्राम रही। एजेंसी

आपूर्ति श्रृंखला में व्यापक सुधार की जरूरत

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा की अगुवाई वाली टीम के लेख के मुताबिक, समग्र महंगाई में अस्थिरता लाने में टमाटर की कीमतों का ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसकी आसमान छूती कीमतों का खुदरा और थोक बाजारों में अन्य सब्जियों के दाम पर असर पड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में कीमतों में बढ़ोतरी से समग्र महंगाई की अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए आपूर्ति श्रृंखला में सुधार की जरूरत है।

केंद्रीय बैंक ने की 7.37 अरब डॉलर की खरीदारी

आरबीआई ने मई, 2023 में 7.37 अरब डॉलर की खरीदारी की। अप्रैल में केंद्रीय बैंक ने शुद्ध रूप से 7.70 अरब डॉलर की खरीदारी की थी। उधर, मई में डॉलर के मुकाबले रुपये में एक फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली।

विकसित देश बनने को 7.6% की वृद्धि दर जरूरी

अगले 25 वर्षों में 7.6 फीसदी की औसत वार्षिक वास्तविक वृद्धि दर के साथ ही भारत 2047 तक एक विकसित देश बन सकता है। हालांकि, पूंजी भंडार, बुनियादी ढांचे और लोगों के कौशल के मौजूदा स्तर को देखते हुए यह कार्य आसान नहीं होगा। केंद्रीय बैंक ने 'भारत@100' रिपोर्ट में कहा, विकसित देश बनने के लिए भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी को मौजूदा स्तर से 8.8 गुना बढ़ाने की जरूरत है। अभी प्रति व्यक्ति जीडीपी 2,500 डॉलर है, जिसे बढ़ाकर 22,000 डॉलर करना होगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	में	मेष--	23-47 बजे
चंद्र-	कर्क	में	वृष--	01-32 बजे
मंगल	सिंह	में	मिथुन..	03-33 बजे
बुध-	कर्क	पें	कर्क...	05-45 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	07-57 बजे
शुक्र-	सिंह	में	कन्या..	10-04 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	12-09 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	14-19 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	16-32 बजे
			मकर..	18-39 बजे
			कुंभ...	20-30 बजे
			मीन ..	22-08 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-**वर्षा**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **05-54** सूर्य अस्त- **18-50**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - **04 -30** तक उपरान्त तृतीया
मास - अ.श्रावण शुक्ल पक्ष , बुधवार **July 19**
नक्षत्र - पुष्य - **07-57** तक उपरान्त आश्लेषा
योग - वज्र - **10 - 24** - तक उप सिद्ध
करण- बालव **-15 -19** - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ अमृत सिद्ध योग- **05-56** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 12:22 से 13:59 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05:54 - 07:30 शुभ	उत्पात	18:50 - 20:15 अशुभ
अमृत	07:30 - 09:07 शुभ	शुभ	20:15 - 21:37 शुभ
काल	09:07 - 10:45 अशुभ	अमृत	21:37 - 22:59 शुभ
शुभ	10:45 - 12:22 शुभ	चंचल	22:59 - 00:23 शुभ
रोग	12:22 - 13:59 अशुभ	रोग	00:23 - 01:45 अशुभ
उत्पात	13:59 - 15:37 अशुभ	काल	01:45 - 03:08 अशुभ
चंचल	15:37 - 17:15 शुभ	लाभ	03:08 - 04:30 शुभ
लाभ	17:15 - 18:50 शुभ	उत्पात	04:30 - 05:54 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आप हंसी-मजाक के मूड में हैं। अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है,उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है । आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं । फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे । जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज सावधान रहें । आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी । इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आपके वित्तीय संसाधनो का विस्तार होगा जिसका लाभ लेने के लिए आप पूरी तरह तैयार है । आप आज अपने घर , व्यवसाय या वाहन के लिए भी ऋण के लिए आवदेन कर सकते है जो की आराम से मंजूर हो जायेगा । जिन विद्यार्थियों ने शिक्षा ऋण के लिए आवदेन किआ हुआ है उन्हें भी शुभ सन्देश की प्राप्ति होगी । आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे। कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी | आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे । इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें । असावधान रहेंगे तो किसी से मुठभेड़ हो सकती है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपके व्यावसायिक कौशल में तेजी आयेगी और आप एक मजबूत भावना के साथ पेशेवर दौड़ में वापस स्थापित होंगे । आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे और अभी तक आप अपने कार्य और पद की तुलना में काफी अल्प आय प्राप्त कर रहे थे।अगर आप अपने लिए बिलकुल परफेक्ट आदमी ढूँढना चाहते हैं तो न ढूँढें।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आप अपने आप पर संदेह कर सकते है और अपनी खुद की क्षमता को नजरअंदाज कर सकते हैं। यह सब आपके असुरक्षित व्यवहार की वजह से है जिसे आपको नियंत्रित करना होगा । एक गहरे स्तर पर दूसरों के साथ संदेशो का आदान प्रदान करने का प्रयास करें। इससे न केवल आप उन लोगों के साथ बेहतर सम्बन्ध बना सकोगे बल्कि आप कार्य प्रणाली को भी बेहतर तरीके से समझ पाओगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

सीमा हैदर के 4 मोबाइल फोरेंसिक लैब नहीं पहुंचे

शक की वजह- 2 पासपोर्ट, हर डॉक्यूमेंट में उम्र अलग, 5वीं पास की हिंदी-अंग्रेजी फर्राटेदार

ग्रेटर नोएडा, 18 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। सीमा हैदर की जांच में यूपी पुलिस, इंटेलिजेंस ब्यूरो के बाद एंटी टेररिस्ट स्क्वाड, यानी एटीएस की एंट्री भी हो गई। 17 जुलाई को यूपी एटीएसकी टीम ने ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा गांव से सीमा और उसके कथित पति सचिन को हिरासत में ले लिया। दोनों से 6 घंटे तक अलग-अलग पूछताछ की। भारत में सीमा पर शक बढ़ता जा रहा है, तो पाकिस्तान के सिंध में सीमा से गुस्साए डाकू हिंदुओं पर हमले कर रहे हैं।

यूपी पुलिस, एटीएस और आईबी, सीमा और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के कनेक्शन की जांच कर रही हैं। सीमा के फोन कॉल डिटेल, पाकिस्तान से दुबई, फिर काठमांडू और वहां से ग्रेटर नोएडा तक पहुंचने की स्टोरी को वेरीफाई किया जा रहा है। पूरी जांच में सीमा के दो पासपोर्ट और 4 मोबाइल सबसे ज्यादा शक के घेरे में हैं। आईबी को इनपुट मिला है कि सीमा हैदर का भाई पाकिस्तानी सेना में है। चाचा भी सेना में सूबेदार हैं। पहले सीमा ने कहा था कि उसका भाई सेना में नहीं है, बल्कि भर्ती की तैयारी कर रहा है। पड़ताल में सामने आया है कि पहली बार सीमा की गिरफ्तारी के 14 दिन बाद भी पुलिस उसके मोबाइल फोरेंसिक लैब नहीं भेज पाई है।

सीमा के खिलाफ जारी जांच की अपडेट के लिए रबूपुरा थाने के इंचार्ज सुधीर कुमार और जेवर थाने के इंचार्ज मनोज कुमार सिंह ने बताया कि ये केस पहले रबूपुरा थाने के पास था। सीमा की रिहाई यानी 7 जुलाई से पहले ही हाई लेवल जांच के लिए इस केस को ग्रेटर नोएडा के जेवर थाने में ट्रांसफर कर दिया गया।

सूत्रों के मुताबिक यूपी एटीएस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पाकिस्तान से भारत आने के दौरान सीमा किस-किस से मिली और किन लोगों ने उसकी मदद की। सीमा हैदर ने अपने सिम से किन लोगों से बात की। उसके पास कितने मोबाइल फोन और मोबाइल नंबर हैं। सीमा का बातचीत का तरीका और उसकी हिंदू संस्कृति की जानकारी की वजह से जांच एजेंसियां सीमा को शक की नजर से देख रही हैं। उनका मानना है कि ऐसा अच्छी ट्रेनिंग से ही हो सकता है।

सीमा पाकिस्तान से आई है और वापस जाने पर जान से मार दिए जाने का खतरा बता रही है। सीमा बिना किसी ट्रेनिंग के इंडियन मीडिया से जैसे बात कर रही है और जितनी सहज है, ये सवालों के घेरे में है। 10 दिन इंडिया में रहने के बाद से ही सीमा बोलचाल में शुद्ध हिंदी और अंग्रेजी शब्दों का इस्तेमाल कर रही है। उर्दू बोलने वाली सीमा अचानक शुद्ध हिंदी बोलने लगती है। हिंदू संस्कृति के बारे में भी उसे काफी जानकारी है। सीमा के पास 2 पासपोर्ट और 4 मोबाइल फोन के अलावा फर्जी डॉक्यूमेंट भी मिले हैं।

5वीं पास सीमा ऑनलाइन गेम पबजी की अच्छी प्लेयर है। उसने मारिया खान के नाम से आईडी बनाई थी। सीमा ने नाम बदलकर आईडी क्यों बनाई? सीमा के हर डॉक्यूमेंट में उसकी उम्र अलग है। वो खुद को 27 साल का बताती है, हालांकि पाकिस्तान में एक डॉक्यूमेंट वायरल हो रहा है, जिसमें उसकी डेट ऑफ बर्थ 1990 से पहले की है। सीमा ने ये एफिडेविट शादी के वक्त दिया था। इस पर 15 फरवरी 2014 की तारीख लिखी है। तब सीमा ने अपनी उम्र 20 साल बताई थी, इस हिसाब से उसकी उम्र अभी 29 साल है।

दोनों थाना इंचार्ज से बात करने के बाद ये पता चला है कि ये केस फिलहाल पूछताछ के लेवल पर ही है। सीमा के 4 मोबाइल, जिनसे संवेदनशील डेटा और लोकेशन पता की जानी थी, 13 दिन बाद भी फोरेंसिक लैब तक नहीं पहुंच पाए हैं। उधर, भारतीय मीडिया में सीमा को किसी सेलिब्रिटी की तरह कवरेज मिल रही है।

भारत को खतरा मोल नहीं लेना चाहिए

पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह कहते हैं, 'सीमा को फ्री में पब्लिसिटी मिल रही है। उसकी पांचों उंगलियां घी में और सर कढ़ाई में है। आप इसे बारीकी से देखें, तो ये सब इतना सहज नहीं है, जितना दिख रहा। उसके तौर-तरीके और लहजा बता रहा है कि उसकी ट्रेनिंग हुई है। इसे कंसीलमेंट कहते हैं।' 'किसी देश में जासूस भेजने से पहले उसे वहां

के तौर-तरीके, भाषा और लहजा पूरी तरह से सिखाया जाता है, ताकि वह वहां रम जाए। क्या पता उसके बच्चे स्लीपर सेल की तरह हों। भविष्य में वे अपने रोल में आएं। हालांकि, ये शक जांच के बाद ही पुख्ता होंगे।' जांच की प्रोसेस धीमी होने पर वे कहते हैं कि ऑलरेडी 2 महीने से ज्यादा का समय हो चुका है। सभी जांच एजेंसियां इस मामले की छानबीन में लगी होंगी। पुलिस भी जांच कर ही रही होगी। मैं नहीं जानता कि जांच कहां तक पहुंची।'

दूसरी तरफ बिहार के पूर्व डीजीपी अभयानंद कहते हैं, 'हमें सीमा को यहां रखकर खतरा मोल नहीं लेना चाहिए। उसे डिपोर्ट करने में दिक्कत क्या है? अब तक उसके मोबाइल फोरेंसिक लैब नहीं भेजे गए। इतने संवेदनशील मामले में लैब में भेजने में तो इतना वक्त नहीं लगना चाहिए। लैब में जाने के बाद जांच में ठीक-ठाक समय लगता है।'

'दुश्मन मुल्क की सीमा सच में प्यार के चक्कर में आई है या किसी साजिश का हिस्सा है, यह जांच पूरी होने के बाद ही तय होगा। जांच का पहला और सबसे अहम कदम उसके मोबाइल्स की फोरेंसिक जांच है।'

सीमा के पास मिली चीजों ने शक बढ़ाया

सीमा हैदर 4 जुलाई को गिरफ्तार हुई। करीब डेढ़ महीने तक बिना पहचान बताए रबूपुरा गांव में सचिन की पत्नी बनकर रहती रही। कोर्ट मैरिज करने के लिए उसने वकील से संपर्क साधा तो बात पुलिस तक पहुंची। 4 जुलाई को सीमा, सचिन और सचिन के पिता नेत्रपाल की गिरफ्तारी हुई। रबूपुरा थाने की पुलिस ने सीमा से कई दस्तावेज और मोबाइल बरामद किए। सीमा हैदर के दो पासपोर्ट। एक सीमा के नाम से है, तो दूसरा सीमा हैदर जैदी के नाम से। बच्चों के 4 पासपोर्ट। 4 अलग-अलग मोबाइल फोन और नंबर। इनमें से एक भारत आने से ठीक पहले खरीदा। कुछ कपड़े और मेकअप का सामान है।

सीमा और उसके परिवार का पाकिस्तान में बना फैमिली रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट। ये सीमा के नाम से ही बना था। इसमें सीमा का बर्थ ईयर 2002 लिखा है। रबूपुरा थाने के थानाध्यक्ष सुधीर कुमार ने बताया कि सबसे ज्यादा शक के घेरे में 4 मोबाइल और दो पासपोर्ट हैं। सभी मोबाइल एंड्रॉयड हैं। दो पासपोर्ट में नाम अलग-अलग होना भी शक बढ़ाता है। इस सब पर हमने उससे पूछताछ की है। आगे की जांच के लिए सीमा-सचिन की रिहाई से पहले ही ये केस जेवर थाने में ट्रांसफर कर दिया गया है। हमने जो चीजें बरामद कीं, वे सब भी जेवर थाने को सौंप दी हैं।

जेवर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया, 'हमने पूछताछ की है और अभी यह जारी रहेगी।' उनसे पूछा गया कि मोबाइल से क्या डेटा रिकवर हुआ है, तो जवाब मिला, 'अभी मोबाइल को हम फोरेंसिक लैब भेजने की तैयारी कर रहे हैं। उसके बाद ही डेटा रिकवरी और उसकी साइंटिफिक एनालिसिस होगी।' फोरेंसिक लैब में मोबाइल कब तक पहुंचेंगे। इस पर जवाब मिला, 'लैब में भेजने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद।' हम कम से कम समय में जांच रिपोर्ट के लिए रिक्वेस्ट करेंगे।' क्या सीमा के पति गुलाम हैदर से बातचीत हुई है। जवाब मिला, 'हम देश के भीतर ही अभी पूछताछ कर रहे हैं। सीमा के कथित प्रेमी सचिन से बात हुई है। उसके घरवालों से हुई है।'

बिहार के पूर्व डीजीपी अभयानंद कहते हैं, 'हमें सीमा को वापस उसके देश भेज देना चाहिए। गैरकानूनी तरह से भारत में दाखिल होना और अब यहां एक परिवार के साथ रहना खतरा बन सकता है।' मोबाइल फोन फोरेंसिक लैब में भेजने की प्रक्रिया पर उन्होंने बताया, 'फोरेंसिक लैब में मोबाइल भेजना इतना मुश्किल नहीं है। मामला इतना संवेदनशील हो, तो जल्द उसे लैब में भेज देना चाहिए ताकि रिपोर्ट भी जल्दी आ जाए।'

अभयानंद कहते हैं, 'लैब में भेजने की प्रक्रिया के तहत सबसे पहले पुलिस सेट ऑफ क्वेश्चन बनाती है। यानी जिनके जवाब उसे एक्सपर्ट से चाहिए। फिर चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के पास एक पिटीशन डाली जाती है कि वे उन्हें मोबाइल को फोरेंसिक लैब में भेजने की परमिशन दें। अमूमन सीजेएम इतने संवेदनशील मामले में तुरंत परमिशन दे देते हैं।'

वे कहते हैं, 'सीमा को नेपाल तक का वीजा मिला था, तो उसे नेपाल में ही रहना था। भारत नहीं आना था। दूसरी बात वीजा ऑफिस सरकार का प्रतिनिधित्व करता है। उसे भारत से वीजा नहीं मिला, तो कोई कारण रहा होगा। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।'

हालांकि सीमा को डिपोर्ट करने के सवाल पर पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह कहते हैं, 'ये इतना आसान नहीं है। सीमा आरोपी है। उस पर केस चल रहा है। वह जमानत पर रिहा है। जब तक कोर्ट से फैसला नहीं आएगा, तब तक सीमा को भेजा नहीं जा सकता। फैसले से उसे जेल होगी या फिर कुछ और, लेकिन आरोपों की सच्चाई सामने आने तक उसे डिपोर्ट नहीं किया जा सकता। तब तक सीमा पर कड़ी नजर रखना चुनौती भी है और बहुत जरूरी भी।'

सीमा पर पाकिस्तान से इंडिया तक बवाल

पाकिस्तान के उत्तरी सिंध के जिले कश्मूर कंध कोट के औगाही गांव में 15 जुलाई की रात दरबार डेरा बाबा सांवल शाह मंदिर पर कुछ डाकुओं ने फायरिंग की। मंदिर के पुजारियों ने आसपास के घरों में छिपकर जान बचाई। ये सब सीमा हैदर के लिए हुआ। कश्मूर कंध कोट के एसएसपी इरफान सैम्मो के मुताबिक, डाकू रानू शर पर इस हमले का शक है, इसने ही सीमा के वापस न आने पर हिंदुओं पर हमले की धमकी दी थी।

इधर, खुद को गौरक्षा दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताने वाले वेद नागर ने 72 घंटे में सीमा को वापस न भेजने पर आंदोलन की धमकी दी है। इससे पहले 12 जुलाई को मुंबई पुलिस के ट्रैफिक कंट्रोल रूम को फोन पर धमकी मिली कि सीमा को लौटा दो, नहीं तो 26/11 जैसा अटैक होगा। कॉलर उर्दू में बात कर रहा था।

एसटी-एससी युवाओं का नग्न प्रदर्शन

विधानसभा घेरने नग्न होकर दौड़ रहे थे प्रदर्शनकारी, पीछे लौट रहा था मंत्रियों का काफिला

रायपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मंगलवार को एसटी-एससी युवाओं ने पूरी तरह से नग्न होकर प्रदर्शन किया है। उन्होंने फर्जी जाति सर्टिफिकेट बनवाकर सरकारी नौकरी करने वालों के खिलाफ सरकार से कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध जताया है। प्रदर्शनकारी नग्न होकर विधानसभा घेराव करने निकले, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

विधानसभा सत्र में शामिल होने जा रहे मंत्री रुद्रगुरु अनिला भेड़िया का काफिला गुजर रहा था उसी समय युवाओं ने नग्न प्रदर्शन किया है। इस विरोध-प्रदर्शन को पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने कांग्रेस सरकार की नाकामी करार दिया है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में इन दिनों फर्जी जाति प्रमाणपत्र के आधार पर सरकारी नौकरी करने का मामला गरमाया हुआ है। राज्य निर्माण के बाद कई सरकारी विभागों को लगातार शिकायतें मिल रही थी कि उनके यहां कई गैर आरक्षित वर्ग के लोगों ने फर्जी जाति सर्टिफिकेट बनाकर सरकारी नौकरी हासिल की है।

मामले के तूल पकड़ने के बाद सरकार ने उच्चस्तरीय जाति छानबीन समिति गठित कर दी, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर सामान्य प्रशासन विभाग ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे अधिकारियों-कर्मचारियों को बर्खास्त करने का आदेश जारी कर दिया। सरकार के इस आदेश के बाद कई लोग कोर्ट पहुंच गए। इस बीच इनमें से कई रिटायर भी हो गए। कुल मिलाकर इस सरकारी आदेश का अब तक पालन नहीं हो पाया। ऐसे में कई ऐसे अधिकारी-कर्मचारी ऐसे हैं, जो आज भी नौकरी पर बने हुए हैं। इस मामले में अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के युवाओं ने इनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी कर रहे लोगों को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि फर्जी कास्ट सर्टिफिकेट के आधार पर करीब 267 लोग सरकारी पदों पर बने हुए हैं। 3 साल पहले ही इन्हें बर्खास्त करने का आदेश जारी हुआ, लेकिन वे अब भी नौकरी कर रहे हैं। इनके खिलाफ बर्खास्तगी की कार्रवाई

हुई ही नहीं। युवाओं ने कहा कि वे इस मामले को लेकर कई बार विरोध-प्रदर्शन कर चुके हैं, आमरण अनशन तक कर चुके हैं, लेकिन राज्य सरकार कोई कार्रवाई फर्जी कर्मचारियों पर नहीं कर रही है। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारे भी लगाए।

कुछ दिनों से युवा धरना देकर कर रहे थे प्रदर्शन

कुछ दिनों पहले से ये युवा धरने पर बैठ गए थे। प्रदर्शन के दौरान कई लोगों की तबीयत भी बिगड़ गई थी। मंगलवार को नग्न प्रदर्शन में शामिल अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के युवा नेता विनय कौशल ने बताया कि वे लंबे समय से अधिकारियों के साथ आदेश पर कार्रवाई करने को लेकर चर्चा कर रहे थे। जब उन्होंने अधिकारियों से बात की, तो उन्होंने ऊपर से दबाव होने की बात कही। हमारे संगठन द्वारा उन्हें निर्वस्त्र प्रदर्शन की चेतावनी भी दी गई थी। आज हम निर्वस्त्र प्रदर्शन कर सरकार को नींद से जगाने का काम कर रहे हैं।

विनय ने कहा कि हम अपने हक और जायज अधिकारों के लिए अपनी इज्जत सरेआम नीलाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का ये उदासीन रवैया ठीक नहीं है। इधर युवाओं के नग्न प्रदर्शन को देख रास्ते में गुजरने वाले लोग भी हैरान रह गए और उनकी नजरें शर्म से झुक गईं।

सरकार की गठित समिति ने पाए 267 मामले फर्जी

छत्तीसगढ़ सरकार ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र की शिकायतों की जांच करने उच्चस्तरीय जाति छानबीन समिति का गठन किया था। समिति को वर्ष 2000 से लेकर 2020 तक के कुल 758 प्रकरण मिले, जिसमें से 659 की जांच की गई। इसमें 267 प्रकरणों में जाति प्रमाण पत्र फर्जी पाए गए। लगभग सभी सरकारी विभागों में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के मामले पाए गए हैं।

इसमें सबसे अधिक खेल एवं युवा कल्याण विभाग में 44 मामले हैं, वहीं भिलाई स्पात संयंत्र में 18 और सामान्य प्रशासन विभाग और कृषि विभाग में 14-14 मामले हैं। इस तरह प्रत्येक विभाग में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के मामले हैं, जिसकी जांच पूरी होने औरकार्रवाई के सरका री आदेश के बाद भी कोई एक्शन नहीं लिया गया है।

अल्ट्राटेक प्लांट में बड़ा धमाका, 3 लोगों की मौत

बलौदा बाजार, 18 जुलाई (एजेंसियां)। बलौदा बाजार जिले के हिरमी में स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में बड़ा धमका हुआ है। जिसकी चपेट में आने से 3 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 2 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। धमाका इतना जबरदस्त की तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों के चीथड़े उड़ गए। बताया जा रहा है कि अचानक से ऑक्सीजन सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। जिसके चलते यह हादसा हुआ है।

हादसे के बाद मौके पर काम कर रहे कर्मचारी इधर-उधर भागने लगे। वहीं घायलों को किसी तरह से अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से उन्हें रायपुर रेफर किया गया है। घटना की पुष्टि एसएसपी दीपक कुमार झा ने की है। मौके पर पुलिस की टीम भी पहुंच गई है। मंगलवार दोपहर के वक्त मजदूर लाईन टू में काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक से ब्लास्ट हुआ। हादसा करीब 3.30 बजे के आस-पास हुआ है। ऐसा कहा जा रहा है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। वहीं हादसे के बाद प्लांट के मजदूरों ने काम बंद कर दिया और धरने पर बैठ गए हैं।

स्टील कारोबारियों के ठिकानों पर आईटी रेड

रायपुर, बिलासपुर में उद्योगपतियों के घर, दफ्तर और फैक्ट्री में दबिश, 20 गाड़ियों में पहुंचे अफसर

बिलासपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में आयकर विभाग ने इस्पात कारोबारी के ठिकानों पर दबिश दी है। बताया जा रहा है कि मंगलवार की तड़के 20 से अधिक गाड़ियों में सवार होकर पहुंची टीम फैक्ट्री, ऑफिस सहित अन्य जगहों पर जांच कर रही है। उनके खिलाफ इनकम टैक्स चोरी करने के आरोप पर कार्रवाई चल रही है।

सत्या पावर के डॉयरेक्टर रामअवतार और पवन अग्रवाल हैं, जो श्रीकांत वर्मा मार्ग स्थित हंसा विहार कॉलोनी में रहते हैं। सत्या पॉवर कम्पनी के साथ ही सड़क निर्माण कोल बेनिफिकेशन और स्टील कारोबारी अग्रवाल के घर और उनके रतनपुर स्थित फैक्ट्री में भी दस्तावेजों की जांच जारी है।

रायपुर में भी वंदना ग्लोबल के सभी ठिकानों पर भी छापेमार करवाई की गई है। राजधानी के ईश्वर ग्रुप एंड ईश्वर टीएमटी में भी आयकर अफसर दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। तड़के सुबह यहां सीआरपीएफ जवानों के साथ इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के अधिकारी पहुंचे हैं।

अग्रवाल के घर दो साल पहले भी आयकर विभाग की टीम ने उनके यहां छापेमारी की थी। बिलासपुर के ही जगमल चौक निवासी सुशील झांझरिया के यहां भी इनकम टैक्स की टीम दस्तावेजों की जांच कर रही है। सुशील रेलवे के कांट्रैक्टर बताए जा रहे हैं।

20 से अधिक गाड़ियों में पहुंचे अफसर

आयकर विभाग की टीम में 15 से 20 सदस्य शामिल हैं, जो 20 से अधिक गाड़ियों में पहुंचे हैं। कारोबारी के बंगले के सामने सेंट्रल रिजर्व फोर्स के जवान तैनात है, जो किसी को भी घर से बाहर नहीं निकलने दे रहे हैं। टीम के सदस्य एक साथ घर, कार्यालय और फैक्ट्री में पहुंचे हैं और दस्तावेज खंगाल रहे हैं।

झारखंड में अभी और होगी बारिश

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

रांची, 18 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हुई है। राज्य में अभी इसी तरह का मौसम रहेगा कई हिस्सों में बारिश होगी। बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर का असर धनबाद में नजर आ रहा है। अगले दो-तीन दिनों तक अच्छी बारिश की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बन रहे लो प्रेशर का मुख्य केंद्र ओडिशा है। बंगाल से सटे धनबाद सहित झारखंड के कुछ हिस्सों में अच्छी बारिश की संभावना जाहिर की गयी है। राज्य के लगभग सभी इलाकों में मानसून सक्रिय है। करीब-करीब पूरे राज्य में बारिश हो रही है। 18 जुलाई यानि आज बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है। इसका असर आगे एक-दो दिनों में रहेगा। झारखंड में 18 जून को संताल परगना के रास्ते मानसून ने दस्तक दी थी। आज एक महीना पूरा हो गया। एक महीने के दौरान राज्य में सामान्य से करीब 41 प्रतिशत कम बारिश हुई हालांकि इस महीने मौसम ने अपना मिजाज बदला है और राज्य के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हो रही है। अगर पिछले 24 घंटे के आंकड़े पर नजर डालें तो झारखंड में पिछले 24 घंटे में लगभग सभी जगहों पर बारिश हुई है। सबसे अधिक 43.7 मिलीमीटर बारिश पाकुड़ के महेशपुर में दर्ज की गयी है। बालूमाथ में 42, पालगंज में 33.4, भरनो में 42.8, सिसई में 28.2, दुमका में 26.1, पंचेत में 24.4, चक्रधरपुर में 20.2 और सरयू में 19 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गयी है।

शराब घोटाले की जांच पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

2 हजार करोड़ के भ्रष्टाचार का मामला, ढेबर समेत अन्य के खिलाफ चल रही थी इन्वेस्टिगेशन

रायपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ के शराब घोटाला मामले में आगे की जांच पर रोक लगा दी है। प्रवर्तन निदेशालय इस घोटाले की जांच कर रहा था। रायपुर के न्यायालय में लगातार सुनवाई जारी थी। 2000 करोड़ रुपए से अधिक के घोटाले से यह मामला जुड़ा हुआ है। इस केस में कारोबारी ढेबर समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ जांच चल रही थी। ईडी के वकील सौरभ पांडे ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि स्टे लगा दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाया गया यह स्टे किस प्रकार का होगा पूछे जाने पर अधिवक्ता ने कहा कि यह आगे की पूरी कार्रवाई पर रोक है। फिलहाल आगे इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जा सकेगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से संबंधित जुड़ी जानकारियां पूछे जाने पर अधिवक्ता पांडे ने कहा कि देर शाम तक आदेश जारी होगा, तभी इस बारे में कुछ कहा जा सकता है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका प्रदेश के एक आईएएस, कारोबारी अनवर ढेबर, आबकारी विभाग में अधिकारी रह चुके एपी त्रिपाठी ने लगाई थी। सभी के प्रकरण को एक साथ सुनते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आगे की कार्रवाई पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए हैं। शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने कारोबारी अनवर ढेबर, एपी त्रिपाठी, नितेश पुरोहित, अरविंद सिंह, त्रिलोक ढिल्लन को गिरफ्तार किया था। यह सभी फिलहाल रायपुर के सेंट्रल जेल में बंद हैं। ईडी का दावा है कि इन सभी ने मिलकर एक सिंडिकेट बनाया और प्रदेश में 2000 करोड़ से अधिक का शराब घोटाला किया था। नकली होलोग्राम बना कर राजस्व का नुकसान करने का दावा ईडी अब तक करती रही है।

छह लाख के इनामी नक्सली ने किया सरेंडर

नक्सलियों के लिए मुखबिरी करते-करते बना सदस्य, 44 मामलों का आरोपी है खुदी मुंडा

रांची, 18 जुलाई (एजेंसियां)। बीते 3 साल से झारखंड तथा गुमला जिला में झारखंड पुलिस, सीआरपीएफ तथा झारखंड जगुआर के संयुक्त प्रयास से नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें झारखंड तथा गुमला पुलिस को कई सफलता मिली है। इसी क्रम में आज गुमला जिला के करंज थाना क्षेत्र के बटकुरी गांव के रहने वाले माओवादी नक्सली खुदी मुंडा उर्फ खुदी जी उर्फ बहादुर जी उर्फ बुढ़ा ने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वाला नक्सली खुदी मुंडा भाकपा माओवादी संगठन का सक्रिय सदस्य था तथा सब जोनल कमांडर के रूप में क्रियाशील था। उसपर झारखंड पुलिस ने पांच लाख और एनआईए ने एक लाख रुपये का इनाम रखा था।

नक्सलियों के करता था मुखबिरी

नक्सली खुदी मुंडा गुमला, लोहरदगा, लातेहार, बूढ़ा पहाड़ और सिमडेगा आदि क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहा है। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार खुदी मुंडा 1996 में अपने नक्सली चचेरे भाई बॉबी मुंडा के लिए सामान पहुंचाने तथा पुलिस के आवागमन की सूचना देने का काम करता था। साल 1999 में अपने भाई बॉबी मुंडा के साथ लापुंग क्षेत्र में हथियारों की लूटपाट के नक्सली घटनाओं अंजाम देने में शामिल रहा। साल 2001 में इसकी गिरफ्तारी हुई। इसके बाद जेल चला गया। जेल में रहने के दौरान उग्रवादी संगठन के कई सदस्यों से जान पहचान हुई। साल 2005 में जेल से बाहर आने के बाद और गांव में निजी विवाद के कारण भाकपा माओवादी के कमांडर मनोज नगेसिया तथा सिल्वेस्टर लकड़ा के संपर्क में आया और पालकोट, कोलेबिरा, सिमडेगा, गुमला आदि क्षेत्रों में दस्ता के साथ रहने लगा।

2008 में एरिया कमांडर बनाया गया

साल 2008 में इसे पालकोट, कोलेबिरा, सिमडेगा और गुमला क्षेत्र का एरिया कमांडर बना दिया गया। साल 2009 में रिजनल कमांडर सिल्वेस्टर लकड़ा ने इसे पालकोट-सिमडेगा क्षेत्र का सबजोनल कमांडर बनाया।

अमन साहू गैंग के अपराधियों ने एटीएस के डिप्टी एसपी और एसआई को मारी गोली, हालत गंभीर

रांची, 18 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के रामगढ़ जिले में पतरातू इलाके में अमन साहू गिरोह के अपराधियों ने एटीएस के डिप्टी एसपी और रामगढ़ जिला पुलिस के एक एसआई को गोली मार दी। रामगढ़ पुलिस ने बताया कि दोनों को इलाज के लिए रांची लाया गया है। डिप्टी एसपी की हालत गंभीर बताई जा रही है। रामगढ़ के एसपी पीयूष पांडे ने बताया कि अमन साहू गैंग के अपराधियों को पकड़ने के लिए एटीएस और रामगढ़ पुलिस की टीम छापेमारी करने आई थी। रामगढ़ जिले के पतरातू इलाके में अपराधियों ने पुलिस को देख उन पर फायरिंग कर दी। मुठभेड़ के दौरान एटीएस में तैनात डीएसपी नीरज कुमार और एसआई सोनू साव को गोली लगी है। दोनों घायल पुलिसकर्मियों को रांची के एक अस्पताल में रेफर किया गया है। झारखंड पुलिस के प्रवक्ता और आईजी एवी होमकर ने कहा कि एटीएस रांची की एक टीम रामगढ़ जिले के पतरातू इलाके में छापेमारी कर रही थी।

पाकिस्तान में हिंदू मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाई गई

400 हिंदू पुलिसकर्मी तैनात किए गए, मंदिर पर रॉकेट लॉन्चर दागे जाने के बाद लिया गया फैसला

कराची, 18 जुलाई (एजेंसियां)। कराची पाकिस्तान के सिंध में हिंदू मंदिरों पर बढ़ते हमलों को देखते हुए सरकार ने सुरक्षा बढ़ा दी है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि सिंध के मंदिरों की सुरक्षा के लिए 400 से ज्यादा हिंदू पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

पाकिस्तान में पिछले दिनों हिंदू मंदिरों पर हमले की घटनाएं बढ़ी है। महज 48 घंटे के दौरान पाक में दो मंदिरों को हमलावरों ने निशाना बनाया है। हमलावरों ने रविवार सुबह काशमोर में एक हिंदू मंदिर पर रॉकेट लॉन्चर से हमला किया और मंदिर के आसपास बसे हिंदू समुदाय के घरों पर अंधाधुंध गोलीबारी भी की थी।

कराची में 150 साल पुराने मंदिर बुलडोजर चलाया गया

कराची के लोगों ने बताया कि 14 जुलाई की रात कुछ लोग बुलडोजर लेकर आए और मारी माता मंदिर की बाहरी दीवारों और मेन गेट को छोड़कर भीतर से पूरा मंदिर तहस-नहस कर दिया। पाकिस्तानी न्यूज पेपर डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक जब मंदिर को ढहाया जा रहा था, तब मंदिर ढहाने वालों को सुरक्षा देने के लिए पुलिस तैनात थी।

2022 में भी मूर्तियां तोड़ी गई थीं

यह मारी माता मंदिर मुख्य चोहितराम रोड पर स्थित है। जिससे कुछ ही दूरी पर सोल्जर बाजार पुलिस स्टेशन भी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंदिर की जमीन को एक शॉपिंग प्लाजा प्रमोटर को 7 करोड़ रुपए में बेच दिया गया है। इसीलिए मंदिर को तोड़ दिया गया। जून 2022 में भी मारी माता मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियों को तोड़ा गया था।

मंदिर के आंगन में खजाना होने की भी कहानियां

श्री पंच मुखी हनुमान मंदिर के पुजारी राम नाथ ने बताया कि मारी माता का मंदिर करीब 400 से 500 वर्ग गज में 150 साल पहले बनाया गया था। इसके आंगन में पुराना खजाना दबे होने की कहानियां भी प्रचलित हैं।

मारी माता मंदिर का मैनेजमेंट मद्रासी हिंदू समुदाय के पास था। उनका कहना है कि मंदिर बहुत पुराना था और कभी भी गिर सकता था।

इसीलिए हमने ज्यादातर मूर्तियों को अस्थाई रूप से दूसरे स्थान पर रख लिया था। हमने सोचा था कि नया मंदिर बनने के बाद ही मूर्तियों को वापस उनके स्थान पर रखेंगे।

उधर, मानवाधिकार आयोग ने पाकिस्तान के सिंध प्रांत में आपराधिक गिरोह के तीस हिंदू महिलाओं और बच्चों के बंधक बनाए जाने पर चिंता जताई। साथ ही सिंध के काशमोर और घोटकी जिलों में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सवाल भी उठाए। आयोग ने कहा कि सिंध गृह विभाग को हिंदू मंदिरों पर हो रहे हमलों की जांच करनी चाहिए।

चीन के विदेश मंत्री लापता, तीन हफ्तों से कोई सुराग नहीं

बीजिंग, 18 जुलाई (एजेंसियां)। चीन के विदेश मंत्री किन गैंग (57) को तीन सप्ताह से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। इसके चलते चीन में अटकलों का दौर तेज हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, किन को संयुक्त राज्य अमेरिका में राजदूत के रूप में एक संक्षिप्त कार्यकाल के बाद दिसंबर में विदेश मंत्री के रूप में पदोन्नत किया गया था। गैंग पेशेवर राजनयिक हैं और उन्हें चीनी नेता शी जिनपिंग के भरोसेमंद सहयोगी माना जाता है। विदेश मंत्री के रूप में किन ने अमेरिका के ऊपर छोड़े गए एक संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे के मुद्दे पर वाशिंगटन को कड़ी फटकार लगाई थी। उन्होंने दोनों पक्षों के बीच खराब संबंधों को सुधारने और बातचीत बहाल करने के प्रयासों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसमें जून के मध्य में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की बीजिंग यात्रा के दौरान मुलाकात शामिल है।

सेना पर कमजोर पड़ रही पुतिन की पकड़

सैनिकों में पनप रहा भारी असंतोष

मॉस्को, 18 जुलाई (एजेंसियां)। रूस यूक्रेन युद्ध को एक साल से ज्यादा समय बीत चुका है और अभी भी इसके जल्द खत्म होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। अब एक ऐसी खबर आई है, जिससे पता चलता है कि रूस की सेना में असंतोष पनप रहा है। दरअसल यूक्रेन की मिलिट्री इंटेलीजेंस ने रूसी सैनिकों के बीच की एक बातचीत को इंटरसेप्ट किया है। इस बातचीत में रूसी सैनिक उनकी ब्रिगेड में हुई गोलीबारी के बारे में बात कर रहे हैं। यूक्रेनी इंटेलीजेंस का कहना है कि इससे रूसी सैनिकों की युद्ध के चलते प्रभावित हुई मानसिक स्थिति का पता चलता है।

मोर्चे पर जाने से रूसी सैनिकों का इनकार

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इंटरसेप्ट की गई बातचीत में एक रूसी सैनिक बता रहा है कि उसकी ब्रिगेड के एक सैनिक ने अपने ही साथियों पर गोलीबारी कर दी थी। जवाबी कार्रवाई में फायरिंग करने वाला रूसी सैनिक मारा गया। हालांकि इस बात की जानकारी नहीं है कि गोलीबारी में कितने सैनिकों की मौत हुई। ऐसी रिपोर्ट्स भी आ रही हैं कि रूसी सैनिक यूक्रेन में कठिन हालात में लड़ाई लड़ रहे हैं और कुछ सैनिकों ने लड़ाई के मोर्चे पर जाने से भी इनकार कर दिया है।

वरिष्ठ अधिकारी ने भी की आलोचना

बीते दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया गया था, जिसमें दिख रहा था कि रूसी सैनिकों के लड़ाई के मोर्चे पर जाने से इनकार के बाद उनके कमांडिंग अफसर ने उन्हें दंडित किया था। रूसी जनरल इवान पोपोव का भी एक ऑडियो सामने आया था, जिसमें वह वरिष्ठ सैन्य अफसरों की आलोचना करते हुए सुने गए थे। फिलहाल उन्हें पद से हटा दिया गया है। इन घटनाओं से साफ है कि रूसी सेना पर पुतिन की पकड़ कमजोर हो रही है और युद्ध के और लंबा खिंचने से पुतिन और कमजोर होंगे।

105 ऐतिहासिक कलाकृतियां वापस करेगा अमेरिका

राजदूत बोले- इनकी असली जगह भारत

न्यूयॉर्क, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने सोमवार को कहा कि अमेरिका सरकार भारत की प्राचीन और ऐतिहासिक मूर्तियों और कला संग्रह को वापस करने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि ये कला संग्रह भारत की अमानत है और इसे भारत में ही होना चाहिए।

चोरी होकर या अवैध तरीके से अमेरिका पहुंची कलाकृतियां

बता दें कि अमेरिका भारत की प्राचीन और ऐतिहासिक 105 मूर्तियों को वापस भारत को सौंपने की तैयारी कर रहा है। ये मूर्तियां दूसरी से तीसरी सदी से लेकर 18वीं से 19वीं सदी के बीच की हैं। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि हम भारत के कला संग्रह को उसे लौटाने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारत से कई बार चोरी होकर या फिर अवैध तरीके से कलाकृतियां अमेरिका या दुनिया के अन्य देश पहुंच जाती हैं।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब अमेरिका के दौरे पर गए थे तो भारत और अमेरिका के बीच कल्चरल प्रॉपर्टी एग्रीमेंट पर बातचीत हुई थी। जिससे ऐतिहासिक कलाकृतियों की अवैध कालाबाजारी पर रोक लगेगी। साथ ही दोनों देश इसे लेकर बातचीत कर रहे हैं और ऐसे प्रावधान किए जा रहे हैं कि भविष्य में भी अवैध रूप से अमेरिका पहुंची भारत की ऐतिहासिक कलाकृतियों को वापस लौटाया जाता रहेगा।

वैदिक काल की प्रतिमाएं लौटाएगा अमेरिका

एरिक गार्सेटी ने बताया कि अमेरिका के एरिजोना में भगवान बुद्ध की सुंदर प्रतिमा मौजूद है, जिसे जल्द ही भारत को लौटाया जाएगा। साथ ही वैदिक काल के हिंदू मंदिरों की भी कई कलाकृतिया वापस लौटाई जाएंगी।

न्यूयॉर्क के मशहूर मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में एक इवेंट का आयोजन किया गया, जिसमें भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी और अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू शामिल हुए। इसी दौरान एरिक गार्सेटी ने ये बातें कही। इस आयोजन के दौरान बौद्ध इतिहास से जुड़ी कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं।

गल्फ में रूस-ईरान को जवाब की तैयारी

वॉशिंगटन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। गल्फ रीजन में चीन, रूस और ईरान लगातार अमेरिका पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अब अमेरिका ने इन्हें जवाब देने की तैयारी कर ली है। इसी हफ्ते अमेरिका का सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट एफ-35 इस क्षेत्र में तैनात किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- पेंटागन में हाईलेवल मीटिंग के बाद फैसला किया गया है कि न सिर्फ एफ-35 बल्कि एक न्यूक्लियर वॉरशिप और नेवी डेस्ट्रॉयर भी यहां मौजूद रहेगा। चीन ने दो महीने पहले सऊदी अरब और ईरान के डिप्लोमैटिक रिलेशन बहाल कराए थे। इसके बाद से वो गल्फ में पकड़ मौजूद करने की हर मुमकिन कोशिश कर रहा है। पिछले दिनों रूस के फाइटर जेट्स ने ईरान और सीरिया के करीब कई उड़ानें भरी थीं। इसके बाद ईरान के कमर्शियल फ्यूल टैंकर्स को सिक्योरिटी कवर भी दिया था। चीन की नेवी और एयरफोर्स भी यहां एक्टिविटीज बढ़ा रही है। अब अमेरिका ने इनसे निपटने की स्ट्रैटेजी पर अमल शुरू कर दिया है।

टाइपिंग एरर के चलते यूएस के सेंसेटिव मेल माली पहुंचे

MIL की जगह ML लिखते रहे अफसर, इंटरनेट कंपनी ने एक लाख से ज्यादा ई-मेल कलेक्ट किए

वाशिंगटन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की सेना से जुड़े लाखों सेंसेटिव ईमेल गलती से माली को भेज दिए गए हैं। यह सब एक छोटी सी टाइपिंग एरर के कारण हुआ है। माली एक पश्चिम अफ्रीकी देश है जो रूस का सहयोगी है। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, लीक हुए मेल में राजनयिक दस्तावेज, टैक्स रिटर्न, पासवर्ड और टॉप ऑफिसर्स की यात्रा से जुड़ी डिटेल भेजी गई थी।

इतनी बड़ी चूक कैसे हुई और कैसे पकड़ी गई

1. किस टाइपिंग मिस्टेक की वजह से मेल माली पहुंच गए?

यह सबकुछ एक छोटी सी गलती के चलते हुआ। दरअसल अमेरिकी सेना MIL डोमेन का उपयोग करती है। मेल भेजते समय I लेटर मिस हो गया और सभी जानकारी माली के डोमेन ML पर पहुंच गई।

2. किन अमेरिकी अफसरों ने मेल भेजने में गड़बड़ी की?

गलत एड्रेस पर भेजे गए ये ईमेल अमेरिकी सेना के स्टाफ की तरफ से भेजे जा रहे थे। यही नहीं अमेरिकी सेना के साथ काम करने वाले ट्रैवल एजेंट, अमेरिकी खुफिया एजेंसी के कर्मचारी भी यही गलती दोहरा रहे थे। इस साल की शुरुआत में आए एक ईमेल में कथित तौर पर अमेरिकी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल जेम्स मैककॉनविले की इंडोनेशिया यात्रा का कार्यक्रम शामिल था।

3. यह गड़बड़ी कैसे पकड़ी गई?

इस गलती को सबसे पहले डच इंटरनेट एंटरप्रेन्योर जोहान्स जुर्बियर ने पकड़ा। जो माली सरकार के ईमेल को हैंडल करते हैं। उन्होंने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि वह अमेरिकी सरकार को इसके बारे में कई बार बता चुके हैं लेकिन पिछले 10 सालों से ऐसा हो रहा है।

जुर्बियर ने बताया, वह जनवरी से अब तक 1,17,000 गलत ईमेल पकड़ चुके हैं। जिसमें लगभग 1,000 मेल्स पिछले बुधवार को इकठ्ठा किए गए।

4. अब अमेरिका ने क्या कदम उठाया है?

इस महीने ज़ुर्बियर ने अमेरिकी अधिकारियों को इसके बारे में एक लेटर भी लिखा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के विरोधियों द्वारा इसका फायदा उठाया जा सकता है। उधर मामला समाने आते ही पेंटागन ने कहा कि उसने इस मुद्दे को हल करने के लिए कदम उठाए हैं। पेंटागन के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कमांडर टिम गोर्मन ने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि रक्षा विभाग को इस मामले की जानकारी है। मेल भेजने वाले सभी लोगों को बता दिया गया कि ईमेल एड्रेस भरने के बाद उसे वैरिफाई जरूर कर लें।

20-21 जुलाई को भारत दौरे पर रहेंगे श्रीलंका राष्ट्रपति विक्रमसिंघे

कोलंबो, 18 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे 20 से 21 जुलाई तक आधिकारिक यात्रा पर भारत की यात्रा करेंगे, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाना व मजबूत करना है। द्वीप राष्ट्र के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रपति विक्रमसिंघे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर 20-21 जुलाई 2023 को भारत की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश इस साल राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। बयान में कहा गया है कि यात्रा के दौरान विक्रमसिंघ भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री मोदी व अन्य भारतीय गणमान्य व्यक्तियों के साथ परस्पर हित के विभिन्न मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे।

अमेरिकी सेना के खुफिया जानकारी वाले हजारों ईमेल रूस के सहयोगी देश के हाथ लगे, ऐसे हुआ खुलासा

वॉशिंगटन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना की संवेदनशील जानकारी से जुड़े हजारों ईमेल पश्चिम अफ्रीकी देश माली के हाथ लग गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि डोमेन के नाम में गड़बड़ी के चलते अहम जानकारी लीक हुई है। जो जानकारी लीक हुई है, उसमें अमेरिका के कूटनीतिक दस्तावेज, टैक्स रिटर्न की जानकारी, शीर्ष अधिकारियों के यात्रा विवरण की जानकारी आदि शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका की सेना 'एमआईएल' डोमेन नाम का इस्तेमाल करती है लेकिन मेल भेजते समय गलती से डोमेन नाम में सिर्फ 'एमएल' टाइप हुआ, जिससे सारी संवेदनशील जानकारी माली पहुंच गई क्योंकि माली का डोमेन नाम 'एमएल' है। गौरतलब बात ये है कि माली रूस का सहयोगी देश है। ऐसे में अमेरिकी सेना से जुड़ा यह लीक अमेरिका के लिए परेशानी का सबब भी बन सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संवेदनशील जानकारी लीक होने की घटना कोई एक बार नहीं हुई है। पहली बार करीब एक दशक पहले भी ऐसे ही अमेरिकी सेना की संवेदनशील जानकारी माली पहुंच गई थी, उसके बाद से कई घटनाएं हो चुकी हैं। इसका खुलासा एक डच इंटरनेट कारोबारी जोहानेस जरबेयर ने किया है। दरअसल जरबेयर ही माली के डोमेन को मैनेज करते हैं। जनवरी 2023 से अब तक ही अमेरिकी सेना की संवेदनशील जानकारी से जुड़े करीब एक लाख सत्रह हजार ईमेल माली के डोमेन पर पहुंच चुके हैं।

दुनिया के सामने फिर फूड क्राइसिस का खतरा

रूस ने यूक्रेन के साथ ब्लैक सी ग्रेन डील खत्म की, पुतिन ने कहा- हमारी शर्तें मानो

मॉस्को, 18 जुलाई (एजेंसियां)। रूस ने यूक्रेन के साथ 'ब्लैक सी ग्रेन डील' सोमवार को खत्म कर दी। इसी डील के तहत पिछले साल दुनिया से फूड क्राइसिस के खतरे को बमुश्किल टाला गया था। अब व्लादिमिर पुतिन ने एकतरफा तौर पर डील खत्म कर दी है तो इससे ग्लोबल फूड क्राइसिस फिर पैदा हो सकती है। फैसले पर पुतिन के प्रवक्ता ने कहा- हमारी कुछ मांगें हैं, इनके पूरे किए जाने तक हम डील से अलग रहेंगे।'

रूस के इस फैसले का हर तरफ विरोध हो रहा है। यूएन ने कहा है कि इससे लाखों लोगों के भूख से मरने का खतरा बढ़ जाएगा। अमेरिका ने इसे तानाशाही रवैया करार दिया है तो यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की ने कहा है कि वो दुनिया को अनाज सप्लाई करते रहेंगे।

24 फरवरी 2022 को रूस ने यूक्रेन पर हमला किया और दोनों देशों के बीच जंग शुरू हो गई। यूक्रेन फूड सप्लाई के मामले में दुनिया के अव्वल देशों में से एक है। ब्लैक सी से गुजरने वाले उसके ग्रेन शिप्स पर रूस के हमलों का खतरा था। लिहाजा, उसने सप्लाई रोक दी और इससे चेन एंड सप्लाई कमजोर पड़ गई। कई यूरोपीय देशों के अलावा अफ्रीका में लोगों के भूख से मरने का खतरा पैदा हो गया।

इस बीच, तुर्किये और यूएन की कोशिशों से पिछले साल जुलाई में एक डील हुई। इसमें यह था कि रूस और यूक्रेन दोनों ही एक-दूसरे के कार्गो शिप्स पर हमले नहीं करेंगे। इसके अलावा यूएन के अफसर हर शिप की जांच करेंगे, ताकि इनका इस्तेमाल हथियार ले जाने में न हो। खास बात यह है कि यूक्रेन फूड आइटम्स के अलावा बड़ी तादाद में फर्टिलाइजर भी एक्सपोर्ट करता है। अब पुतिन ने यह डील एकतरफा तौर पर रद्द कर दी है। मायने ये कि वो यूक्रेन के अन्न ले जा रहे जहाजों को भी निशाना बना सकता है। पुतिन सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा- 'आज ग्रेन डील का आखिरी दिन है। हमारी कुछ मांगें हैं, जब तक इन्हें पूरा नहीं किया जाएगा, तब तक इस डील पर हम अमल शुरू नहीं करेंगे।' रूस की तरफ से ग्रेन डील खत्म किए जाने से यूक्रेन के प्रेसिडेंट परेशान नहीं दिखे। उन्होंने कहा- इसमें यूक्रेन और रूस दोनों शामिल थे। अब रूस पीछे हट गया है, लेकिन यूक्रेन फूड सप्लाई जारी रखेगा।

जेलेंस्की के स्पोक्सपर्सन ने कहा- रूस के अलग होने से हमें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हम ब्लैक सी के जरिए सप्लाई जारी रखेंगे। इसमें यूएन की मदद लेते रहेंगे। हमने शिपिंग कंपनियों से बातचीत की है और वो सप्लाई के लिए तैयार हैं। तुर्किये के रास्ते दुनिया को अनाज पहुंचाना जारी रखा जाएगा। पिछले साल मार्च से अब तक करीब 32 लाख टन ग्रेन आइटम्स ब्लैक सी के जरिए सप्लाई किए गए हैं। इसमें रूस और यूक्रेन दोनों का हिस्सा शामिल है। यूएन के सामने सबसे बड़ी दिक्कत अफ्रीका में डिमांड और सप्लाई को पूरा करने की है। यहां पहले ही काफी गरीबी है और कई देश सिविल वॉर से जूझ रहे हैं। गेहूं और मक्का यूक्रेन से ही इन देशों में सप्लाई होता है। रूस ने सोमवार को जैसे ही डील खत्म करने का ऐलान किया इंटरनेशनल मार्केट में इनकी कीमत 3% बढ़ गई। ग्लोबल ट्रेड के एक्सपर्ट सिमॉन एवनेट ने कहा- रूस ने एक तरह से दुनिया को ब्लैकमेल करने की चाल चली है। यूक्रेन का अनाज बाकी देशों की तुलना में काफी सस्ता होता है और वो यूएन के प्रोग्राम के तहत चलता भी है। हालांकि, अगर दुनिया एकजुट हो तो काफी हद तक इसका असर कम किया जा सकता है। कुछ दिक्कतें होंगी, इनको वक्त रहते हल करना होगा। लगता है कि रूस अब अनाज को हथियार की तरह इस्तेमाल करना चाहता है।

सऊदी अरब के लिए ड्रोन बनाएगी तुर्की की कंपनी बायकर

जेद्दा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के सऊदी अरब पहुंचने पर दोनों देशों ने निवेश, रक्षा उद्योग, ऊर्जा और संचार से जुड़े कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। अनादोलु समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेद्दा शहर में एर्दोगन और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल की बैठक के बाद सोमवार को समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। राष्ट्रपति एर्दोगन ने इससे पहले अल-सलाम रॉयल पैलेस में बंद दरवाजे के पीछे सऊदी क्राउन प्रिंस के साथ बैठक की।

संबंधों को मजबूत करने के लिए तुर्की के नेता तीन दिवसीय खाड़ी दौरे के तहत सोमवार को सऊदी अरब पहुंचे। समाचार एजेंसी शन्हिुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद सहित कई उच्च पदस्थ सऊदी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। दिन में इस्तांबुल छोड़ने से पहले, एर्दोगन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि खाड़ी देशों की उनकी यात्रा का मुख्य एजेंडा निवेश और वित्तपोषण के बारे में है। राष्ट्रपति के साथ उनके मंत्रिमंडल के सदस्य और अधिकारी भी हैं। सऊदी अरब के बाद एर्दोगन कतर और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा करेंगे।

आतंक फैलाने वाले पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों पर लगाए दहशतगर्दी के आरोप

अमेरिका बोला- इसके सबूत नहीं

वॉशिंगटन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण एशिया में आतंकवाद को लगातार बढ़ावा देने वाला पाकिस्तान अब खुद अपनी जमीन पर बढ़ रही दहशतगर्दी से परेशान है। अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार आने के बाद से ही पाकिस्तान ने लगातार सीमा पर रहने वाले अफगान लोगों और शरणार्थियों पर आतंक फैलाने का आरोप लगाया है। यहां तक कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की गतिविधियों के लिए भी शरीफ सरकार लगातार अफगानिस्तान को ही दोष दे रही है। इस बीच अमेरिका ने इन आरोपों पर पाकिस्तान को आईना दिखाया है। व्हाइट हाउस की तरफ से कहा गया है कि अब तक इस बात के कोई सबूत नहीं मिले हैं कि पाकिस्तान में रह रहे अफगान शरणार्थी या वे जो दोनों देशों की सीमा पर रह रहे हैं, वे आतंकवाद फैलाने के गुनहगार हैं।

हाल ही में पाकिस्तान की सेना ने चिंता जताई थी कि उनके देश में आतंक फैलाने वालों को अफगानिस्तान में सुरक्षित ठिकाना मिल रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने सोमवार को कहा कि हमें ऐसी किसी घटना के कोई सबूत नहीं मिले हैं। उन्होंने इशारों-इशारों में पाकिस्तान को अफगान शरणार्थियों की सुरक्षा करने का संदेश भी दे दिया। किर्बी ने तंज कसते हुए कहा कि हम पाकिस्तान के साथ उसके साथ असल आतंकवाद से जुड़े खतरों से निपटना जारी रखेंगे।

अफगान शरणार्थियों को लेकर क्या था पाकिस्तान का बयान?

पाकिस्तान की सेना ने पिछले हफ्ते ही तहरीक-ए-तालिबान के आतंकी हमलों का जिक्र करते हुए कहा था कि टीटीपी के लिए अफगानिस्तान सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। बलूचिस्तान प्रांत में कट्टरपंथियों के हमले में नौ जवानों की मौत की घटना का जिक्र करते हुए सेना ने कहा था कि इस तरह की आतंकी घटनाएं बर्दाश्त के बाहर हैं और सुरक्षाबल इसका माकूल जवाब देंगे।

हालांकि, अफगानिस्तान की तरफ से पाकिस्तान के इन सभी आरोपों को बेबुनियाद करार दिया गया था। बता दें कि आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान लंबे समय से पाकिस्तान में सक्रिय है और देश में सख्त इस्लामिक कानूनों की मांग करता आया है। इस संगठन ने 2022 में सरकार के साथ सीजफायर संधि टूटने के बाद से सेना पर हमले बढ़ाए हैं। इतना ही नहीं टीटीपी के आतंकियों ने कुछ महीनों पहले ही पेशावर के शहर में एक मस्जिद पर हमला किया था, जिसमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

भाजयुमो का आरपीएससी महाघेराव

धारा-144 लागू, मुख्यमंत्री के पुलते की शव यात्रा निकाली गयी

अजमेर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। अजमेर में भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से नही सहेगा राजस्थान के तहत राजस्थान लोक सेवा आयोग के महाघेराव का कार्यक्रम है। इसको लेकर राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पास सभा स्थल बनाया गया है। यहां पर सभा के बाद राजस्थान लोक सेवा आयोग का घेराव किया जाएगा।

सुबह दस बजे कार्यक्रम शुरू होना था, लेकिन देरी हो गई। पुलिस लाइन से सेंट्रल जेल की ओर आने वाली रोड पर पंडाल बनाया गया। जहां, बीजेपी पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचना शुरू हो चुके हैं। यहां स्थानीय नेताओं का भाषण करीब बारह बजे शुरू हुआ।

नेताओं ने भाषण ने पेपर लीक को युवाओं के साथ खिलवाड़ बताया। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या, सासंद बाल नाथ सहित भाजपा के अन्य पदाधिकारी अजमेर पहुंच चुके है। लेकिन सभा स्थल पर करीब डेढ़ बजे पहुंचे। शहर भाजपा युवा मोर्चा के द्वारा अशोक गहलोत की शव यात्रा निकाली। विधायक वासुदेव देवनानी, शहर अध्यक्ष राहुल जयसवाल

और अन्य कार्यकर्ता यात्रा निकालते हुए सभा स्थल पर पहुंचे। सांसद बालकनाथ ने कहा कि कांग्रेस सरकार का काम चोरी करना है, भलाई करना नहीं।साढे. चार साल में पेपर लीक कर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। चुनाव सिर पर है तो कार्रवाई का दिखावा कर रही है। जनता इनको माफ नहीं करेगी। ये पहले पकड़ते है और फिर उनको जमानत पर छुड़ाने के लिए प्रयास शुरू कर देती है। बाबूलाल कटारा पेपर लीक में पकड़ा लेकिन न तो उसके घर पर बुलडोजर चलाया और न सम्पति कुर्क की। कांग्रेस जनता को बहलाती है, इसके बहलावे में अब जनता नहीं आएगी। इस सरकार ने लूटने का काम किया है। जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

युवाओं के साथ खिलवाड़, डेढ़ करोड़ में मिला कटारा को पद-देवनानी

विधायक वासुदेव देवनानी ने मंच संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन इतिहास में लिखा जाएगा। युवाओं ने अपनी करवट बदली है। इस सरकार में जब चुनाव हो रहे थे, तब उन्होंने घोषणा पत्र में लिखा हम युवाओं को नौकरी देंगे, बेरोजगारी भत्ता देंगे, संविदा कर्मियों को परमानेंट करेंगे लेकिन किए गए वादे कर झूठे वादे साबित हुए। वोट लेकर सरकार में आ गए और सरकार में आने के बाद जिस तरह से युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ किया है। वह उचित नहीं है। दोनों संविधानिक संस्थाओं के प्रतिष्ठा देशभर में थी लेकिन कांग्रेस सरकार के द्वारा की गई नियुक्ति के बाद भ्रष्टाचार भरा हुआ है। बाबू लाल कटारा कि जब नियुक्ति हुई तब डूंगरपुर में बड़े-बड़े बोर्ड लगाए गए। देवनानी ने आरोप लगाया कि डेढ़ करोड़ रिश्वत देकर कटारा पद पर आए हैं। देवनानी ने कहा कि कांग्रेस सरकार में 18 पेपर लीक हुए है।

युवाओं से झूठ बोला, निकम्मी और नकारा सरकार, सपने तोडे़-भदेल

विधायक अनिता भदेल ने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि यह सरकार निकम्मी सरकार और नकारा सरकार है। इस सरकार को बताना है कि युवा सड़क पर उतर चुका है। राहुल गांधी को बताना है कि साढ़े 3 हजार का भत्ता का लालच देकर साढ़े 4 साल तक राजस्थान के 27 लाख बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ते से वंचित किया है। राजस्थान की सरकार युवाओं से झूठ बोला है और उनके सपनों को तोड़ने का काम किया है। 2 दिन पहले पूर्व चेयरमैन को एंटी करप्शन के द्वारा पकड़ा गया है।

अदालत ने कैदियों की शारीरिक उपस्थिति पर की राज्य सरकार की खिंचाई

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने अदालतों में कैदियों की भौतिक उपस्थिति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। हाल ही में हुए भरतपुर गोलीकांड मामले का जिक्र करते हुए मुख्य न्यायाधीश एजी मसीह की खंडपीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि जब कोर्ट ने कहा है कि कैदियों की शारीरिक जांच विशेष परिस्थितियों में ही की जानी चाहिए, तो फिर कैदी को जांच के लिए बस से भरतपुर क्यों ले जाया जा रहा था?

कोर्ट ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा, "कैदी की बस में हत्या कर दी गई। इस दौरान न केवल आम लोगों की सुरक्षा को खतरा हुआ, बल्कि जेल प्रहरियों के समय की हानि के साथ-साथ सड़क मार्गों को भी नुकसान पहुंचा।"

इसमें उन जेलों के नाम और उनके कारण जानने की कोशिश की गई, जहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा नहीं है। इसके अलावा कोर्ट ने सरकार से दिए गए 45 बिंदुओं पर अनुपालन

रिपोर्ट भी पेश करने को कहा है। कोर्ट ने जेल की व्यवस्थाओं से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया।

सुनवाई के दौरान न्याय मित्र प्रतीक कासलीवाल ने कोर्ट को बताया था कि राज्य सरकार कोर्ट के आदेशों की पालना को लेकर गंभीर नहीं है। कोर्ट द्वारा कैदियों की वीसी के जरिये पेशी कराने के निर्देश के बावजूद कैदी को बस से ले जाया गया और इसी दौरान उसकी मौत हो गयी। इस पर कोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता एम.एस. सिंघवी से कहा कि राज्य सरकार आदेश की अवहेलना का नतीजा देख चुकी है। उसने कहा कि हर कैदी को वीसी के जरिए पेश क्यों नहीं किया जाता।

इस पर एजी ने कहा कि कई बार तो कोर्ट ही वीसी के लिए मना कर देता है। कोर्ट ने कहा कि पर्याप्त संसाधन नहीं होंगे। सरकार को यह देखना चाहिए कि वीसी की सुविधा हर जगह उपलब्ध हो। राज्य सरकार से कैदी की मौत की स्थिति में मुआवजे के प्रावधान के बारे में पूछा गया। इस पर जवाब देते हुए एजी ने कहा कि बिल मंगलवार को विधानसभा में पेश किया जा रहा है। इसमें कैदियों के लिए कई प्रावधान किये गये हैं। गौरतलब है कि पुलिस हत्या के आरोपी कुलदीप को बस से भरतपुर कोर्ट में सुनवाई के लिए ले जा रही थी। जब बस अमौली टोल प्लाजा पर रुकी, तो बदमाश बस में चढ़ गए और पुलिसकर्मियों की आंखों पर मिर्च पाउडर से हमला कर दिया. इसके बाद उन्होंने करीब 15 राउंड फायरिंग कर कुलदीप की हत्या कर दी। घटना में एक अन्य आरोपी विजयपाल घायल हो गया। इस घटना में दो यात्रियों को भी गोली लगी।

लिवर के साथ किडनियां भी फेल

7 दिन तक लगातार डायलिसिस फिर ट्रांसप्लांट कर बचाई युवक की जान

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में लिवर और किडनी फेलियर से जूझ रहे एक मरीज को जयपुर के डॉक्टर्स ने नया जीवन दे दिया। शहर के संतोकबा दुर्लभजी हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने लगातार डायलिसिस पर चल रहे मरीज का इमरजेंसी लिवर ट्रांसप्लांट करने में सफल रहे हैं।

संतोकबा दुर्लभजी ट्रस्ट के सचिव योगेंद्र दुर्लभजी ने बताया कि मरीज को एक्यूट लिवर फेलियर और एक्यूट किडनी फेलियर था। एक समय उसके शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा को बनाए रखने के लिए 100 प्रतिशत वेंटिलेटर सपोर्ट देने की आवश्यकता पड़ रही थी। विशेषज्ञों ने उसे देखा तो उसके बचने की संभावना सिर्फ एक प्रतिशत थी। जांच करने के बाद हमने सलाह दी कि मरीज को बचाने के लिए लिवर ट्रांसप्लांट करना पड़ेगा। उसकी किडनी भी काम नहीं कर रही थी, ऐसे में उसके खून को कृत्रिम रूप से शुद्ध करने के लिए लगातार उसका डायलिसिस किया जा रहा था। इसे सीआरआरटी यानी कंटीनस रीनल रिप्लेसमेंट थैरेपी कहते हैं। डॉक्टरों ने बताया कि इस तरह का लिवर ट्रांसप्लांट राजस्थान में पहली बार हुआ है और ये बेहद जटिल सर्जरी थी। मरीज अनुज की पत्नी पूनम ने उसे अपना आधा लिवर दिया। 12 घंटे चली सर्जरी के बाद मरीज का लिवर ट्रांसप्लांट सफल रहा। अब अनुज की किडनी ने भी काम करना शुरू कर दिया। सर्जरी के बाद मरीज को 10 दिनों के लिए आईसीयू में निगरानी के लिए रखा गया इसके बाद उन्हें सामान्य वार्ड में 10 दिन रहने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। इस जटिल सर्जरी को सफल बनाने में डॉ. राजेश भोजवानी, डॉ. बोरा, डॉ. सुभाष मिश्रा, डॉ. श्याम, डॉ. राजकुमार गुप्ता, डॉ. बीके मालपानी, डॉ. दिनेश अग्रवाल, डॉ. वीके पाराशर, डॉ. दिलीप सिंह राणा, डॉ. सांवरमल, डॉ. आशीष पारीक, डॉ. पीयूष माथुर और डॉ. चंद्रशेखर का विशेष सहयोग रहा।

पीएम मोदी का नागौर दौरा स्थगित, अगले महीने सीकर आ सकते हैं

सीकर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 28 जुलाई को नागौर दौरा स्थगित हो गया है। लेकिन, अब ये दौरा सम्भवतः अगले महीने सीकर में हो सकता हैं। मोदी नागौर जिले के खींवसर आने वाले थे। ये दौरा स्थगित होने के बाद अब प्रधानमंत्री के सीकर दौरे को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

सूत्रों का कहना है कि प्रदेश स्तरीय नेता इस संबंध में संभावनाएं तलाश रहे हैं। हालांकि, नागौर दौरा स्थगित करने के पीछे प्रधानमंत्री की 28 जुलाई को व्यस्तता बताई जा रही है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के दौरान शेखावाटी के जाट मतदाताओं को लुभाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा हो इसी के लिए सीकर को चुना जा सकता है। पीएम मोदी पहले भी सीकर में चुनावी सभा कर चुके हैं। जानकारों का कहना है कि सीकर भाजपा अभी उतनी संगठित नहीं है जितनी दावे किए जा रहे हैं।

निलंबित एसपी दिव्या ने जेलर के खिलाफ दी शिकायत

जेल में कैदियों के साथ लाइन में खड़ी फोटो बाहर आने पर मानहानि करने का आरोप लगाया

अजमेर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। एसओजी से निलंबित एसपी दिव्या मित्तल ने अजमेर जेल अधीक्षक (जेलर) के खिलाफ कोर्ट में शिकायत (परिवाद) दर्ज करवाई है। दिव्या मित्तल ने जेल नियमों के उल्लंघन और कैदियों के साथ कतार में खड़े फोटो को सार्वजनिक कर मानहानि करने का आरोप लगाया है। अब इस पर 25 जुलाई को सुनवाई होगी।

निलंबित एएसपी दिव्या मित्तल के वकील भगवान सिंह चौहान ने बताया- इस्तगासे में सेंट्रल जेल की जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल, उप कारापाल हिना खान व तत्कालीन जेल प्रहरी को आरोपी बनाया है। इसमें बताया कि परिवादी के एसीबी के मामले में महिला बंदी सुधार गृह में 20 जनवरी से 1 अप्रैल तक ज्यूडिशियल कस्टडी में रहने के दौरान मीडिया में महिला बैरिक से उनके फोटो सार्वजनिक प्रकाशन के लिए उपलब्ध कराए गए। इसमें दिव्या की सहमति नहीं ली गई। उसे जानबूझकर अपमानित करने के उद्देश्य से ऐसा किया गया।

इससे परिवादी की छवि खराब होने के साथ ही उसे मानसिक प्रताड़ना भुगतनी पड़ी। दिव्या ने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत भी जेल प्रशासन से महिला बंदी सुधार गृह में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, कैमरा, मोबाइल आदि

ले जाने की अनुमति देने वाले की सूचना मांगी है। जिस पर जेल प्रशासन ने ऐसी सूचना कार्यालय में उपलब्ध नहीं होने का जवाब दिया है।

एनडीपीएस कोर्ट ने दी थी जमानत

बता दें कि 10 अप्रैल को दिव्या मित्तल को जमानत दी गई थी। एसओजी ने एनडीपीएस के मामले में जांच सही से नहीं करने के चलते मित्तल को गिरफ्तार किया था। एनडीपीएस कोर्ट के जज ने दिव्या को रिहा करने का आदेश देते हुए टिप्पणी की थी। कहा- एसओजी ने कोई लिखित शिकायत और राज्य सरकार से पूर्व अनुमति पेश नहीं की। ऐसे में जमानत पर रिहा किया जाता है।

6 जून को आय से अधिक संपत्ति का दर्ज हुआ था मुकदमा

एसीबी की ओर से 6 जून को दिव्या और बर्खास्त कॉन्स्टेबल सुमित के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मुकदमा दर्ज किया गया था। 9 जून को अजमेर और उदयपुर एसीबी ने दोनों के ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया था। एसीबी ने जांच में पाया था कि दिव्या के पास आय से 123.53 प्रतिशत अधिक संपत्ति है। वहीं, उसके साथी सुमित के पास 523.34 प्रतिशत अधिक संपत्ति मिली।

4 जनवरी को मिली थी शिकायत

4 जनवरी को शिकायतकर्ता एसीबी के पास आया था। उसने बताया था कि हरिद्वार में दवा बनाने की एक कंपनी है। उससे दलाल के जरिए 2 करोड़ की रिश्वत की डिमांड की गई थी। एसीबी ने इस संबंध में अपनी यूनिट को तैयार कर लिया। 12 जनवरी को एडिशनल एसपी बजरंग सिंह शेखावत ट्रैप की कार्रवाई करने के लिए जयपुर से रवाना हुए थे। आरोपियों को 25 लाख काम से पहले और 25 लाख काम के बाद देने की बात तय हुई थी। आरोपी दलाल ने उस दौरान पैसा नहीं लिया। 2 करोड़ की रिश्वत मांगने के मामले में जयपुर एसीबी टीम ने अजमेर में 16 जनवरी को दिव्या मित्तल को पकड़ा था। दिव्या मित्तल को एसीबी की टीम अजमेर से जयपुर लाई थी। इसके बाद गिरफ्तार कर लिया गया था।

लॉरेंस-गोदारा जैसे गैंगस्टर्स पर बड़े एक्शन की तैयारी

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार अब लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा जैसे गैंगस्टर्स के खिलाफ बड़ा एक्शन लेने जा रही है। इसकी तैयारी भी शुरू हो गई है। गैंग बनाकर अपराध करने वाले गैंगस्टर्स और उनके गुर्गों के खिलाफ राजस्थान सरकार आज विधानसभा में कड़ा कानून पास करवाने जा रही है।

माकोका (महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट) की तर्ज पर विधानसभा में राजस्थान संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक यानी राजस्थान कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (राकोका) पारित करवाया जाएगा।

राकोका के प्रावधानों के अनुसार गैंग बनाकर अपराध करने वालों की प्रॉपर्टी जब्त होगी। इसे सरकार अपने कब्जे में लेगी। गैंगस्टर्स की प्रॉपर्टी या पैसा अपने कब्जे में रखने वालों को भी सजा होगी। गिरोह बनाकर फिरौती वसूलने, पैसे के लिए धमकाने वालों को राकोका के दायरे में लिया जाएगा। राकोका के केस की सुनवाई के लिए अलग से कोर्ट होगा। डीएसपी स्तर का अफसर ही राकोका में केस दर्ज करेगा। जिन अपराधियों के खिलाफ पिछले 10 साल में एक से ज्यादा चार्जशीट पेश की गई हों और कोर्ट ने उन पर संज्ञान लिया हो। ऐसे अपराधियों को राकोका के दायरे में लिया जाएगा। इस केस में लंबे समय तक जमानत नहीं होगी।

फिरौती के लिए दो अपराधियों ने मिलकर धमकाया तो लगेगा राकोका

गैंग बनाकर किए जाने वाले अपराध पर यह कानून लागू होगा। अपराध करने वाली गैंग के हर मेंबर के खिलाफ राकोका के प्रावधानों के हिसाब से कार्रवाई की जाएगी। अगर दो या इससे ज्यादा अपराधियों ने मिलकर किसी को फिरौती के लिए धमकाया, पैसा वसूला तो इसे राकोका के तहत संगठित क्राइम मानकर कार्रवाई होगी। ऐसा करने वालों की प्रॉपर्टी और पैसा जब्त होगा।

गैंगस्टर्स को शरण देने वालों को उम्रकैद तक सजा

क्राइम करने वाली गैंग के किसी भी मेंबर को शरण देने वाले के खिलाफ नए बिल में कड़ी कार्रवाई के प्रावधान हैं।

गैंग बनाकर अपराध करने वाले अपराधियों को शरण देने वालों को कम से कम पांच साल की सजा और पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाने का प्रावधान है। शरण देने पर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है।

आपराधिक गैंग बनाकर अवैध वसूली, फिरौती, तस्करी सहित किसी भी अवैध तरीके से पैसा और प्रॉपर्टी बनाने पर कम से कम तीन साल की सजा होगी। यह सजा उम्रकैद तक की हो सकती है। सरकार इस तरह की प्रॉपर्टी को जब्त करके नीलाम करेगी।

हर तरह के अपराध कवर होंगे

इसमें हर तरह का क्राइम कवर होगा। ड्रग्स तस्करी, शराब तस्करी, अवैध वसूली, फिरौती जैसे क्राइम करने वाले इसके टारगेट पर रहेंगे। राकोका के नियमों में इसके प्रावधानों को और ज्यादा स्पष्ट करते हुए कड़े प्रावधान किए जा सकते हैं। गैंगस्टर्स के खिलाफ एक्शन के लिए नियमों में एसओपी भी बनेगी। राकोका के नियमों पर एक्सरसाइज हो चुकी है।

सीकर में लेनदेन के विवाद में युवक की हत्या

हाथ-पैर बांधकर रेलवे ट्रैक पर फेंका, जांच शुरू

सीकर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सीकर में लेनदेन के विवाद में एक युवक की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। पुलिस ने युवक का क्षत विक्षत शव भदवासी गांव के पास रेलवे ट्रैक से बरामद किया गया है। उसके के हाथ पैर रस्सी से बंधे हुए मिले हैं।

जानकारी के अनुसार लेनदेन के विवाद में झुंझुनू जिले के रहने वाले आलोक का सोमवार रात को पिपराली चौराहे से अपहरण किया गया था। जिसके बाद बदमाशों ने उसे हाथ-पैर बांधकर भादवासी गांव के पास रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। मंगलवार सुबह पुलिस ने रेलवे ट्रैक से उसका क्षत विक्षत शव बरामद किया गया। पुलिस ने मृतक के शव को कल्याण अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। साथ ही उसके परिजनों को भी घटना की जानकारी दे दी है, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि युवक के हाथ-पैर बंधे हुए थे। केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री पोर्टल 181 पर कर्मचारियों की शिकायत नहीं हुई दूर, हड़ताल पर गए

कोटा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल पर आम जनता तो दूर उस पर काम करने वाले कर्मचारियों की ही शिकायत दूर नहीं हो पा रही है। इसलिए कर्मचारी शिकायत पोर्टल केंद्र के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। पोर्टल पर करीब 400 कर्मचारी कार्यरत हैं। इन कर्मचारियों में सैलरी नहीं मिलने से आक्रोश है। इन्होंने उच्च अधिकारियों को भी अपनी शिकायत दर्ज करवाई है। लेकिन, कोई समाधान नहीं होने के कारण उन्हें कार्य बहिष्कार करना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा जनता की शिकायतों के निवारण के लिए 181 हेल्पलाइन डेक्स की शुरुआत की गई है।

एनआईए का रतलाम में छापा, सूफा के मास्टरमाइंड की प्रॉपर्टी अटैच

जयपुर दहलाने की रची थी साजिश

जयपुर, 18 जुलाई (एजेंसियां)। एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) ने रतलाम में देशद्रोही संगठन सूफा से जुड़े सदस्यों के ठिकानों पर छापा मारा। ये संगठन जयपुर दहलाने की साजिश रच रहा था। एनआईए की तीन सदस्यी टीम ने देशद्रोही संगठन के मास्टर माइंड इमरान के फार्म हाउस पर संपत्ति अटैच करने के लिए ऑर्डर चस्पा किया। एनआईए की कार्रवाई के दौरान रेवेन्यू और लोकल पुलिस टीम भी मौजूद रही है। बतादें कि मार्च 2022 में राजस्थान के निंबाहेड़ा में सूफा से जुड़े सदस्य विस्फोटक सामग्री के साथ पकड़े गए थे। इस दौरान इमरान को भी गिरफ्तार किया गया था। आरोपी इमरान अपने फार्म हाउस का इस्तेमाल देश विरोधी गतिविधियों के लिए करता था। यहां सूफा के सदस्यों को आईईडी बम बनाने की ट्रेनिंग देता था। फिलहाल इमराम जेल में बंद हैं। जानकारी के अनुसार प्रदेश के निंबाहेड़ा में विस्फोटक के साथ पकड़े गए आतंकियों का जांच के दौरान रतलाम कनेक्शन सामने आया था। जिसके बाद मध्यप्रदेश और राजस्थान की एसटीएफ की टीमों ने रतलाम में कार्रवाई करते हुए आधा दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। 10 महीने पहले आतंक और टेरर फंडिंग से जुड़े इस मामले की जांच करने एनआईए की टीम रतलाम पहुंची थी।

लेट आने पर जूनियर का जवाब सुन चौंके सीनियर अधिकारी

थमाया था नोटिस; रिप्लाई मिला- आप कभी समय पर नहीं आते, इसलिए मैं भी नहीं आता

कोटा, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सरकारी विभागों में लेट लतीफी, कामकाज की शैली और अफसर-कर्मचारियों में आपसी तनातनी को लेकर कोई ना कोई किस्सा सामने आता ही रहता है। कोटा में बिजली विभाग (जयपुर डिस्कॉम) में कार्मिक के लेट आने पर जोनल चीफ इंजीनियर ने कारण नोटिस दिया, तो कार्मिक ने भी पलटवार करते हुए बड़े अजीब तरीके से नोटिस का जवाब दिया।

कर्मचारी का जवाब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। उसके इस लिखित जवाब ने पूरे सिस्टम पर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। बता दें कि नोटिस का जवाब कोटा संभाग से लेकर जयपुर मुख्यालय तक के सोशल मीडिया ग्रुप में चर्चा का विषय बना हुआ है। इसे देर से ऑफिस पहुंचने वाले कर्मचारी की अनुशासनहीनता कहेंगे, या अधिकारियों के देर से आने की पोल खोल...? यह तो जिम्मेदार ही तय करेंगे कि ऐसे जवाब के पीछे क्या कारण रहे?

जवाब देख चौंके

जोनल चीफ इंजीनियर जीएस बैरवा ने 14 जुलाई को ऑफिस का अचानक निरीक्षण किया था। निरीक्षण में सुबह 9 बजकर 45 मिनट पर ऑडिट ब्रांच में कॉमर्शियल ऑफिसर अजित सिंह सीट पर नहीं मिले थे। रजिस्टर में अजित सिंह के साइन नहीं थे। सिंह के अनुपस्थित मिलने पर जोनल चीफ इंजीनियर ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था। 17 जुलाई को सिंह ने जोनल चीफ इंजीनियर के कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया। सिंह ने अपने जवाब में लिखा कि 'आप स्वयं कभी भी समय पर नहीं आते है, इसलिए में भी समय पर नहीं आता हूं।'

मैंने सही जवाब दिया- अजित सिंह

अजित सिंह आर्मी कोटे से बिजली विभाग में लगे हैं और पिछले 4 साल से कोटा में पोस्टेड हैं। इस बारे में अजित सिंह ने कहा कि आज भी जोनल चीफ इंजीनियर लेट आए हैं। मैंने तो सही जवाब दिया है।

कृषि को पूर्ण लाभदायक बनाने का प्रयास करें कृषि बैज्ञानिक : केवी शाजी

कृषि अनुसंधान सेवा के लिए 113वें फाउंडेशन कोर्स का शुभारंभ

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नाबार्ड के अध्यक्ष के.वी. शाजी ने नार्म में कृषि अनुसंधान सेवा के लिए 113वें फाउंडेशन कोर्स के उद्घाटन के दौरान परिवीक्षाधीन कृषि वैज्ञानिकों को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि फसल के बाद होने वाले नुकसान को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप और अनुनय के माध्यम से सही समय पर उपभोक्ताओं और हितधारकों तक पहुंचना कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के विकास की कुंजी है। एक विकास बैंकर के रूप में उन्होंने बताया कि कैसे भारत सरकार द्वारा आरबीआई के माध्यम से वित्त पोषण और ऋण वितरण उद्देश्यों के लिए कृषि क्षेत्र में समावेशिता लाई गई है। उन्होंने इन परिवीक्षाधीनों से अपने अनुसंधान लक्ष्यों को राष्ट्र के लक्ष्यों के साथ जोड़कर समाज के लिए अपनी उत्कृष्ट सेवाएं देने का आह्वान किया। श्री शाजी ने इस बात पर जोर दिया कि यदि अनुसंधान बाजार की जरूरतों पर केंद्रित हो तो धन की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादकता और स्थिरता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण का लाभ उठाना होगा।

सम्माननीय अतिथि डॉ. पी. अप्पा राव, पूर्व वीसी, हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी, ने कहा कि युवा दिमाग में नवोन्वेषी विचार, कार्य करने की प्रतिबद्धता, जिम्मेदारी निभाना और उन्हें तार्किक अंत तक क्रियान्वित करना उनके करियर में उत्कृष्टता लाएगा।

डॉ. चौ. श्रीनिवास राव, निदेशक, आईसीएआर-एनएएआरएम ने कृषि अनुसंधान सेवा के लिए इस कोर्स के महत्व के बारे में जानकारी दी और प्रशिक्षुओं को उनके योगदान के माध्यम से समाज की बेहतरी के लिए जिम्मेदारियों के बारे में बताया। इससे पहले, आईसीएआर-एनएएआरएम के संयुक्त निदेशक डॉ. जी. वेंकटेश्वरलु ने अकादमी में नए भर्ती हुए युवा वैज्ञानिकों का स्वागत किया।

अनिवारा स्थानम उत्सव तिरुमाला में आयोजित

तिरुमाला, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अनिवारी स्थानम-श्रीवारी मंदिर के वार्षिक खातों की शुरुआत का पारंपरिक उत्सव सोमवार को तिरुमाला के बंगारू वकीली में तिरुमाला के पुजारी श्री श्री श्री पेद्दा जीयारस्वामी, श्री श्री श्री चिन्ना जीयारस्वामी और टीटीडी ईओ एवी धर्मा रेड्डी की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

इससे पहले सर्व भूपाल वाहनम पर स्थापित श्री मलयप्पा स्वामी और उनके सहयोगियों की उत्सव मूर्तियाँ श्री वेंकटेश्वर के प्रमुख सेनापति श्री विश्वक्सेना के साथ बंगारू वकीली के गंटा मंडपम में विराजमान थीं। बाद में मूल विराट और उत्सव मूर्तियों की विशेष पूजा की गई और प्रसाद निवेदन किया गया। उसके बाद वरिष्ठ तिरुमाला पुजारी ने अपने सिर पर चांदी की प्लेट में छह पट्टू वस्त्रम रखे, मंगला वैद्यों के बीच श्रीवारी मंदिर में प्रवेश किया।

साधु धर्म का ज्ञान आवश्यक : साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञा

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ भवन, सिकंदराबाद में दैनिक आध्यात्मिक आगम आधारित प्रवचन श्रृंखला जारी है। साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञा जी ने मंगल के संदर्भ में कहा कि सबके लिए जो एकांत मंगल है वह क्या है? समाधान दिया गया है धर्म ही उत्कृष्ट मंगल है। पुनः प्रश्न आता है कौन सा धर्म मंगल है? पुनः समाधान मिला- अहिंसा, संयम, तप। ये जहां पर है वह धर्म मंगल है। इस तत्व से अनभिज्ञ लोग हिंसा को भी धर्म मान लेते हैं। सिद्धांत की जानकारी आवश्यक है। भगवान महावीर ने कहा है पहले जीव अजीव को जाने, अन्यथा संयम तप को नहीं जाना जा सकता। साधना के मार्ग पर प्रस्थान करने के लिए ये जानना आवश्यक है कि हमारे सम्यक्त्व का उदय हुआ या नहीं। श्रावक और साधु का धर्म अलग अलग नहीं है। श्रावक धर्म और साधु धर्म का भेद आचरण की क्षमता के आधार पर हुआ है, पर धर्म तो धर्म ही है। त्याग में तरतमता हो सकती है। पहले साधु धर्म का ज्ञान आवश्यक है।

भगवान ने दो प्रकार के धर्म की प्ररूपना की जो अगार और अणगार के रूप में विख्यात है। साधु महाव्रत को और श्रावक बारहव्रत को स्वीकार करता है। साध्वीश्री जी ने परिषद को प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि बारहव्रत की साधना श्रावक श्राविकाओं को अवश्य करनी चाहिए। आचार्य भिक्षु ने श्रावक और साधु दोनों को रत्नों की माला कहा है। भिक्षु साहित्य में शुद्ध धर्म का प्रतिपादन हमें प्राप्त होता है। स्वार्थ से ऊपर उठकर परार्थ और परमार्थ की यात्रा करें। तप और संयम के फूल खिलाए, अंतः के बगीचे को सुंदर बनाएं।

मोंडा मार्केट व्यापारी संघ ने की बैठक

सरकारी अधिकारियों के खिलाफ गृहमंत्री से मिलने का निर्णय

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दि सिकंदराबाद एवं बोइनपल्ली व्यापारी संघ की मीटिंग मोंडा मार्केट में अध्यक्ष ए. गौतम जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में व्यापारी समाज पर आये दिन सरकारी अफसर, विजलेंस और इंफोर्समेंट, नाप-तोल विभाग एव अन्य डिपार्टमेंट के अधिकारियों की ज्यादाती पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें बताया गया कि व्यापरी समाज सरकारी अफसरों से परेशान है। इस पर बहुत ही चिंतन मनन के पश्चात यह निर्णय लिया गया कि इस संदर्भ में वे गृहमंत्री मोहम्मद महमूद अली, मार्केटिंग निर्देशक लक्ष्म बाई एवं अन्य बड़े अधिकारियों से मिल कर उन्हें अवगत कराया जायेगा। गौतम जैन ने सभी व्यापारी भाइयों से अनुरोध किया की वे सम्बंधित लाइसेंस को रिनवेल करायें। इस अवसर पर उपाध्यक्ष गोपाल बंग, महासचिव हरि किशन बंग, संयुक्त सचिव आनंद बंग, कोषाध्यक्ष मधु बाबू, कार्यकारिणी अध्यक्ष सी. रविचंद्रा, राजाराम चौधरी, राकेश पुनेरिआ, बाबूलाल, राजकुमार, जे. बालाजी, एम. निशांत, सुरेश, रामप्रकाश इन्नाणी आदि इस अवसर पर उपस्थित थे।

टीआईएफआर के शोधकर्ता सौर बैटरी पर कर रहे हैं काम

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), हैदराबाद के शोधकर्ताओं ने बैटरी चार्ज करने के एक नए तरीके की इंजीनियरिंग करते हुए दिखाया कि कैसे लिथियम आयन बैटरी, मौजूदा वाणिज्यिक डिजाइनों के समान, सीधे सूर्य के प्रकाश से चार्ज की जा सकती है, जिससे सौर बैटरी विकसित की जा सकती है। रिचार्जेबल बैटरियों पर अपने अध्ययन के दौरान, प्रोफेसर टीएन नारायणन के नेतृत्व में शोधकर्ता समूह ने लिथियम आयन बैटरी में हेटेरो-स्ट्रक्चर इलेक्ट्रोड, दो सामग्रियों मोलिब्डेनम सल्फाइड और मोलिब्डेनम ऑक्साइड का संयोजन का उपयोग किया, जिसका उपयोग आमतौर पर सेल फोन, लैपटॉप, ई-बाइक को बिजली देने के लिए किया जाता है। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने देखा कि बैटरी में चार्जिंग तंत्र प्रकाश द्वारा संचालित हो रहा था। इसके अलावा, शोधकर्ताओं ने पता लगाया कि क्या प्रकाश वास्तव में बैटरी को चार्ज कर रहा था या यह केवल एक अज्ञात पक्ष की प्रतिक्रिया का परिणाम था। लिथियम धातु-टाइटेनियम डाइसल्फ़ाइड और टाइटेनियम डाइऑक्साइड-हाइब्रिड इलेक्ट्रोड असेंबली का उपयोग करके, प्रोफेसर नारायणन के समूह के प्रमुख लेखक और स्नातक छात्र अमर कुमार और उनके सहयोगियों ने एक प्रकाश चार्ज करने योग्य बैटरी के कामकाज का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। टीम ने लिथियम को ग्रेफाइट से बदलकर, एक सुरक्षित सौर बैटरी विकसित करके डिजाइन में सुधार किया। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह काम व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य प्रकाश चार्ज करने योग्य बैटरियों के विकास के लिए ढेर सारे अवसर खोलता है, साथ ही चार्जिंग तंत्र, थर्मल प्रभाव आदि के संबंध में कई बुनियादी सवाल भी उठाता है। वर्तमान में, टीआईएफआर हैदराबाद में नारायणन का समूह कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के माइकल डी वोल्डर के समूह के सहयोग से मजबूत नवीकरणीय ऊर्जा संचयन सह भंडारण प्रणाली विकसित करने के लिए संभावित उम्मीदवार सामग्री की खोज कर रहा है।

दिखावापन से दूर रहे धनाढ्य वर्ग : ज्ञानमुनिजी म.सा.

पंडित रत्न प्रज्ञाज्योतिश्री ज्ञानमुनि जी म.सा. का दर्शन-वंदन कर उनसे कई मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हुए मोहनलाल मुणोत व कोरा जैन संघ के कार्याध्यक्ष सूर्यप्रकाश नाबरिया।

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पंडित रत्न प्रज्ञाज्योतिश्री ज्ञानमुनि जी म.सा. ने कहा कि आजकल पारिवारिक समारोहों में जिस तरह का दिखावापन हो रहा है, वह देश व समाज के लिए सुखद नहीं है। सिख विलेज में पधारे महाराज साहब ने कहा कि पारिवारिक समारोह में जिस तरह से होटलों व कैटरिंग के जरिए तरह-तरह के महंगे खाने परोसने का चलन हुआ है, उससे अन्न की बर्बादी के सिवा और कुछ नहीं होता।

ज्ञानमुनिजी म.सा. ने आश्चर्य व्यक्त किया कि जहां देश के 85 करोड़ लोगों को मोदी सरकार पांच किलो फ्री राशन उपलब्ध करा रही है, वहीं लोग अपने घरों में शादी, सगाई और जन्मदिन जैसे समारोह के लिए दो हजार से साढ़े चार हजार रुपए तक की थाली बुक करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आखिर इतना लोग खाते कैसे हैं? जाहिर है इस तरह के दिखावे की थाली से काफी अन्न की बर्बादी होती है। इस पर समाज के प्रबुद्ध वर्ग को विचार कर ऐसी कुप्रथा को रोकना ही चाहिए। इसके लिए जरूरत पडे तो जन आंदोलन तक चलाया जाए, ताकि लोगों में जागरूकता आए और वे समाज हित में बेहतर कदम उठा सकें।

गुरुकुल विद्यालय के शिक्षकों की समस्याओं का समाधान किया जाए : टीएस यूटीएफ

कुमरमभीम आसिफाबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुकुल स्कूलों के शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए टीएस यूटीएफ के राज्यव्यापी धरने के तहत आज कुमुराम जिला समाहरणालय परिसर के सामने विरोध धरना आयोजित किया गया। इस अवसर पर टीएस यूटीएफ जिला अध्यक्ष और महासचिव वैद्य शांति कुमारी और सोयम इंदु राव ने कहा कि तेलंगाना राज्य सरकार ने समाज कल्याण, जनजातीय विभाग, महात्मा ज्योतिबापूल बीसी कल्याण, अल्पसंख्यक गुरुकुलम आदि जैसे विभिन्न नियोक्ताओं में स्कूल स्थापित किए हैं। वे कई समस्याओं से जूझते रहते हैं। संबंधित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों पर कार्य का बोझ कम कर उन्हें मानसिक तनाव से मुक्ति दिलायी जाये। गुरुकुल में काम करने वाले शिक्षकों को समता वेतनमान दिया जाना चाहिए क्योंकि वे अतिरिक्त जिम्मेदारियों के साथ लंबे समय तक काम करते हैं। गुरुकुल शिक्षकों का स्थानांतरण कार्यक्रम जारी किया जाए, सभी समाजों में एक समान प्रशासन लागू किया जाए, राज्य के सभी गुरुकुल विद्यालयों के लिए भवनों का निर्माण किया जाए। गुरुकुल विद्यालयों में कार्यरत संविदा आउटसोर्सिंग, अंशकालिक और अतिथि को अलग-अलग कर नियमित किया जाए। काम के लिए समान वेतन दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में गुरुकुल शिक्षण संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का एक सफल मॉडल हैं। उन्होंने कहा कि गुरुकुल के विद्यार्थियों को मिली सफलता के पीछे शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण है। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों को पहचाना और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार तत्काल सैकड़ों गुरुकुलों के लिए स्थायी भवन का निर्माण कराये। छात्रों के मेस शुल्क में 25 फीसदी की बढ़ोतरी के सरकार के फैसले के मद्देनजर उन्होंने तत्काल आदेश देने को कहा। उन्होंने कहा कि एकजुट आंदोलन ही समस्याओं के समाधान का रास्ता है। उन्होंने कहा कि गुरुकुल शिक्षक शिक्षण के साथ-साथ हाउस मास्टर, केयरटेकर, डिप्टी वार्डन, पर्यवेक्षी अध्ययन, रात्रि प्रवास, एस्कॉर्ट आदि कई कर्तव्यों का पालन करते हैं। टीएस यूटीएफ मंडल अध्यक्ष सिंगती उपेंदर, सत्यनारायण, हेमंत शिंदे, टी. रमेश कोटा तिरूपति, चंद्रया, शंकर, ललिता, प्रेमला, स्वप्ना, भाग्यलक्ष्मी, मंकू, वेंकटेश, मारुति, महेश, अन्य समाज कल्याण, जनजातीय विभाग, बीसी कल्याण, अल्पसंख्यक शिक्षक कल्याण विद्यालयों ने भाग लिया।

श्री जगन्नाथ सेवा समिति की कलश यात्रा एवं महायज्ञ आज

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा श्री जगन्नाथ मंदिर, रोड नंबर 12, बंजारा हिल्स में श्री पंचकुण्डीय हरि हर महायज्ञ का आयोजन 19 जुलाई से 25 जुलाई तक किया जाएगा। यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में समिति के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि कलश यात्रा श्री कनकदुर्गा मंदिर, रोड नंबर 12, बंजारा हिल्स से प्रातः 8 बजे प्रारंभ होकर श्री जगन्नाथ मंदिर जाएगी जिसके पश्चात् श्री पंचकुंडीय महायज्ञ का शुभारंभ होगा। कलश यात्रा को खैरताबाद विधान सभा के विधायक श्री दानम नागेंद्र एवं हैदराबाद नगर पालिका की मेयर श्रीमती गदवाल विजयलक्ष्मी हरी झंडी बताकर रवाना करेंगे। समिति के अध्यक्ष मुकुंद लाल सोन्थलिया, उपाध्यक्ष महेश कुमार डाकोतिया, मानद मंत्री सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, सहमंत्री अमर टीबारेवाल, कोषाध्यक्ष सीए रवींद्र अग्रवाल, परामर्शदाता मुन्नालाल अग्रवाल, नरेंद्र कुमार गोयल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, प्रमोद कुमार आगरावाले, विट्ठल दास अग्रवाल, महेश कुमार दिल्लीवाले, सुरेंद्र कुमार गोयल, यज्ञ समिति के संयोजक शंकर लाल अग्रवाल, कलश यात्रा संयोजक सुनील कुमार गुप्ता, विज्ञापन प्रचार प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य सीए सुरेश अग्रवाल, वेदप्रकाश अग्रवाल (आनंद मसाला) विनोद कुमार डाकोतिया, प्रमोद कुमार सरायवाले, सुरेश अग्रवाल, विनोद कुमार डाकोतिया आदि ने सभी जनमानस से निवेदन किया है कि ज़्यादा से ज़्यादा संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनायें। इस कार्यक्रम के मुख्य यजमान राम प्रसाद बजरंग लाल गुप्ता (बदरी प्रसाद बाबू लाल) हैं। भंडारा प्रायोजक मुन्ना लाल अग्रवाल एवं प्रमोद कुमार आगरावाले हैं तथा विज्ञापन प्रायोजक भरत कुमार सोन्थलिया हैं।

अग्रणी विवाह बंधन की बैठक की गई। बैठक में कई सारे रिश्ते तय किए गए और लड़का और लड़की के बायोडाटा भी लिए गए। अवसर पर अध्यक्ष सुनयना नरसरिया, सुमन भुवानिया, प्रीति गोयल, संगीता जाजोदिया, पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज रेनबो विस्टा शाखा ने गो सेवा की

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज रेनबो विस्टा शाखा ने गो सेवा की। आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से शाखा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि सावन माह की सोमवती अमावस के दिन शाखा द्वारा गो सेवा की गई। मूसापेट स्थित रामवास गोशाला मे कल सुबह शाखा सदस्यौ ने गायों को हरी घास, रोटियाँ एवं केले आदि खिलाए। शाखा की तरफ से गोशाला मे सहयोग राशि का भी योगदान कीया गया। अवसर पर महिलाओ एवं छोटे-छोटे बालकों ने भी गाय को रोटी खिलाई। शाखा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल के साथ सहमंत्री पवन सिंघल, कोषाध्यक्ष विजय अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य विनोद अग्रवाल, रीतू गोयल, विपिन सिंघानिया, रोहित जाजोदिया, आदित्य जैन आदि ने गो सेवा की।

पीआरसीआई द्वारा उद्यमियों के लिए इम्पैक्ट अवार्ड्स प्रदान किया गया

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीआरसीआई) उद्यमियों के लिए इम्पैक्ट अवार्ड्स 2023 प्रदान करता है, जिसमें हैदराबाद इवेंट एंड वेडिंग प्लानिंग कंपनी वाईडीआई इवेंट्स (क्राफ्टिंग योर ड्रीम्स) के यश जोशी को राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर 2023 के खिताब से नवाजा गया है। कर्नाटक के न्यायमूर्ति श्री कृष्ण एस दीक्षित, प्रोफेसर प्रभात रंजन (विश्व शिक्षा शिखर सम्मेलन और वैज्ञानिक) द्वारा सुश्री पिंकी जौहरी, डॉ. केआर वेणुगोपाल, प्रवीण शिरियान्नवर, गीता शंकर, एआर रवींद्रन, यू.एस.कुट्टी और अन्य की उपस्थिति में दिया गया।

केन्द्रीय मंत्री तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी को ग्लोबल इनक्रेडिबल आईएनसी लीडरशिप अवार्ड मिलने पर नगर में खुशी मनाते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल व अन्य।

पुस्तक वितरण का पांचवां चरण संपन्न

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकदराबाद द्वारा पुस्तक वितरण का पांचवा चरण संपन्न हुआ। शाखा मंत्री शीतल जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन के अध्यक्षता मे आंध्रप्रदेश तेलंगाना प्रांत का प्रतिष्ठित कार्यक्रम पुस्तक (नोटबुक) वितरण के अन्तर्गत शाखा द्वारा मारडपल्ली स्थित ओरल फॉर देफत स्कूल में 'पढ़ेगा इंडिया तो बढ़ेगा इंडिया' की तर्ज पर सिकंदराबाद स्थित सरकारी स्कूल के जरूरतमंद बच्चों को नोटबुक, पेन, पेंसिल, रबड़ इत्यादि लेखन सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा उपाध्यक्ष शशि नाहर, रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा, ललिता लोहार, वंदना दूगड़, मीना दूगड़, सोनल जैन, पुष्पा कोठारी, मंजू गांधी, रिद्धि जैन सराहनीय योगदान रहा। शाखा की कोषाध्यक्ष कला गांधी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

रहीमपुरा में रजक समाज की समस्याओं पर की गई बैठक

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहाल निर्वाचन क्षेत्र के रहीमपुरा में वेदप्रकाश रजक वेलफेयर संघ द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में रजक समाज के तरफ से दिए गए निमंत्रण पर गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी नंदकिशोर व्यास बिलाल ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ भाग लिया।

बैठक के दौरान रजक समाज के लोगों ने नंदू बिलाल को अपने समाज के तमाम समस्याओं से अवगत कराया और भवन निर्माण के लिए जमीन की मांग की। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हमारे समाज के पास स्कूल, कॉलेज के अलावा अन्य कार्यों के लिए भी कोई भवन नहीं है।

इसके बाद नंदकिशोर व्यास बिलाल ने रजक समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कई अन्य बातें कही और तेलंगाना सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से उन्हें अवगत कराया और आख़िर में उन्हें सरकार से जमीन दिलाने का अश्वासन दिया। इस मौके पर गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी नंदकिशोर व्यास बिलाल के साथ पार्टी के वरिष्ट नेतागण पप्पू माथरे, सुनील सिंह, शैलेष कोरमा, शिवशंकर शर्मा, राजा यादव के अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

अग्रवाल समाज अग्रसेन मार्ग शाखा के पदाधिकारियों ने पदभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज अग्रसेन मार्ग शाखा के पदाधिकारियों द्वारा पदभार ग्रहण किया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा शाखा के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि आज प्रातः एक बैठक शाखा के अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल के निवास स्थान रोड नम्बर 12, बंजारा हिल्स में हुई जिसमे वर्ष 2023-25 के कार्यकाल हेतु चुने गए पदाधिकारियों एवं केंद्रीय समिति हेतु चुने गए दो सदस्यों द्वारा कार्यभार सम्भाला गया। पदाधिकारियों की प्रथम बैठक में आगामी रविवार 6 अगस्त को सावन की सैर का निर्णय लिया गया, जो शाखा के परामर्शदाता नरेंद्र कुमार गोयल के फॉर्म हाउस, पाल्माकूल, कोत्तूर के क़रीब की जाएगी जिसके संयोजक के रूप में कैलाश चंद अग्रवाल को मनोनीत किया गया प्रातः 11 बजे से सायं 6 बजे तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे, जिसमे खेल कूद तंबोलों आदि रहेंगे सदस्यों के पहुँचने के पश्चात् अल्पाहार मध्याह्न का भोजन एवं सायं हाई टी का प्रबंध रहेगा। वर्ष 2023-24 की रूप रेखा बनाई गई जिसमे शाखा द्वारा देहरादून ऋषिकेश हरिद्वार का भ्रमण कार्यक्रम हेतु चर्चा की गई। बैठक में अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष ताराचंद बंसल, मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, सहमंत्री कैलाश चंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल ऑयल वाले, केंद्रीय समिति सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले उपस्थित थे।

2026 में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स पर संशय

बजट बढ़ने की वजह से विक्टोरिया राज्य ने मेजबानी करने से किया इनकार

मेलबर्न, 18 जुलाई (एजेंसियां)। 2026 में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। विक्टोरिया सरकार ने बजट बढ़ने की वजह से इसकी मेजबानी से इनकार कर दिया है। कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन ने विक्टोरिया को 2026 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी पिछले साल अप्रैल में सौंपी थी। 16 खेलों का आयोजन मेलबर्न, जीलोंग, बेंडिगो, बेलार्ट और जिप्सलैंड में होना है।

विक्टोरिया सरकार ने कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन को मंगलवार को जानकारी दी है कि इसके आयोजन का बजट दोगुना से ज्यादा बढ़ गया है। इसकी वजह से वह 2026 में कॉमनवेल्थ गेम्स के आयोजन करने में सक्षम नहीं है।

विक्टोरिया प्रीमियर डेनियल एंड्रयूज ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमें

पिछले साल कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन ने 2026 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए संपर्क किया था और हमें इसकी मेजबानी सौंपी थी।

जब हमें इसकी मेजबानी सौंपी गई थी तब मेलबर्न, जीलोंग, बेंडिगो, बेलार्ट और जिप्सलैंड में तैयारी के लिए अनुमानित खर्च 14,767 करोड़ रुपए (दो बिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर) था, लेकिन तैयारी में लगने वाले समानों के दाम बढ़ जाने की वजह अब खर्च बढ़कर 33,557 करोड़ रुपए (7 बिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर) हो गया है। यह इसके आयोजन से होने वाले लाभ से कहीं ज्यादा है।

इसलिए सरकार ने 2026 में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन करने से मना कर दिया है। सरकार ने कॉमनवेल्थ फेडरेशन को अपने फैसले से अवगत करा दिया है।

उधर कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन ने जारी बयान में कहा कि विक्टोरिया सरकार के फैसले से हम निराश हैं। सरकार ने ऐसा फैसला लेने से पहले फेडरेशन को जानकारी नहीं दी। जून में जब बैठक हुई थी, तब सरकार की ओर से हमें 14,767 करोड़ रुपए का बजट गया था। अब बजट दो गुणा से ज्यादा बताया जा रहा है। हम खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखते हुए अपने पास उपलब्ध विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। जल्द ही इसका समाधान निकाल लिया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया पांच बार कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी कर चुका है

ऑस्ट्रेलिया पांच बार कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी कर चुका है। साल 2006 में विक्टोरिया के मेलबर्न में इसका आयोजन किया गया था। इसके अलावा 1938 में सिडनी, 1962 में पर्थ, 1982 में ब्रिस्बेन और 2018 में गोल्ड कोस्ट में कॉमनवेल्थ गेम्स हो चुके हैं।

ओलिंपिक मेडलिस्ट चानू की मोदी-शाह से गुहार

बोलीं- मणिपुर की प्रजा को बचा लो, ट्रेनिंग बंद है, छात्र भी परेशान

वाशिंगटन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। टोक्यो ओलिंपिक में देश को पहला मेडल दिलाने वाली वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मणिपुर में शांति बहाल करने की अपील की है। उन्होंने सोमवार रात एक वीडियो पोस्ट किया और मणिपुर में जारी हिंसा पर चिंता जाहिर की है।

एक मिनट 10 सेकंड के वीडियो में चानू ने मणिपुर की वर्तमान स्थिति बताई और PM मोदी और गृहमंत्री शाह से कहा- 'मणिपुर की प्रजा को बचा लो।'

29 साल की वेटलिफ्टर मीराबाई चानू यूएसए में हैं और वहां वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप और अगस्त-सितंबर में होने जा रहे एशियन गेम्स-2022 की तैयारी कर रही हैं।

चानू ने वीडियो में कहा- 'मणिपुर में चल रही लड़ाई को 3 महीने होने वाला है और अभी तक

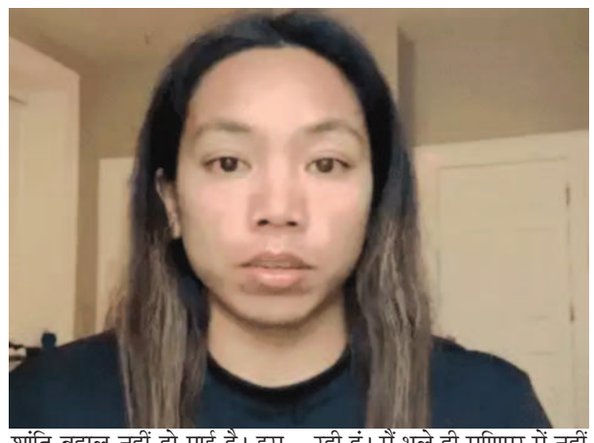

शांति बहाल नहीं हो पाई है। इस लड़ाई की वजह से कई खिलाड़ियों को ट्रेनिंग नहीं मिल पा रही है। स्टूडेंट्स की पढ़ाई भी डिस्टर्ब हो रही है। 3 लोगों की जान जा चुकी है। बहुत सारे घर जल चुके हैं, मणिपुर में मेरा भी घर है। फिलहाल मैं USA में हूं और आने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियन गेम्स की तैयारी कर रही हूं। मैं भले ही मणिपुर में नहीं हूं, लेकिन देखतीं हूं और सोचती हूं कि कब खत्म होगी यह लड़ाई। मैं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से अपील करती हूं कि इस लड़ाई को जल्दी से जल्दी शांत करें और मणिपुर की प्रजा को बचा लीजिए और मणिपुर में पहले जैसी शांति बहाल कीजिए।'

मणिपुर इन दिनों जातिवादी हिंसा से जल रहा है। वहां पिछले 3 महीने से हिंसा जारी है और 150 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। मणिपुर हिंसा की मुख्य वजह हाईकोर्ट का एक आदेश है। इस आदेश में मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य के मैतेई समुदाय को ST का दर्जा देने की सिफारिश की थी। कुकी और नगा इसका विरोध कर रही है।

मणिपुर में इंटरनेट की बहाली पर रोक नहीं: सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को मणिपुर हिंसा से जुड़े तीन मामलों में सुनवाई हुई। पहला केस, राज्य में इंटरनेट को बहाल करने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार की याचिका से जुड़ा था। दूसरा केस, एडवोकेट दीक्षा द्विवेदी के खिलाफ हुई एफआईआर और गिरफ्तारी से मिली अंतरिम सुरक्षा को बढ़ाने की मांग का था।

वेस्टइंडीज में रोहित-द्रविड़ से मिलेंगे चीफ सलेक्टर आगरकर

वनडे वर्ल्ड कप के लिए तैयार करेंगे रोड मैप; बुमराह की फिटनेस पर भी होगी चर्चा

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड सीनियर सेलेक्शन कमेटी के चीफ सलेक्टर अजित आगरकर वेस्टइंडीज में टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा से मुलाकात करेंगे। टीम इंडिया फिलहाल वेस्टइंडीज दौरे पर है। टीम वहां पर टेस्ट, वनडे और टी-20 सीरीज खेलने के लिए गई है। टीम 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी भारत कर रहा है। वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से शुरू होगा। वर्ल्ड कप शुरू होने में सिर्फ 2 महीने बचे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, चयन समिति के अध्यक्ष अजित आगरकर वर्ल्ड कप की योजनाओं के संबंध में वेस्टइंडीज का दौरा करने वाले हैं। बीसीसीआई सूत्र ने बताया, आगरकर वेस्टइंडीज दौरे पर द्रविड़ और कप्तान रोहित के साथ वर्ल्ड कप पर चर्चा करेंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, फिलहाल चयन कमेटी के मेंबर सलिल अंकोला वेस्टइंडीज में हैं, लेकिन टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद वह वापस आ जाएंगे। वहीं आगरकर वनडे सीरीज शुरू होने से पहले टीम से जुड़ जाएंगे।

चयन समिति के अध्यक्ष बनने के बाद आगरकर ने अभी तक टीम मैनेजमेंट से मुलाकात नहीं की है। उनका वेस्टइंडीज दौरा टीम इंडिया की वर्ल्ड कप में रणनीति पर चर्चा करने का यह पहला मौका होगा।

इस मीटिंग में तेज गेंदबाद जसप्रीत बुमराह की फिटनेस स्थिति और उनके तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए आयरलैंड दौरे पर शामिल होने या न होने पर चर्चा की जाएगी। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी की स्पोर्टड साइंस एंड मेडिकल यूनिट ने अभी तक बुमराह को रिटर्न टू प्ले सर्टिफिकेट नहीं दिया है।

टीम मैनेजमेंट और सेलेक्शन कमेटी को फिटनेस मुद्दों के अलावा उन मुख्य 20 खिलाड़ियों के बारे में तालमेल बिठाने की जरूरत है, जिन्हें वे वर्ल्ड कप में खेलने के लिए दावेदार समझ रहे हैं।

दूसरे टेस्ट के लिए टीम इंडिया पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंच गई है। दूसरा टेस्ट 20 जुलाई से शुरू होना है। भारतीय टीम मंगलवार से प्रैक्टिस शुरू करेगी। उससे पहले भारतीय खिलाड़ी मस्ती करते नजर आए।

मोहम्मद सिराज, नवदीप सैनी, ईशान किशन और शुभमन गिल होटल में स्नूकर खेलते नजर आए। इसका वीडियो नवदीप सैनी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। वहीं रोहित शर्मा सहित टीम इंडिया के खिलाड़ी होटल लॉबी में नजर आए। जिसका वीडियो बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट किया।

20 जुलाई से होगी दूसरे टेस्ट की शुरुआत

पहला टेस्ट टीम इंडिया ने एक पारी और 141 रन से जीता था। दूसरा टेस्ट 20 जुलाई से खेला जाएगा। आयरलैंड दौरे के लिए टीम के हेड कोच वीवीएस लक्ष्मण होंगे और द्रविड़ को आराम दिया जाएगा।

इंडिया-ए एमर्जिंग एशिया कप के सेमीफाइनल में

नेपाल की टीम को 9 विकेट से हराया, साई सुदर्शन और अभिषेक के अर्धशतक

कोलंबो, 18 जुलाई (एजेंसियां)। इंडिया-ए ने एमर्जिंग एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। टीम ने नेपाल को 9 विकेट से हराया। यह टीम इंडिया-ए की टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत है। इस जीत के बाद भारतीय टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। भारतीय टीम का अगला मुकाबला 19 जुलाई को कोलंबो में पाकिस्तान के साथ होगा।

इंडिया-ए की जीत में साई सुदर्शन और अभिषेक शर्मा ने अहम योगदान दिया। दोनों ने फिफ्टी जमाई।

लंबो में सोमवार को नेपाल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम 39.2 ओवर में 167 रन पर ऑलआउट हो गई। 168 रनों का

शतकीय साझेदारी

रन 139 | बॉल 114

टारगेट भारतीय टीम ने 22.1 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। आगे पढ़िए इस जीत के बाद ग्रुप बी का पॉइंट्स टेबल और मैच रिपोर्ट...

भारतीय ओपनर्स ने जमाए अर्धशतक

168 रनों का टारगेट चेज करने उतरे ओपनर्स ने भारतीय टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। साई सुदर्शन और अभिषेक शर्मा ने अर्धशतक जमाए। सुदर्शन ने 58 और अभिषेक ने 87 रनों का योगदान दिया। दोनों के बीच 114 बॉल पर 139 रन की ओपनिंग साझेदारी हुई।

अभिषेक के आउट होने के बाद खेलने उतरे ध्रुव जुरेल ने 21 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। नेपाल को इकलौता विकेट रोहित पौदेल ने दिलाया।

रोहित पौदिल का अर्धशतक

नेपाली के कप्तान रोहित पौदेल ने अर्धशतकीय पारी खेली। वे 65 रन बनाकर आउट हुए। गुलसान ने 38 रन बनाए। 7 बैटर डबल डिजिट में भी नहीं पहुंच सके।

संधू को 4, हेंगरगेकर को 3 विकेट

भारत की ओर से निशांत सिंधू को 4 विकेट और राजवर्धन हेंगरगेकर को 3 सफलताएं मिलीं। हर्षित राणा को 2 और मानव सुथार को एक विकेट मिला।

बजरंग-विनेश को एशियन गेम्स में डायरेक्ट एंट्री

एडहॉक कमेटी ने ट्रायल से छूट दी; अन्य रेसलर्स विरोध में आए, कहा- कोर्ट जाएंगे

नई दिल्ली

धरना-प्रदर्शन करने वाले ओलिंपिक मेडलिस्ट बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट को एशियन गेम्स में डायरेक्ट एंट्री मिल गई है। अब उन्हें चयन ट्रायल में हिस्सा नहीं लेना होगा।

WFI की एडहॉक कमेटी ने कहा है कि वह सभी श्रेणियों में ट्रायल आयोजित करेगा, लेकिन पुरुषों की फ्रीस्टाइल 65 किग्रा और महिलाओं की 53 किग्रा में विजेताओं को स्टैंडबाय के रूप में रखा जाएगा। इन कैटेगरी से हांगझोउ में होने जा रहे एशियन गेम्स में बजरंग और विनेश भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। हालांकि अन्य पहलवानों ने इसका विरोध किया है और कोर्ट जाने की धमकी दी है। धरना-प्रदर्शन में ओलिंपिक मेडलिस्ट बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट के साथ 4 अन्य पहलवान भी शामिल थे। ये सभी कुश्ती संघ के तत्कालीन अध्यक्ष बृजभूषण

शरण सिंह को पद से हटाए जाने की मांग को लेकर आंदोलनरत रहे हैं।

धरने पर बैठे 6 पहलवान एशियन गेम्स के लिए विदेश में प्रैक्टिस कर रहे हैं। बजरंग, जितेंदर, संगीता किर्गिस्तान में हैं, विनेश रैंक-4 का टूर्नामेंट खेलने हंगरी गई हैं, जबकि साक्षी मलिक और सत्यव्रत कादियान अमेरिका में तैयारी कर रहे हैं।

पहले धरना प्रदर्शन पर बैठे 6 पहलवानों को इन ट्रायल से छूट मिली थी। इतना ही नहीं, इन सभी पहलवानों के लिए अगस्त के दूसरे हफ्ते में स्पेशल ट्रायल आयोजित किए जाने की बातें चल रही थीं, लेकिन मंगलवार को एडहॉक कमेटी ने बजरंग और विनेश को ही डायरेक्ट एंट्री देने की बात कही। भारतीय टीम के ओपन ट्रायल दिल्ली के केडी जाधव इंडोर स्टेडियम में 22 और 23 जुलाई को होने हैं।

एशियन गेम्स में शामिल होने वाले भारतीय पहलवानों के नामों की घोषणा करने की आखिरी तारीख 23 जुलाई है। ओलिंपिक काउंसिल एशिया (OCA) तक अगर उस तारीख तक नाम नहीं भेजे गए, तो गेम्स में भारतीय कुश्ती दल का भाग लेना मुमकिन नहीं होगा। धरना देने वाले पहलवानों को ओपन ट्रायल से राहत देने के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा था। अब एडहॉक कमेटी ने इसका उपाय ढूंढ लिया है।

कमेटी ओपन ट्रायल के आधार पर टीम सिलेक्ट कर लेगी और पुरुषों की फ्रीस्टाइल 65 किग्रा और महिलाओं की 53 किग्रा में विजेताओं को स्टैंडबाय के रूप में रखेगी। कुछ पहलवान बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट की एशियाड में डायरेक्ट एंट्री के विरोध में आ गए हैं। पहलवानों ने मामले के विरोध में कोर्ट जाने की धमकी दी है। एडहॉक कमेटी के मेंबर अशोक गर्ग ने बताया कि रवि दहिया और दीपक पूनिया सहित किसी भी अन्य इंटरनेशनल पहलवान ने ओपन ट्रायल में भाग लेने से मना नहीं किया है। अगर वे इंजर्ड होते हैं और ओपन ट्रायल देने के लिए फिट नहीं है और कमेटी या खेल मंत्रालय से ट्रायल अगस्त में कराने की मांग करते हैं तो उनके नामों पर भी विचार किया जाएगा।

वर्ल्ड कप के बाद भारत-पाक भिड़ंत के लिए करना होगा 7 महीने का इंतजार

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिकेट में भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाला मैच क्रिकेट फैंस के लिए ऑल टाइम फेवरेट रहता है। इन देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध खत्म होने के बाद से तो प्रशंसक भारत-पाक मैच का बेसब्री से इंतजार करते हैं। अगले तीन महीने में भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम 3 मुकाबले जरूर देखे जाएंगे। इसमें से दो मैच एशिया कप में तय हैं, जबकि एक मैच विश्व कप में खेला जाएगा जो 15 अक्टूबर को होगा। इसके अलावा अगर भारत-पाकिस्तान की टीमें एशिया कप के सेमीफाइनल या फिर फाइनल में या फिर वर्ल्ड कप के फाइनल में आमने-सामने आती हैं तो इन मैचों की संख्या बढ़ भी सकती है। वर्ल्ड कप तक तो फैंस को यह हाईवोल्टेज कम से कम 3 बार देखने को मिलेगा, लेकिन वर्ल्ड कप के बाद फैंस को फिर से भारत-पाकिस्तान मैच देखने का करीब 7 महीने का इंतजार करना होगा।

अरुणाचल के खिलाड़ियों को चीन ने नहीं दिया वीजा

तीन वूशु खिलाड़ियों के दस्तावेज लौटाए

नई दिल्ली, 18 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व यूनिवर्सिटी खेल 28 जुलाई से 8 अगस्त तक चीन के शहर चेंगदू में खेले जा रहे हैं, जिसमें बड़ी संख्या में भारतीय दल शिरकत करने जा रहे है। दल को 26 अगस्त को चेंगदू रवाना होना है।

विश्व यूनिवर्सियाड खेलों में भाग लेने चीन जा रहे अरुणाचल प्रदेश के तीन खिलाड़ियों को चीन ने वीजा जारी नहीं किया है। ये तीनों खिलाड़ी वूशु के हैं और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गुजरात से संबद्ध हैं। ये तीनों खिलाड़ी आठ सदस्यीय टीम के साथ सोमवार को बायोमेट्रिक कराने के लिए दिल्ली स्थित चीनी वीजा सेंटर गए। पूरी टीम को वीजा जारी कर दिया गया, लेकिन इन तीनों खिलाड़ियों का बायोमेट्रिक करने से इन्कार कर दिया गया। भारतीय वूशु संघ और एसोसिएशन ऑफ इंडियन

यूनिवर्सिटीज (एआईयू) की ओर से चीनी दूतावास से गुहार लगाई गई है कि इन तीनों खिलाड़ियों का वीजा लगाया जाए।

विश्व यूनिवर्सियाड खेल 28 जुलाई से 8 अगस्त तक चीन के शहर चेंगदू में खेले जा रहे हैं, जिसमें बड़ी संख्या में भारतीय दल शिरकत करने जा रहे है। दल को 26 अगस्त को चेंगदू रवाना होना है। सभी खिलाड़ियों के वीजा लग गए हैं, लेकिन अरुणाचल प्रदेश से संबंधित ओनिलू तेगा, मेपयांग लामगू और नेयमान वांगशू के वीजा रोक दिए गए हैं।

वूशु टीम के मैनेजर डॉ. गुलाब सिंह और कोच राहुल चौधरी के मुताबिक जब इन तीनों अरुणाचल प्रदेश के खिलाड़ियों का बायोमेट्रिक की बारी आई तो चीनी वीजा सेंटर ने इससे इन्कार कर दिया। उनके कोई दस्तावेज भी नहीं लिए गए। उनसे कहा गया कि इन तीनों खिलाड़ियों के बारे में उन्हें चीनी दूतावास से मंजूरी लेनी होगी। एआईयू ने चीनी दूतावास को पत्र लिखकर गुहार लगाई है कि इन खिलाड़ियों का जल्द से जल्द वीजा जारी किया जाए।

चीन की ओर से अरुणाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को वीजा जारी किए जाने के मामले में पहले भी परेशानी आई है। इससे पहले चीन कई अरुणाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को नत्थी वीजा जारी करता रहा है। चीन के नत्थी वीजा को भारत सरकार मंजूरी नहीं देती है।

विम्बलडन फाइनल में रैकेट तोड़ने पर जोकोविच पर जुर्माना

इनामी राशि से काटे जाएंगे लगभग 6 लाख 56 हजार रुपए

लंदन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। 23 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच पर विम्बलडन फाइनल के दौरान अपना रैकेट तोड़ने के लिए भारी जुर्माना लगाया गया है। जोकोविच पर (8,000 डॉलर) लगभग साढ़े छह लाख का जुर्माना लगाया गया है। उन पर यह जुर्माना इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब ने लगाया है।

रविवार को सर्बियन स्टार नोवाक जोकोविच और स्पेन के कार्लोस अल्कारेज के बीच विम्बलडन 2023 का फाइनल मुकाबला खेला गया। मुकाबले के दौरान जोकोविच ने अपना रैकेट नेट पर मारकर तोड़ दिया था।

इसके बाद अंपायर ने तुरंत जोकोविच के खिलाफ कोड उल्लंघन के लिए चेतावनी जारी की। रिपोर्ट के मुताबिक उन पर लगा यह फाइन उनके रनर-अप चेक से काट लिया जाएगा।

विम्बलडन में जेंटलमेंस सिंगल्स चैंपियन अल्कारेज और लेडीज सिंगल्स चैम्पियन मार्केटा वोंद्रोसोवा को करीब 24.49 करोड़ रुपए मिले। रनर-अप जोकोविच को 12.25 करोड़ रुपए की प्राइज मनी दी गई। पिछले साल मेंस और विमेंस चैम्पियन को करीब 20.85 करोड़ रुपए मिले थे।

फाइनल में अल्कारेज ने 1-6, 7-6, 6-1, 3-6, 4-6 से हराया

20 साल के कार्लोस अल्कारेज ने रविवार देर रात विम्बलडन मेंस सिंगल्स फाइनल का खिताब जीता। उन्होंने 36 साल के जोकोविच को 4 घंटे 42 मिनट तक चले मुकाबले में कड़ी मशक्कत के बाद 1-6, 7-6, 6-1, 3-6, 4-6 से हराया।

सचिन तेंदुलकर ने विंबलडन चैंपियन अल्काराज की जमकर तारीफ की

फेडरर से तुलना करते हुए कही यह बात

लंदन, 18 जुलाई (एजेंसियां)। सचिन ने ट्वीट कर अल्काराज की जमकर तारीफ की है। अल्काराज की तरह सचिन ने भी काफी कम उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू किया था और युवा होने के दौरान ही दुनिया को अपने क्रिकेटिंग शॉट्स का दीवाना बना दिया था।

कार्लोस अल्काराज ने विंबलडन 2023 में अपनी अपार प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन दिखाया। वह 20 वर्षों में 'बिग 4' के अलावा विंबलडन खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। बिग-4 यानी रोजर फेडरर, राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच और एंडी मरे। अलकराज ने सर्बिया के जोकोविच के पसंदीदा कोर्ट पर उन्हें हराकर दुनिया को दिखा दिया कि उनमें किसी से भी टक्कर लेने की क्षमता है। इस दशक में बिग-4 का दबदबा रहा है। ऐसे में 20 साल के अल्काराज की जीत से ऐसा लगा कि अब टेनिस नए दौर में प्रवेश करने जा रहा है। इससे पहले वह 2022 में यूएस ओपन का खिताब भी जीत चुके हैं। ऐसे में इतनी कम उम्र में दो खिताब जीतकर अल्काराज ने सभी को अपना फैन बना दिया है। इस जीत के बाद हर स्पोर्ट्स से

उन्हें तारीफ मिल रही है। इनमें क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर भी शामिल हैं।

सचिन ने ट्वीट कर अल्काराज की जमकर तारीफ की है। अल्काराज की तरह सचिन ने भी काफी कम उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू किया था और युवा होने के दौरान ही दुनिया को अपने क्रिकेटिंग शॉट्स का दीवाना बना दिया था। सचिन ने जोकोविच और अल्काराज के बीच फाइनल के बाद ट्वीट कर लिखा- क्या शानदार फाइनल देखने को मिला! इन दोनों एथलीटों ने शानदार टेनिस का खेल दिखाया! हम टेनिस के अगले सुपरस्टार का उदय देख रहे हैं।

इतना ही नहीं विंबलडन फाइनल के दौरान अल्काराज की मानसिक मजबूती की भी खूब तारीफ हो रही है। पहले सेट में जोकोविच के हाथों 6-1 से हारने के बाद दूसरे सेट में अल्काराज ने जबरदस्त वापसी की थी और टाई ब्रेकर में यह सेट अपने नाम किया था। साथ ही उन्होंने जोकोविच लगातार 15 टाई ब्रेकर जीतने के रिकॉर्ड को भी रोक दिया था। सचिन ने अल्काराज की तारीफ करते हुए कहा- मैं अब अल्काराज के करियर को अगले 10-12 वर्षों तक फॉलो करने जा रहा हूं, जैसा कि मैंने रोजर फेडरर के साथ किया था। बहुत-बहुत बधाई अल्काराजा।

शिक्षा को सर्वोपरि महत्व दे रही है सरकार : इंद्रकरण

मंत्री ने केजीबीवी भवन का शुभारंभ किया

वन मंत्री अल्लोला इंद्रकरण रेड्डी को ज्ञापन सौंपते हुए किसान।

निर्मल, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री अल्लोला इंद्रकरण रेड्डी ने कहा कि सरकार शिक्षा को सर्वोपरि महत्व दे रही है।

उन्होंने मंगलवार को सारंगापुर मंडल के अनंतपेट गांव में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की इमारत का औपचारिक उद्घाटन किया। यह सुविधा 3.40 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई है। इस अवसर पर बोलते हुए, रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव शिक्षा क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे गरीब छात्रों को सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। उन्होंने कहा कि लड़कियों के लिए बने भवन का उद्घाटन करते हुए उन्हें खुशी महसूस हो रही है।

मंत्री ने आगे कहा कि यह स्कूल सारंगापुर मंडल की उन लड़कियों के लिए फायदेमंद है, जो स्कूल से वंचित थीं। उन्होंने कहा कि भवन के आगमन के साथ छात्रों और शिक्षकों की चुनौतियाँ अतीत की बात हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि नया भवन सभी बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित है। तेलंगाना राज्य सिंचाई विकास निगम के अध्यक्ष समुद्रला वेणुगोपाल चारी, कलेक्टर के वरुण रेड्डी और कई अन्य उपस्थित थे।

वन मंत्री ने इथेनॉल फैक्ट्री का विरोध कर रहे किसानों का किया समर्थन

निर्मल, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री अल्लोला इंद्रकरण रेड्डी ने एक इथेनॉल निर्माता प्रबंधन से दिलावरपुर मंडल केंद्र में आवासीय क्षेत्र पर एक संयंत्र स्थापित करने के अपने निर्णय को वापस लेने की मांग की। मंगलवार को यहां उनसे मुलाकात के दौरान उन्होंने प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों के प्रति एकजुटता दिखाई। किसानों को संबोधित करते हुए, रेड्डी ने कहा कि आवासीय क्षेत्रों में इथेनॉल विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने से औद्योगिक अपशिष्टों के निर्वहन के कारण कृषि क्षेत्रों को प्रभावित करने के अलावा, स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने महसूस किया कि एक स्थानीय विधायक के रूप में उन्हें प्रदर्शनकारियों के साथ खड़े होने की जरूरत है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि संयंत्र आवासीय क्षेत्रों से दूर स्थापित किया जाता है तो उन्हें इसके निर्माण पर कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इथेनॉल संयंत्र स्थानीय लोगों की आशंकाओं को दूर करने और राज्य और केंद्र सरकार दोनों द्वारा स्थानीय लोगों के विचार जानने के बाद स्थापित किया जाना चाहिए था। स्थानीय लोग संयंत्र का विरोध कर रहे थे क्योंकि उनकी बात नहीं सुनी गई और शंकाओं का समाधान नहीं किया गया।

आसिफाबाद व मंचेरियल में मध्यम बारिश हुई

मंचेरियल, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल और निर्मल के कई हिस्सों में मंगलवार को हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

कुमराम भीम आसिफाबाद जिले की औसत वर्षा 33 मिमी है। पेंचिकलपेट मंडल में सबसे अधिक 55.7 मिमी बारिश हुई। 1 जून से 18 जुलाई तक सामान्य वर्षा 365 मिमी की तुलना में जिले की वास्तविक वर्षा 333 मिमी है, जो मामूली कमी को दर्शाती है। आसिफाबाद और बेजूर मंडलों को छोड़कर, शेष 13 मंडलों में सामान्य वर्षा हुई, जिससे किसान प्रसन्न हुए।

मंचेरियल जिले की औसत वर्षा 24.2 मिमी थी। भीमिनी मंडल में सबसे अधिक 37 मिमी बारिश हुई। जिले में 1 जून से 18 जुलाई तक 334 मिमी की तुलना में 305 मिमी की वास्तविक वर्षा दर्ज की गई, जिसमें 9 प्रतिशत की नगण्य कमी दर्ज की गई। निर्मल जिले की औसत वर्षा 19.9 मिमी थी। जिले की वास्तविक वर्षा 325 मिमी की तुलना में 344 मिमी थी, जो नाममात्र की अधिकता दर्शाती है। इस बीच, सिरपुर (टी) के विधायक कोनेरू कोनप्पा ने कलेक्टर हेमंत बोरकड़े और पंचायत राज विभाग के अधिकारियों के साथ कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के देहेगांव मंडल में पेंचिकालपेट मंडल केंद्र और लगगामा गांव के बीच पेद्दावागु में एक निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण किया।

अंडेवेल्ली ब्रिज के निर्माण में देरी कोनप्पा की अक्षमता का प्रमाण : डॉ. पालवई

सिरपुर कागजनगर, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंडल के अंडेवेल्ली और जगन्नाथपुर गांवों के बीच पेद्दावागु पुल तीन साल पहले ढह गया, जिससे कागज नगर, दहेगांम और भीमिनी मंडल के लोग पूरी तरह से परिवहन सुविधा से वंचित हो गए। हालांकि करीब 54 गांवों के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन पुल निर्माण में हो रही देरी के विरोध में आज भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में पुल निर्माण की मांग को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. पालवाई हरीश बाबू ने कहा कि सिरपुर विधानसभा क्षेत्र को हर तरह से विकसित करने का दावा करने वाले विधायक कोनेरू कोनप्पा की अक्षमता का प्रमाण यह अधूरा पेद्दावागु पुल है.श।उन्होंने कहा कि अगर पुल तीन साल पहले ढह गया था, तो कम से कम इसकी मरम्मत नहीं की गई और पुल पूरी तरह से ढह गया।

उन्होंने आलोचना की कि कोनेरू परिवार की रेत की प्यास के कारण यह पुल ढह गया, और यह कहने के एक साल बीत जाने के बावजूद कि युद्ध स्तर पर काम करने के लिए आंध्र के ठेकेदार को लाया गया, पुल का निर्माण अभी तक नहीं किया गया है।कोनेरू कोनप्पा ने कागज नगर से रामपुर मोतलागुडा तक सड़कों और पुलों की स्थिति की आलोचना की, जिससे पता चलता है कि पिछले 15 वर्षों में किया गया विकास कुछ भी नहीं है।उन्होंने कहा कि सिरपुर विधानसभा क्षेत्र पिछले 15 सालों में आगे नहीं बल्कि पीछे चला गया है।

उन्होंने ने मांग कि की पुल का निर्माण शीघ्र पूरा कराया जाए और आवागमन की सुविधा मुहैया कराई जाए।भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष डॉ. कोट्टापल्ली श्रीनिवास, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अजमीरा आत्माराम नाइक, कागजनगर नगर अध्यक्ष सिंदम श्रीनिवास, पूर्व सिंगल विंडो चेयरमैन कोंडरा प्रभाकर गौड़, पूर्व पार्षद ईरला विश्वेश्वर राव, ओबीसी मोर्चा के गोलेम वेंकटेश, पुप्पला सत्यनारायण, मचरला श्रीनिवास, चिप्पकुर्ती श्रीनिवास, सोशल मीडिया संयोजक अमित विश्वास, मंडल अध्यक्ष रपर्थी धनुंजय, नेता उम्मेरा बालकृष्ण, एलकारी दामोदर, बुरम राजू, दोंतुला श्रीनिवास, पुल्ला अशोक, भाजपा नेता, कार्यकर्ता और अन्य लोगों ने बड़े पैमाने पर भाग लिया।

सीएम ने केरल के पूर्व सीएम ओमान चांडी के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को दिग्गज कांग्रेस नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के निधन पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने साधारण जीवन जीने वाले और सर्वश्रेष्ठ राजनेता के रूप में केरल के लोगों का दिल जीतने वाले ओमन चांडी की सेवाओं को याद किया है। केसीआर ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। केरल के दो बार मुख्यमंत्री रह चुके 79 वर्षीय ओमान चांडी का मंगलवार तड़के बेंगलुरु में निधन हो गया।

एनडीए गठबंधन स्थिरता लाएगा : पवन कल्याण

विजयवाड़ा, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेना पार्टी (जेएसपी) के अध्यक्ष पवन कल्याण ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक पर अपने विचार साझा किए। पवन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की। कल्याण ने उम्मीद जताई कि एनडीए के साथ जुड़ने से देश बेहतर स्थिरता की ओर बढ़ेगा। आंध्र प्रदेश में वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को संबोधित करते हुए अभिनेता से नेता बने अभिनेता ने आरोप लगाया कि राज्य में सत्तारूढ़ सरकार भ्रष्टाचार और अराजकता से ग्रस्त है। पवन कल्याण ने राज्य के निवासियों की चिंताओं को दूर करने के अपने उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायुडू और भाजपा के साथ अपने राजनीतिक जुड़ाव पर भी प्रकाश डाला। जब पवन कल्याण से राज्य के मुख्यमंत्री पद के लिए उनकी संभावित उम्मीदवारी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने अपनी भविष्य की आकांक्षाओं और राजनीतिक लक्ष्यों के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए जवाब दिया। पवन कल्याण ने एनडीए गठबंधन के बारे में अपने दृष्टिकोण, वर्तमान सरकार की आलोचना, अपने राजनीतिक गठबंधन और आंध्र प्रदेश के लोगों की सेवा करने की अपनी आकांक्षाओं पर प्रकाश डाला।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

राहुल गांधी पर केटीआर की टिप्पणी के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एआईसीसी नेता राहुल गांधी पर मंत्री केटीआर की अनुचित टिप्पणियों के विरोध में हैदराबाद जिला कांग्रेस और टीपीसीसी महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नामपल्ली की मुख्य सड़क पर मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और मंत्री के तारकरामा राव के पुतले जलाए। हैदराबाद डीसीसी अध्यक्ष समीर वलीउल्लाह और महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता राव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और केसीआर और केटीआर के खिलाफ नारे लगाए। बाद में उन्होंने केसीआर और केटीआर का पुतला फूंका। विरोध करने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से हल्की नोकझोंक हुई। इसके बाद सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया और बेगम बाजार पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, समीर वलीउल्लाह ने मंत्री केटीआर द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ की गई अनुचित टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि राहुल को कृषि के बारे में पता नहीं है। उन्होंने कहा कि केटीआर न केवल अहंकारी हैं बल्कि पूरी तरह से अज्ञानी हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने भारत में कृषि के बदलाव में अहम भूमिका निभाई है। पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में, पार्टी ने विभिन्न विकास कार्यक्रम शुरू किए जिससे व्यापक कृषि विकास को बढ़ावा मिला। उन्होंने कहा कि नागार्जुन सागर जैसी प्रमुख परियोजनाओं का निर्माण , श्रीशैलम, और श्रीराम सागर पिछले कांग्रेस प्रशासन की उपलब्धियों के प्रमाण के रूप में खड़े हैं। इन परियोजनाओं ने लाखों एकड़ भूमि को सिंचाई प्रदान करने में मदद की है, और उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई है। कांग्रेस पार्टी का योगदान भारत में कृषि का विकास निर्विवाद है। समीर वलीउल्लाह ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने फसल ऋण माफ कर किसानों को कर्ज से मुक्ति दिलाई थी। देश में पहली बार आंध्र प्रदेश ने खेती के लिए मुफ्त बिजली देकर क्रांतिकारी बदलाव की शुरुआत की। जब कांग्रेस देश के करोड़ों किसानों का जीवन सुधार रही थी, तब केटीआर एक अमेरिकी होटल में काम कर रहे थे। केसीआर इसलिए मुख्यमंत्री बने क्योंकि कांग्रेस ने तेलंगाना को राज्य का दर्जा दिया और केटीआर सिर्फ इसलिए मंत्री बने क्योंकि वह केसीआर के बेटे हैं। उन्होंने कहा, 'केटीआर का राहुल गांधी के बारे में टिप्पणी करने का कोई कद नहीं है। वह केवल ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने किसानों को 24 घंटे बिजली के फर्जी दावे के पीछे बड़े घोटाले का खुलासा किया है।' महिला कांग्रेस सुनीता राव ने कहा कि बीआरएस सरकार 2014 और 2018 दोनों चुनावों में किसानों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि किसान अभी भी अपने फसली ऋण माफ होने का इंतजार कर रहे हैं।

अवैध भूमि सौदे में शामिल पांच गिरफ्तार

खम्मम, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एसीपी (टाउन) पीवी गणेश ने कहा कि भूदान समिति के सदस्य होने का दावा करने वाले निर्दोष गरीब लोगों को धोखा देने के आरोपी पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया और न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। मंगलवार को यहां एक बयान में उन्होंने बताया कि 15 जुलाई को खानापुरम हवेली पुलिस स्टेशन में 13 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे, जिन्होंने खम्मम शहर के पास वेलुगुमटला में लोगों के एक समूह को निजी भूमि पर अतिक्रमण करने और झोपड़ियां बनाने के लिए प्रोत्साहित किया था। आरोपी, कोप्पेरा वेंकन्ना, वाकाबोइना रामुलु, बरिगेला जयम्मा, बुडिगे रामुलु और बनाला लक्ष्मण चारी ने वेलुगुमातला के आठ अन्य लोगों के साथ मिलकर एक गिरोह बनाया। एसीपी ने कहा, उन्होंने संबंधित क्षेत्र के निजी भूमि मालिकों को धमकी दी और उनसे 1 लाख रुपये की मांग की और आधे पैसे ले लिए। जब उन्होंने बाकी पैसे की मांग की तो जमीन मालिकों ने देने से इंकार कर दिया। फिर गिरोह के सदस्यों ने भूमिहीन गरीब लोगों को घर दिलाने का वादा कर अपने जाल में फंसाया और उनसे 10,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक वसूले और उन्हें निजी जमीन पर कब्जा करने के लिए उकसाया।

आरोपियों के खिलाफ जमीन पर कब्जा करने, पुलिस की ड्यूटी में बाधा डालने और घातक हथियार रखने समेत कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। गणेश ने बताया कि फरार आठ अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमें बनाई जा रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नदी में मालकिन ने लगाई छलांग, जूते के पास रातभर इंतजार करता रहा कुत्ता

दिल दहला देने वाला दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल

अमरावती, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के अंबेडकर कोनसीमा जिले में गोदावरी नदी में कूदने के बाद एक पालतू कुत्ता रातभर अपनी मालकिन का इंतजार करता रहा। अपनी मालकिन के जूते के पास पालतू कुत्ते के इंतजार करने का दिल दहला देने वाला दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कुत्ता उसके लौटने का इंतज़ार करते हुए वहीं सो गया। 22 वर्षीय एक महिला ने रविवार शाम को यानम और येदुरलंका के बीच जीएमसी बालयोगी ब्रिज से नदी में छलांग लगा दी। यह घटना तब हुई जब बड़ी संख्या में पर्यटक सूर्यास्त का आनंद लेने के लिए इलाके में जमा हुए थे। पुल पर अपने पालतू जानवर के साथ टहल रही महिला ने अचानक नदी में छलांग लगा दी। राहगीरों के शोर मचाने के बाद नाव में सवार मछुआरों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन वह तेज धारा में बह गई। शाम को टहलने वालों के लिए पालतू जानवर को पुल पर बेचैनी से घूमते और नदी की ओर देखते हुए देखना हृदय विदारक था। वह वापस आकर अपनी मालकिन के जूते के पास बैठ गया। कुत्ते ने रात भर इंतजार किया और वहीं सो गया। सोमवार की सुबह आखिरकार कुत्ता महिला की मां के पास चला गया। महिला की तलाश जारी है। उसकी पहचान यानम फेरी रोड निवासी मंदांगी कंचना (22) के रूप में हुई। उनकी मां एक होटल चलाती हैं। यानम पुलिस ने कहा कि वे आत्महत्या के कारण की जांच कर रहे हैं। यानम आंध्र प्रदेश के भीतर केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी का एक परिक्षेत्र है।

ऑपरेशन मुस्कान ने आदिलाबाद में 6,000 से अधिक बच्चों को बचाया

आदिलाबाद, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पांच साल की अवधि में ऑपरेशन मुस्कान के माध्यम से 6,000 से अधिक बच्चों को बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराया गया, जिससे उन्हें स्कूल जाने और बेहतर जीवन बनाने के अपने सपने को साकार करने में मदद मिली। सरकार द्वारा 2017 में बंधुआ मजदूरी को खत्म करने के लिए शुरू किया गया ऑपरेशन मुस्कान, साल के प्रत्येक जनवरी और जुलाई में चलाया जा रहा है। महिला एवं बाल कल्याण विभाग द्वारा पुलिस और श्रम विभाग तथा एक स्वयंसेवी संगठन के सहयोग से बच्चों को बंधुआ मजदूरी की बेड़ियों से मुक्त कराने की पहल को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा रहा है। चार कांस्टेबलों और इन विभागों के अधिकारियों सहित सात लोगों की एक टीम उन बच्चों की पहचान करने के लिए महीने भर का विशेष अभियान चलाती है, जिन्हें काम करने के लिए मजबूर किया गया था। वे माता-पिता को सलाह देते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि बच्चे स्कूल जाएं। वे यह सुनिश्चित करते हैं कि बच्चों का शोषण करने के लिए छोटे भोजनालयों, फल विक्रेताओं, बेकरी, कपड़े की दुकानों आदि के मालिकों के खिलाफ मामले दर्ज किए जाएं।

अधिकारियों के अनुसार, 2017 से 2023 तक ऑपरेशन मुस्कान के आठ संस्करणों के माध्यम से 6,425 बच्चों को बचाया गया। इनमें से 4,833 लड़के थे, जबकि 1,593 लड़कियां थीं। कम से कम 626 अनाथ, निराश्रित बच्चों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सरकार द्वारा संचालित घरों में भर्ती कराया गया। आदिलाबाद जिले में आठ चरणों में 1,583 बच्चों की पहचान की गई। मंचेरियल में 2,784 बाल श्रमिक थे, जबकि निर्मल जिले और कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में क्रमशः 1,136 बच्चों और 923 बच्चों को बचाया गया था। इन चार जिलों के कुल 5,746 बच्चों की काउंसलिंग की गई और उन्हें स्कूलों से जोड़ा गया। मंचेरियल जिला कल्याण अधिकारी कोट्टे चिन्नैया ने बताया कि श्रम और पुलिस विभागों के सहयोग से और एक स्वैच्छिक संगठन बेटी बचाओ आंदोलन से सहायता लेकर ऑपरेशन मुस्कान कार्यक्रम को जिले में सख्ती से लागू किया जा रहा है। मंचेरियल, बेल्लमपल्ली और जयपुर में कामकाजी बच्चों की पहचान के लिए तीन विशेष टीमें बनाई गईं।

व्यक्ति ने की पत्नी की गला दबाकर हत्या

सिद्दीपेट, 18 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मिरुदोड्डी में मंगलवार तड़के एक महिला की कथित तौर पर उसके पति ने तकिए से मुंह दबाकर हत्या कर दी। पीड़िता पूसा भवानी (23) थी जबकि आरोपी उसका पति पूसा कनकराजू (26) था। भवानी मेडक जिले के निज़ामपेट के चेल्मेडा निवासी रेणुका और तिरुमलैया की बेटी थीं। इस जोड़े ने एक साल पहले भवानी की शादी कनकराजू से कराई थी। हालाँकि, शादी के कुछ महीनों के भीतर ही युवा जोड़े में मतभेद हो गए।

कहा जाता है कि ऐसे ही एक तर्क के बाद, कनकराजू ने अपने घर में उसकी हत्या कर दी। भवानी के माता-पिता और रिश्तेदार कनकराजू के घर पहुंचे और उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने पुलिस से आरोपियों को उनके हवाले करने की मांग करते हुए रास्ता रोको प्रदर्शन किया। पुलिस ने कहा कि हालांकि प्रारंभिक जांच से हत्या का संकेत मिलता है, वे शव परीक्षण रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। मामला दर्ज कर लिया गया है जबकि आरोपी को पकड़ने की कोशिश की जा रही है, जो फरार है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.